NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance
specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

बिजडम इंडिया

निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com

लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष: 13 अंक: 165 लखनऊ, रविवार 28 जनवरी 2024 मूल्य: 02 रुपये पृष्ठ- 08

बिहार में रविवार को नई सरकार, फिर सीएम पद की शपथ ले सकते हैं नीतीश कुमार, साथ में भाजपा होगी इस बार, पूरा प्लान तैयार!

एजेसी। नई दिल्ली विवार को बिहार में नई सरकार होगी। लेकिन उसके चेहरा नीतीश कुमार रहेंगे। नीतीश कुमार 9वीं ार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। भाजपा विधायक दल की ाज बैठक हुई जिसमें तमाम ीजों को लेकर राय ली गई । बिहार की राजनीति में टनाक्रम बहुत तेजी से बदलता ुआ दिखाई दे रहा है। बिहार ं राजद, जदयू और कांग्रेस की महागठबंधन सरकार किलहाल वेंटिलेटर पर नजर ा रही है। राजद और जदयू के बीच जबरदस्त तरीके से ूरियां दिखाई दे रही हैं। इन सबके बीच खबर यह है कि ीतीश कुमार भाजपा के साथ मिलकर एक बार फिर से सरकार ना सकते हैं। जानकारी के ुताबिक रविवार सुबह जदयू की बड़ी बैठक होगी। इसके बाद एनडीए की बैठक होगी। सूत्रों के मुताबिक तब नीतीश कुमार अपना इस्तीफा राज्यपाल को सौंपेंगे और साथ ही साथ सरकार बनाने का दावा भी करेंगे। रविवार शाम 4रू00 के आसपास मुख्यमंत्री के तौर पर नीतीश कुमार एक बार फिर से शपथ लेंगे। इस बार उनके साथ भाजपा के नेता उपमुख्यमंत्री के तौर पर शपथ लेंगे। इसका मतलब साफ है कि रविवार को बिहार में नई सरकार होगी। लेकिन उसके चेहरा नीतीश कुमार रहेंगे। नीतीश कुमार 9वीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। भाजपा विधायक दल की आज बैठक हुई जिसमें तमाम चीजों को लेकर राय ली गई है। बिहार बीजेपी प्रदेश कार्यकारिणी समिति की बैठक पर बीजेपी सांसद राजीव प्रताप रूडी ने कहा कि यह

बैठक पटना में हुई, इसमें पार्टी के सभी विधायक, सांसद और वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद रहे। हमने मूल रूप से चर्चा की, कर्पूरी ठाकुर के लिए भारत रत्न के लिए एक प्रस्ताव पारित किया गया, पार्टी ने पीएम मोदी के फैसले की सराहना की। जहां तक घ्घराजनीतिक मोर्चे का सवाल है, हम अभी भी घटनाक्रम का इंतजार कर रहे हैं। दूसरी ओर खबर यह है कि नीतीश और भाजपा के बीच 2020 वाले फॉर्मूले पर डील पक्की हो गई है। नीतीश कुमार के साथ भाजपा कोटे से दो उपमुख्यमंत्री शामिल हो सकते हैं। वहीं, स्पीकर का पद भी भाजपा के पास जाएगा। हालांकि राजद खेमा भी पूरी तरीके से सक्रिय है और जोड़–तोड़ की गणित की कोशिश में लगा हुआ है। हालांकि, फिलहाल 8 विधायकों को जुटा पाना लालब यादव के लिए मुश्किल दिखाई दे रहा है। बिहार की राजनीतिक घटनाक्रम के बीच जीतन राम मांझी भी चर्चाओं के केंद्र में है। जीतन राम मांझी की पार्टी के पास चार विधायक है। यही कारण है कि उनके ऊपर कांग्रेस और राजद की ओर से डोरे डाले जा रहे हैं। हालांकि, मांझी ने साफ तौर पर विधायक दल की बैठक के बाद कहा कि हम नरेंद्र मोदी के साथ हैं और नरेंद्र मोदी जहां जाएंगे, वहीं हम रहेंगे। इसका मतलब साफ है कि बिहार में अब नीतीश कुमार नए गठबंधन सहयोगी के साथ सरकार बनाने की तैयारी कर चुके हैं। बिहार में राजनीतिक उठापटक के बीच आज राजद की विधायक दल की बैठक बुलाई गई थी। इस बैठक में राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का बदायूं दौरा, बायोगैस प्लांट का किया उद्घाटन

संवाददाता।

लखनऊ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का कार्यक्रम दोपहर डेढ़ बजे प्रस्तावित है। वह दातागंज क्षेत्र में एथेनॉल प्लांट का उद्घाटन करेंगे। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज बदायूं के दातागंज के सैजनी में स्थित एचपीसीएल के बायोगैस प्लांट का उद्घाटन करेंगे। इसको लेकर जिला प्रशासन की ओर से सभी तैयारी पूरी कर ली गई है। बदायूं समेत मंडल भर के अधिकारी कार्यक्रम स्थल पर पहुंच गए हैं। मुख्यमंत्री बायो गैस प्लांट का उद्घाटन करने के बाद जनता को संबोधित भी करेंगे। शुक्रवार सुबह से ही जिलेभर से लोगों का वहां पर पहुंचना

शुरू हो गया है। सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस चप्पे–चप्पे पर तैनात है।जनसभा को सफल बनाने के लिए क्षेत्रीय अध्यक्ष भाजपा ब्रज क्षेत्र दुर्विजय सिंह शाक्य ने बृहस्पतिवार को भाजपा कार्यालय पर जनप्रतिनिधियों, ब्लॉक प्रमुख, चेयरमैन, पार्टी पदाधिकारियों के बैठक की थी। उन्होंने कहा कि जिले में एचपीसीएल की ओर एथेनॉल का बड़ा प्लांट बनना हम सबके लिए सौभाग्य की बात है। हिंदुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) का एथेनॉल प्लांट किसानों की आय को दोगुना करने में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से जनसभा को सफल बनाने का आह्वान किया। धिकारियों ने लिया जनसभा स्थल का जायजामुख्यमंत्री के कार्यक्रम में कोई चूक न हो, इसके लिए वरिष्ठ अधिकारियों ने कार्यक्रम स्थल पर निरीक्षण किया। बृहस्पतिवार को अपर पुलिस महानिदेशक बरेली जोन पीसी मीणा, कमिश्नर सौम्या अग्रवाल, पुलिस महानिरीक्षक बरेली राकेश सिंह, डीएम मनोज कुमार, एसएसपी आलोक प्रियदर्शी समेत अन्य अधिकारियों ने दोपहर बाद निरीक्षण किया।किसानों को मिलेगा प्लांट का फायदा

एथेनॉल प्लांट काफी दिन पहले से शुरू हो गया था। वहां पर

बिहार में सियासी हलचल के लालू परिवार की बढ़ी मुश्किलें, राबड़ी देवी और मीसा भारती को कोर्ट का समन

एजेसी

पटना दिल्ली उच्च न्यायालय ने कात्याल के खिलाफ ईडी की कार्यवाही को रद्द करने से इनकार कर दिया था, जिन पर पूर्व रेल ंत्री लालू प्रसाद यादव के परिवार के सदस्यों के साथ लेनदेन में ामिल होने का आरोप है। दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने ुक्रवार को बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी और बेटियों मीसा ारती और हेमा यादव के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय द्वारा जारी मन पर संज्ञान लिया। उन्हें 9 फरवरी को अदालत में पेश होने के लिए कहा गया था। अदालत ने व्यवसायी अमित कात्याल के

ायाधीश विशाल गोगने ने आदेश पारित करते हुए कहा, ष्संज्ञान लेने के लिए पर्याप्त आधार हैं। इस मामले में ईडी ने 4751 पेज की चार्जशीट दाखिल की थी। इसके अतिरिक्त, आरोपपत्र में दो कर्मों को आरोपी के रूप में नामित किया गया है। दिल्ली उच्च यायालय ने कात्याल के खिलाफ ईडी की कार्यवाही को रद्द करने ने इनकार कर दिया था, जिन पर पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव के परिवार के सदस्यों के साथ लेनदेन में शामिल होने का आरोप । इससे पहले कात्याल के वकीलों ने कहा था कि मूल एफआईआर 8 मई, 2022 को सीबीआई द्वारा दर्ज की गई थी और लेनदेन की वधि 2004–09 है। इसे लेकर ईडी ने 16 अगस्त 22 को ईसीआईआर र्ज की। सीबीआई ने जांच पूरी कर ली है और मुझे एक संरक्षित वाह के रूप में उद्धृत किया गया है। कात्याल के वकील ने दलील ी, मेरी गिरफ्तारी अवैध है और धारा 19 के विपरीत है। कथित घोटाले की उत्पत्ति उस समय से होती है जब लालू प्रसाद यूपीए–1 कैबिनेट ं केंद्रीय रेल मंत्री थे। आरोप से पता चलता है कि 2004 और 2009 के बीच, लालू प्रसाद के परिवार और सहयोगियों को प्रदान की गई ूमि के बदले में विभिन्न भारतीय रेलवे क्षेत्रों में ग्रुप–डी पदों पर कई म्मीदवारों को नियुक्त किया गया था। केंद्रीय जांच ब्यूरो द्वारा दायर एक प्रारंभिक शिकायत के बाद, ईडी ने धन शोधन निवारण अधिनियम पीएमएलए) की आपराधिक धाराओं के तहत एक मामला शुरू किया।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने केरल के राज्यपाल को Z+ Security प्रदान की, CRPF के जवान होंगें शामिल

तिरुवनंतपुरम। उनके कार्यालय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि सीआरपीएफ कर्मियों वाली 'जेड प्लस' सुरक्षा खान और राजभवन को दी गई है। पोस्ट में कहा गया है कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने केरल राजभवन को सूचित किया है कि राज्यपाल और राजभवन की सुरक्षा बढ़ाकर 'जेड प्लस' श्रेणी की कर दी गई है। तिरुवनंतपुरम। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान की सुरक्षा बढ़ाकर 'जेड प्लस' श्रेणी की कर दी है। राजभवन ने शनिवार को यहां यह जानकारी दी। उनके कार्यालय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि सीआरपीएफ कर्मियों वाली 'जेड प्लस' सुरक्षा खान और राजभवन को दी गई है। पोस्ट में कहा गया है कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने केरल राजभवन को सूचित किया है कि राज्यपाल और राजभवन की सुरक्षा बढ़ाकर 'जेड प्लस' श्रेणी की कर दी गई है। केरल के कोल्लम जिले में उस घटनाक्रम के बाद यह कदम उठाया गया है जिसमें राज्यपाल खान केरल में कोल्लम जिले के निलमेल में शनिवार को उनके खिलाफ 'स्टूडेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया'(एसएफआई) के कार्यकर्ताओं के प्रदर्शन करने पर अपने वाहन से बाहर निकले और प्रदर्शनकारियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर सड़क किनारे एक दुकान के सामने बैठ गए। खान ने मुख्यमंत्री पिनराई विजयन पर ''राज्य में अराजकता को बढ़ावा देने'' का आरोप लगाया। खान एमसी रोड पर एक दुकान से कुर्सी लेकर वहीं बैठ गए और उन्होंने प्रदर्शनकारियों

मराठा आरक्षण के संबंध में अधिसूचना पर फडणवीस ने कहा–ओबीसी को डरने की जरूरत नहीं

महाराष्ट्र शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार में गृह विभाग संभाल रहे फडणवीस ने यह भी स्पष्ट किया कि आरक्षण आंदोलन के दौरान आगजनी करने वालों और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ प्राथमिकी वापस नहीं ली जाएगी। ओबीसी समुदाय के प्रमुख नेता भुजबल राज्य में सभी मराठा को कुनबी प्रमाण पत्र देने की जरांगे की मांग का विरोध करते रहे हैं।महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने शनिवार को कहा कि अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को कार्यकर्ता मनोज जरांगे के मराठा आरक्षण आंदोलन के संबंध में राज्य सरकार की अधिसूचना के बारे में किसी तरह की आशंका नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कुनबी प्रमाणपत्र जारी करने के संबंध में मंत्रिमंडल के अपने सहयोगी छगन भुजबल की

आपत्तियों को भी दूर करने का प्रयास किया। इससे पहले, राज्य सरकार ने कहा कि उसने जरांगे की सभी मांगें स्वीकार कर ली हैं, जिसके बाद उन्होंने अपना अनशन खत्म कर दिया। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने घोषणा की कि जब तक मराठा को आरक्षण नहीं मिल जाता, तब तक समुदाय को ओबीसी को मिलने वाले लाभ दिए जाएंगे। शिंदे सरकार ने मराठा समुदाय के उन सभी रक्त संबंधियों को कुनबी के रूप में मान्यता देने के लिए एक अधिसूचना भी जारी की, जिनके कुनबी जाति के रिकॉर्ड पाए गए हैं। कृषक समुदाय कुनबी राज्य में ओबीसी समूह का हिस्सा है। राज्य के मंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अजित पवार गुट के सदस्य भुजबल ने इस कदम को ओबीसी में मराठा के लिए ''पिछले दरवाजे से प्रवेश'' कहा था और अधिसूचना को सतही और दिखावा करार दिया था। नागपुर में पत्रकारों से बातचीत में फडणवीस ने कहा, ''ओबीसी को (अधिसूचना से) डरने की जरूरत नहीं है। उनके साथ कोई नाइंसाफी नहीं होगी।'' भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा, ''मैं भुजबल को बताना चाहता हूं कि कुनबी प्रमाण पत्र उन लोगों को नहीं दिया जाएगा जो कुनबी रिकॉर्ड का प्रमाण नहीं दिखा सकते हैं। (राज्य सरकार के) फैसले से उन लोगों को फायदा होगा जिनके पास रिकॉर्ड तो हैं लेकिन वे जाति प्रमाण पत्र प्राप्त नहीं कर पाए हैं।'' शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार में गृह विभाग संभाल रहे फडणवीस ने यह भी स्पष्ट किया कि आरक्षण आंदोलन के दौरान आगजनी करने वालों और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ प्राथमिकी वापस नहीं ली जाएगी। ओबीसी समुदाय के प्रमुख नेता भुजबल राज्य में सभी मराठा को कुनबी प्रमाण पत्र देने की जरांगे की मांग का विरोध करते रहे हैं।

ओम प्रकाश राजभर बोले, बिहार प्रकरण से घबराए हैं अखिलेश यादव, इंडिया गठबंधन का खेल खत्म

संवाददाता।

लखनऊ सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि इंडिया गठबंधन का खेल खत्म हो चुका है। बिहार में हुए प्रकरण को लेकर अखिलेश यादव घबराए हुए हैं। बिहार में राजद और जदयू के बीच चल रहे सियासी घटनाक्रम को लेकर सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि जदयू अध्यक्ष नीतीश कुमार द्वारा राजद प्रमुख को झटका दिए जाने से अखिलेश घबराहट में हैं। इसलिए ही उन्होंने बिना पूछे ही यूपी में कांग्रेस को 11 सीटें देने को लेकर एक्स पर मैसेज डाल दिया है। उन्होंने कहा कि अखिलेश की घबराहट बता रही है कि इंडिया गठबंधन का खेल खत्म हो चुका है। राजभर ने कहा कि ममता बनर्जी और नीतीश कुमार विपक्षी गठबंधन से अलग हो गए हैं। अब अरविंद केजरीवाल के अलग होने की बारी है। बसपा प्रमुख मायावती ने पहले ही इंडिया में शामिल होने से इंकार कर दिया है। उन्होंने कहा कि सत्ता में रहकर भी विपक्षी दलों ने पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यकों का हक मारा है। अब पीडीए का राग अलाप रहे हैं, लेकिन वास्तव में एनडीए सरकार ही इस समाज के लिए काम कर रही है।

सचिन पायलट का दावा, क्षेत्रीय दल महत्वपूर्ण हैं, लेकिन केवल कांग्रेस ही राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा को दे सकती है चुनौती

सचिन पायलट से जब यह पूछा गया कि तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल में अकेले चुनाव लड़ने का फैसला किया है तो पायलट ने जवाब दियारू श्जहां तक सीट शेयरिंग की बात है तो हर क्षेत्रीय पार्टी का महत्व है।नई दिल्ली। इन खबरों के बीच कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जल्द ही बीजेपी के खेमे में शामिल हो सकते हैं, कांग्रेस महासचिव सचिन पायलट ने कहा है कि उन्हें अब भी पूरी उम्मीद है कि सीटों के बंटवारे को श्बहुत जल्दश अंतिम रूप दे दिया जाएगा। सचिन पालयट रजत शर्मा के शो श्आप की अदालतश में सवालों के जवाब दे रहे थे। सचिन पायलट से जब यह पूछा गया कि तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल में अकेले चुनाव लड़ने का फैसला किया है तो पायलट ने जवाब दियारू श्जहां तक सीट शेयरिंग की बात है तो हर क्षेत्रीय पार्टी का महत्व है। चाहे वह बंगाल हो, महाराष्ट्र, बिहार या पंजाब हो, लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर अगर भाजपा को कोई चुनौती दे सकता है तो वह नेशनल कांग्रेस पार्टी है। हम सब समझते हैं कि हमको कुछ ना कुछ करना पड़ेगा। सीट शेयरिंग के लिए हम तैयार हैं क्योंकि जम्हूरियत के लिए, लोकतंत्र के लिए यह चुनाव जीतना जरूरी है। एक मजबूत विपक्ष ही लोकतंत्र को चला सकता है। इसलिए श्इंडियाश का जो हमारा गठबंधन हुआ है वह मुद्दों को लेकर हुआ है और बहुत जल्द सारे मामलों को सुलझा करके हम लोग सीट शेयरिंग कर लेंगे। सचिन पायलट रू श्बहुत पहले निर्णय लिया गया था कि हम किसी पद की महत्वकांक्षा रखते हुए नेतागिरी नहीं करेंगे। कौन किस पद पर बैठेगा, इस बात का निर्णय समय पर लिया जाएगा। पहला उद्देश्य है कि हम एकजुटता बनाएं। यह आसान नहीं है। मैं आपको बताना चाहता हूं कि इतने सारे दल हैं, अलग–अलग पृष्ठभूमि है, लोगों के सोचने का तरीका अलग–अलग है। कई बार हम आपस में लड़ते भी हैं, एक दूसरे के सामने। आप कल्पना कीजिए इतने बड़े देश में अलग–अलग पार्टी को साथ लेकर आना और स्मूथली उसको आगे ले जाना कोई आसान काम नहीं है। लेकिन सबको लगा कि यह एकजुटता और एकता जरूरी है। इसलिए इंडिया अलायंस का गठन हुआ और मुझे लग रहा है कि इंडिया अलायंस के गठन से विपक्ष की जो एकता है वह अगर मजबूती से आगे बढ़ती है तो एनडीए के साथ एक अच्छा चुनावी मुकाबला होगा। और यह मत भूलिए कि एनडीए के जो पार्टनर थे अकाली दल, शिवसेना, जेडीयू, सब बीजेपी को छोड़कर चले गए। अब बीजेपी को लगता है कि अपने दम पर पूरा मैदान फतह कर लेंगे तो लोकसभा चुनाव में पता चल जाएगा। ममता बनर्जी की इस टिप्पणी पर कि कांग्रेस को वामपंथियों द्वारा चलाया जा रहा है जिसके खिलाफ उन्होंने 34 वर्षों तक लड़ाई लड़ी, सचिन पायलट ने कहारू श्मैं उनकी बात से सहमत नहीं हूं। ममता जी बड़ी सम्मानित नेता हैं और कई बार बंगाल की मुख्यमंत्री बनीं। उनका बंगाल के अंदर एक अलग स्ट्रक्चर है। इंडिया अलायंस में सबकी बराबर की हिस्सेदारी है। बंगाल में सीट शेयरिंग कैसे होगा, उस पर चर्चा कर रहे हैं। परिणाम बहुत जल्द निकलेगा। लेकिन जो उद्देश्य है कि इंडिया अलायंस के जो सहयोगी हैं, आप उन सभी पार्टियों का वोट अगर जोड़ेंगे तो 60 प्रतिशत से ज्यादा वोट मिला। और जो एनडीए के पार्टनर थे उनको 35 प्रतिशत से कम वोट मिला था। तो भाजपा को यह चिंता है कि अगर इंडिया अलायंस के सारे सहयोगी साथ मिलकर चुनाव लड़ेंगे तो कुछ भी हो सकता है। इसलिए वे इंडिया अलायंस की यूनिटी से ज्यादा चिंतित हैं। रजत शर्मा ने जब यह पूछा कि पिछले 9 साल से राहुल गांधी अडानी का नाम ले रहे हैं। अडानी जी को एयरपोर्ट दे दिए, उनको जमीन दे दी, उनका फेवर किया, उनको पोर्ट्स दे दिया। लेकिन तेलंगाना में कांग्रेस के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने सरकार बनते ही 12,400 करोड़ पहला एग्रीमेंट अडानी के साथ साइन किया है। इस पर सचिन पायलट ने जवाब दियारूश्कोई भी उद्योगपति या कोई भी इंडस्ट्री अगर किसी कॉम्पिटिशन में, किसी बिडिंग में क्वालीफाई करता है और वह राज्य में इन्वेस्ट करता है तो कोई भी राज्य सरकार चाहेगी कि पैसा आए, निवेश और रोजगार मिले, उद्योग लगे। इसमें कुछ गलत नहीं है। लेकिन अगर आप नियम कानून को ताक पर रखकर ऐसा कोई रास्ता निकालें कि देश की खदानें, बिजलीघर,

हवाई अड्डे, पोर्ट, रेलवे सब कुछ एक या दो लोगों को देना चाहें तो यह देश की संपत्ति है, उसका एक ट्रांसपैरेंट तरीके से काम होना चाहिए। हमारा सवाल सिर्फ इतना है कि अगर कुछ ऐसा हो रहा है, जिसमें शक की गुंजाइश है तो कृपया करके पारदर्शिता बरती जानी चाहिए। ट्रांसपैरेंट काम हो। सचिन पायलटरू नहीं, ऐसा नहीं। मैं तो कह रहा हूं. एक लाख करोड़ इन्वेस्ट करो, लेकिन कॉम्पिटिशन से बिडिंग हो। आप क्वालीफाई करो। आप नियम कानून का पालन करो। इन्वेस्ट करें। किसी को कोई आपत्ति नहीं है।

अयोध्या में विपक्षी नेताओं की उपस्थिति उन्हें मोदी के समर्थक की भूमिका में डाल देती- थरूर

अयोध्या संवाददाता।

बिहार के मुख्यमंत्री एवं जद(यू) अध्यक्ष नीतीश कुमार के लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा के साथ हाथ मिलाने की संभावना पर थरूर ने कहा, मैं मीडिया में इस पर नजर रख रहा हूं। यह मेरी जिम्मेदारी के क्षेत्र में नहीं है। जब ऐसा कोई घटनाक्रम होगा, तो आप इस बारे में पार्टी की ओर से अवश्य सुनेंगे। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने शनिवार को इस बात पर जोर दिया कि अयोध्या में राम मंदिर में प्राण–प्रतिष्ठा समारोह के दौरान विपक्षी नेताओं की मौजूदगी उन नेताओं को उस भूमिका में ला देती जिसमें वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सहायक की भूमिका में नजर आते। थरूर ने संबंधित समारोह को भी मोदी का बताया है। उन्होंने 22 जनवरी के कार्यक्रम में शामिल न होने के कांग्रेस नेतृत्व के फैसले का समर्थन करते हुए आम चुनाव खत्म होने के बाद वहां जाने की इच्छा व्यक्त की और कहा कि तब तक मंदिर की ओर से राजनीतिक ध्यान हट जाएगा। तिरुवनंतपुरम के सांसद ने कहा, ''कांग्रेस की स्थिति बहुत स्पष्ट है। कांग्रेस पार्टी के सदस्य अपने धर्म और आस्था के पालन के लिए स्वतंत्र हैं और पार्टी सभी के धर्म का सम्मान करती है। इसलिए मैं मंदिरों में पूजा–अर्चना के लिए जाता हूं, न कि राजनीतिक कार्यक्रमों के लिए।'' उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''यह विशेष

भारत: मेक इन इंडिया और पिएलआई से भारत में मेनुफेक्रिंग का परिदृश्य सकारात्मक

दिल्ली एनसीआर

भारत: मेक इन इंडिया और पिएलआई से भारत में मेनुफेक्रिंग का परिदृश्य सकारात्मक बदलाव ला रहा है बोट लाइफस्टाइल के सह संस्थापक एवं सिएमआ. अमन गुप्ता भव्य भारत फाउंडेशन द्वारा आयोजित श्कर्तव्य पथ डायलॉगश में दिल्ली के युवाओं से संवाद कियानमस्ते! 26 जून 2023 को, भव्य भारत फाउंडेशन के प्रकल्प कर्तव्य पथ ब्लॉग्स को पेटीएम के संस्थापक और सीईओ श्री विजय शेखर शर्मा द्वारा मुख्य अतिथि के रूप में जेईसीआरसी विश्वविद्यालय, जयपुर में लॉन्च किया गया था. भारत, आज अपने स्वर्णिम अमृतकाल की और आगे बढ़ रहा है और विविध क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। देश का युवा, भारत भाग्य विधाता है और २०४७ में विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में उनकी सबसे महत्वपूर्ण भूमिका रहने वाली है। तब भारत का युवा क्या विचार रखता है इस अवसर पर युवा सभा को संबोधित करते हुए श्री अमन गुप्ता ने युवाओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा, जॉब सीकर नहीं, जॉब क्रिएटर बने। विश्व में ब्रांड इंडिया को बढ़ावा मिल रहा है और मेक इन इंडिया और पिएलाई मेनुफेक्रिंग क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव ला रहे है। उन्होंने यह भी कहा की ष्अपना टाइम आ गया हैष्। ष्देश स्टार्टअप, मेनुफेक्रिंग और वैश्विक नेतृत्व में कमाल कर रहा है। इस अवसर पर भव्य भारत फाउंडेशन के संस्थापक रंगम त्रिवेदी ने श्अमृत कालश की परिकल्पना को परिभाषित करते हुए युवा सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा, ष्हमारे देश की दृष्टि और कार्रवाई पंचवर्षीय योजना तक सीमित थी, लेकिन आज, हम श्विकसित भारत/100 के लक्ष्य के साथ 25 साल की दृष्टि और कार्रवाई के साथ आगे बढ़ रहे है, यही अमृतकाल है। कर्तव्य पथ ब्लॉग्सश नए भारत की आकांक्षात्मक यात्रा को प्रतिधवनित करता है जिसने शासन और सार्वजनिक नीति क्षेत्र में एक आदर्श बदलाव देखा है। श्कर्तव्य पथ ब्लॉग्सश शासन और सार्वजनिक नीतियों पर अंतदृ ष्टिपूर्ण और अच्छी तरह से शोध ा किए गए ब्लोग्स के माध्यम से नए भारत के अमृत काल की यात्रा पर युवा परिप्रेक्ष्य को बढ़ाता है जिसने विश्व स्तर पर एक कीर्तिमान स्थापित किया है। वह यात्रा जिसने ।४० करोड़ भारतीयों के जीवन को सानुकूल बना दिया है और भारत को वैश्विक मंच पर अग्रेसर बना कर दिया है। ये ब्लॉग 10 विभिन्न विषयों को कवर करते हुए विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत नए भारत के युवा प्रोफेशनल्स एवं नामांकित विश्वविद्यालय के विषय सम्बंधित छात्रों द्वारा लिखे जाएंगे। यह १० थीम इस प्रकार होंगेरू १) रेलवे की गतिशक्ति, २) विश्वगुरु भारत, ३) रक्षाशक्ति, ४) आत्मनिर्भर भारतः समर्थ राष्ट्र की और ५) पर्यावरण के लिए नए भारत की प्रतिबद्धता, ६) नए भारत का सुशासनः अंत्योदय की सिघद्धि, ७) नए भारत के राजमार्गः समृद्धि के पथ, ८) नए भारत की शिक्षा क्रांति और कौशल विकास, ९) आधुनिक कृषिः खुशहाल किसान, १०) भारतीय सभ्यता और विरासत का जुर्नोद्धार. कर्तव्य पथ ब्लॉगों को www-kartavyablogs. पद पर प्रकाशित किया जा रहा है और इसकी इनसाइट्स को इसके आधिकारिक हैंडल से विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर भी प्रकाशित की जा रही है। यह अपने सभी पाठकों को निःशुल्क सदस्यता प्रदान कर रहा है। हर महीने इसमें १० ब्लोग्स प्रकाशित किये जा रहे है। हम युवा शोधकर्ताओं, व्यावसायि और विश्वविद्यालय के छात्रों द्वारा लिखे गए ब्लॉगों का स्वागत करते हैं।

छात्रों द्वारा लिखे गए ब्लॉगों का स्वागत करते हैं। धन्यवाद ओम झा संयोजक, कर्तव्य पथ डायलॉग, एनसीआर श्री अमन गुप्ता ने युवाओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा, जॉब सीकर नहीं, जॉब क्रिएटर बने। विश्व में ब्रांड इंडिया को बढ़ावा मिल रहा है और मेक इन इंडिया और पिएलाई मेनुफेक्रिंग क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव ला रहे है। उन्होंने यह भी कहा की ष्अपना टाइम आ गया हैष्। ष्देश स्टार्टअप, मेनुफेक्रिंग और वैश्विक नेतृत्व में कमाल कर रहा है। इस अवसर पर भव्य भारत फाउंडेशन के संस्थापक रंगम त्रिवेदी ने श्अमृत कालश की परिकल्पना को परिभाषित करते हुए युवा सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा, ष्हमारे देश की दृष्टि और कार्रवाई पंचवर्षीय योजना तक सीमित थी, लेकिन आज, हम विकसित भारत/100 के लक्ष्य के साथ 25 साल की दृष्टि और कार्रवाई के साथ आगे बढ़ रहे है, यही अमृतकाल है। कर्तव्य पथ ब्लॉग्स नए भारत की आकांक्षात्मक यात्रा को प्रतिध्वनित करता है जिसने शासन और सार्वजनिक नीति क्षेत्र में एक आदर्श बदलाव देखा है। कर्तव्य पथ ब्लॉग्स शासन और सार्वजनिक नीतियों पर अंतदृ ष्टिपूर्ण और अच्छी तरह से शोध किए गए ब्लोग्स के माध्यम से नए भारत के अमृत काल की यात्रा पर युवा परिप्रेक्ष्य को बढ़ाता है जिसने विश्व स्तर पर एक कीर्तिमान स्थापित किया है। वह यात्रा जिसने ।४० करोड़ भारतीयों के जीवन को सानुकूल बना दिया है और भारत को वैश्विक मंच पर अग्रेसर बना कर दिया है। ये ब्लॉग 10 विभिन्न विषयों को कवर करते हुए विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत नए भारत के युवा प्रोफेशनल्स एवं नामांकित विश्वविद्यालय के विषय सम्बंधित छात्रों द्वारा लिखे जाएंगे। यह १० थीम इस प्रकार होंगेरू १) रेलवे की गतिशक्ति, २) विश्वगुरु भारत, ३) रक्षाशक्ति, ४) आत्मनिर्भर भारतः समर्थ राष्ट्र की और ५) पर्यावरण के लिए नए भारत की प्रतिबद्धता, ६) नए भारत का सुशासनः अंत्योदय की सिघद्धि, ७) नए भारत के राजमार्गः समृद्धि के पथ, ८) नए भारत की शिक्षा क्रांति और कौशल विकास, ९) आधुनिक कृषिः खुशहाल किसान, १०) भारतीय सभ्यता और विरासत का जुर्नोद्धार. कर्तव्य पथ ब्लॉगों को www-kartavyablogs-पद पर प्रकाशित किया जा रहा है और इसकी इनसाइट्स को इसके आधिकारिक हैंडल से विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर भी प्रकाशित की जा रही है।

यह अपने सभी पाठकों को निःशुल्क सदस्यता प्रदान कर रहा है। हर महीने इसमें १० ब्लोग्स प्रकाशित किये जा रहे है। हम युवा शोधकर्ताओं, व्यावसायि और विश्वविद्यालय के छात्रों द्वारा लिखे गए ब्लॉगों का स्वागत करते हैं।

देश व प्रदेश प्रगति के पथ पर तेजी के साथ अग्रसर – केशव प्रसाद मौर्य

उप मुख्यमंत्री ने 75 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर प्रयागराज पुलिस लाइन परेड ग्राउण्ड में फहराया राष्ट्रीय ध्वज

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने शुक्रवार को प्रयागराज पुलिस लाइन परेड ग्राउण्ड में 75 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया एवं भव्य परेड की सलामी ली तथा उत्कृष्ट कार्य करने वालो को सम्मानित भी किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ने पुलिस लाइन में विशेष व्यवस्था हेतु 1 करोड़ रूपये देने की घोषणा की। इसके साथ ही साथ उन्होंने पुलिस लाइन के विस्तार, नए स्वरूप व आधारभूत आवश्यकताओं के लिए कार्ययोजना बनाकर प्रस्तुत करने के लिए कहा है। इस अवसर पर पुलिस जवानों, बच्चों के द्वारा जिम्नास्टिक खेल व विभिन्न स्कूलों के छात्र–छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का प्रदर्शन भी किया गया।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ने कहा कि यह मेरे लिए सौभाग्य की बात है कि मुझे तीर्थराज प्रयागराज में पुलिस लाइन में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह में शामिल होने का मौका मिला है। उन्होंने कहा कि आज बहुत ही गर्व महसूस होता है कि हमारा देश और प्रदेश निरंतर प्रगति के पथ पर आगे बढ़ रहा है। भारत विश्व गुरू व विश्व की महाशक्ति बनने जा रहा है। जिस देश के अंदर केवल 10 वर्ष के भीतर 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा के ऊपर आ सकते है, उस देश को दुनिया में आगे बढ़ने से कोई रोक नहीं सकता है। हमारा देश अब प्रगति के पथ पर पीछे मुड़ कर देखने वाला नहीं है। दुनिया का कोई देश हमें आंख नहीं दिखा सकता है। हमारे देश ने चंद्रमा पर तिरंगा फहराने की सफलता प्राप्त की है। आज भारत माता की जय–जयकार पूरे विश्व में हो रही है और भारत विश्व की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है तथा बहुत जल्द ही विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। भारत शांतिपूर्ण ढंग से विकास की ओर बढ़ने वाला देश है। हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता कानून व्यवस्था को चुस्त–दूरूस्त बनाये रखना है। आज हमारे प्रदेश की कानून व्यवस्था की चर्चा पूरे देश में है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने गरीबों के कल्याण के लिए अनेक योजनाएं संचालित की है, जिसका लाभ पात्र लोगो को बिना किसी भेदभाव के दिया जा रहा है। हमारा देश सभी क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन रहा है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि 2025 में यहां महाकुम्भ का आयोजन होने जा रहा है, जिसमें लगभग 48 करोड़ लोगो के आने की सम्भावना है, जिसके दृष्टिगत व्यापक स्तर पर तैयारियां चल रही है। देश में स्वच्छता के क्षेत्र में जनपद प्रयागराज को दूसरा स्थान प्राप्त करने पर मैं सभी लोगो को बधाई देता हूं। उन्होंने कहा कि प्रयागराज को नम्बर–1 पर लाने व स्वच्छ प्रयागराज बनाने का प्रयास हम सभी को करना है। उन्होंने कहा कि मतदान प्रतिशत में हमारा यह जनपद पीछे रहता है अतः आप सभी लोग आने वाले लोकसभा चुनाव में मतदान अवश्य करें। आने वाले समय में प्रयागराज में पर्यटन के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा होंगे। हमारे युवा व उद्यमी आगे बढ़े। यहां आने वाले श्रद्धालुओं को यहां रूकने में किसी भी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए मैं उद्यमियों को आगे आ करके इस क्षेत्र में निवेश करने के लिए आह्वान करता हूं। उन्होंने कहा कि मा0 प्रधानमंत्री जी ने 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य आपके सामने रखा है, जो कि बहुत बड़ा लक्ष्य है, लेकिन यदि हम सभीध देशवासी एकजुट होकर ठान लेंगे, तो यह लक्ष्य बहुत छोटा हो जायेगा। उन्होंने कहा कि हमें अपने देश के वीर जवानों पर गर्व है, जो निरंतर सीमा पर मुस्तैद रहकर हमारी रक्षा करते है। उन्होंने प्रयागराज सहित प्रदेश की पुलिस बल के कार्यो की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनके द्वारा कठिन से कठिन परिस्थिति में प्रदेश में कानून व्यवस्था बनाये रखने के जो कार्य किया जा रहा है, वह प्रशंसनीय है और उसकी हर तरफ सराहना हो रही है। उन्होंने प्रयागराज के पुलिस बल का अभिनंदन किया और बधाई दी।

हज यात्रियों की सुविधार्थ सऊदी अरब में खादिमुल हुज्जाज के आवेदन के लिए सकुर्लर–4 जारी

लखनऊ। हज यात्रियों की सुविधार्थ सऊदी अरब में खादिमुल हुज्जाज (हाजी सेवक) के आवेदन के लिए हज कमेटी आफ इण्डिया द्वारा सकुर्लर–4 दिनांक 25 जनवरी, 2024 जारी को जारी कर दिया गया है। यह जानकारी उ0प्र0 राज्य हज समिति के सचिवध कार्यपालक अधिकारी एस0पी0 तिवारी ने आज यहां दी। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन आवेदन हज कमेटी आफ इण्डिया की वेबसाइट पर किया जायेगा व निर्धारित प्रपत्र अपलोड किये जाएंगे। ऑनलाइन आवेदन अन्तिम तिथि 15 फरवरी, 2024 है। प्रत्येक 300 हज यात्रियों पर 01 खादिमुल हुज्जाज का चयन होना है। महिलाएं भी आवेदन कर सकती हैं। महिलाओं की संख्या बिना महरम महिलाओं की श्रेणी में 300 महिलाओं पर 01 महिला खादिमुल हुज्जाज का चयन किया जायेगा। मशीन पठित पासपोर्ट जो 15 फरवरी, 2024 या उससे पूर्व जारी हों एवं उसकी वैद्यता 31 जनवरी, 2025 तक होना आवश्यक है। पुरुषध्महिला आवेदक जिनकी आयु 31.03.2024 को 50 वर्ष से अधिक न हो। खादिमुल हुज्जाज के रुप में हज–2023 में जाने वाले व दो बार से अधिक बार जाने वाले कर्मचारी अर्ह नहीं होंगे। आवेदक का हज या उमराह किया होना आवश्यक है। आवेदक सरकारी, सरकार के अधीन पब्लिक सेक्टर अण्डटरेकिंग–संवैधानिक संस्था के होना आवश्यक है। अस्थायी, अंशकालिक, सीजनल, आउटसोर्स, संविदा, तदर्थ कर्मचारी आवेदन नहीं कर सकेंगे। वरिष्ठ अधिकारी जैसे केन्द्र व राज्य सरकार में क्लास–ए या समकक्ष अधिकारी आवेदन नहीं कर सकेंगे। राज्य हज समिति एवं स्टेट वक्फ बोर्ड से कुल कोटे के 15 प्रतिशत से अधिक कर्मचारी नामित नहीं किये जाएंगे। नियोक्ता से अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त कर प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। खघदिमुल हुज्जाज को इण्टरनेट व स्मार्ट फोन के उपयोग से अभ्यस्त होना आवश्यक है। आवेदक को सऊदी अरब द्वारा मान्यता प्राप्त कोविड–19 वैक्सीन के अनुमन्य डोज प्राप्त होना आवश्यक है। आवेदकों को हज यात्रियों की बोल–चाल की भाशा से भिज्ञ होना आवश्यक है, अरबी भाषा की जानकारी एक अतिरिक्त सुविधा होगी। आवदेक का शारीरिक रुप से स्वस्थ होना आवश्यक है जिसके लिए सरकारी चिकित्सालय से स्वास्थ्य प्रमाण–पत्र प्राप्त कर प्रस्तुत करना अनिवार्य है। आंशिकध्पूर्ण विकलांग आवेदक पात्र नहीं होंगे। चयनित खादिमुल हुज्जाज को हज कमेटी आफ इण्डिया द्वारा आयोजित हज प्रशिक्षण प्राप्त होना आवश्यक है। खादिमुल हुज्जाज के साथ उनके परिवार का कोई सदस्य हज पर जाने हेतु पात्र नहीं होगा। कोई खादिमुल हुज्जाज हज यात्रियों से किसी प्रकार का वित्तीय प्रतिफल नहीं प्राप्त करेगा। उन्हें समस्त सेवाएं निःशुल्क देनी होंगी। पूर्व में गये किसी भी खघदिमुल हुज्जाज के प्रति कॉन्सल जनरल आफ इण्डिया द्वारा यदि कोई प्रतिकूल प्रवृष्टि की गयी है, ऐसे कर्मचारियों का चयन नहीं किया जायेगा।

अयोध्या में 100 कमरे वाले रिजार्ट के लिए अमेरिकी कंपनी और पर्यटन विभाग में हुआ एग्रीमेंट

अयोध्या में उच्च श्रेणी की पर्यटक सुविधाएँ उपलब्ध करायेंगे-जयवीर सिंह

लखनऊ। अयोध्या में प्रभु श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा के बाद श्रद्धालुओं और पर्यटकों की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि देखी जा रही है। पर्यटन की बढ़ती संभावनाओं और पर्यटकों को सुविधा देने के लिए हॉस्पिटैलटी (आतिथ्य) क्षेत्र में निवेश भी बढ़ रहा है। इसी क्रम में 27 जनवरी 2024 को पर्यटन निदेशक प्रखर मिश्रा की उपस्थिति में पर्यटन भवन में अमेरिकी फर्म मेसर्स अंजलि इनवेस्टमेंट एलएलसी के साथ अयोध्या में 100 कमरे वाले रिजॉर्ट निर्माण के लिए एग्रीमेंट (एमओयू) हुआ। इस रिजॉर्ट के बनने से अयोध्या आने वाले पर्यटकों और अतिथियों के लिए सुविधाएं बढ़ेंगी, जिससे पर्यटकों को उच्चतम सुविधाएं मिलेंगी व क्षेत्र के पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।यह जानकारी पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि रिजॉर्ट में निवेश करने वाली अमेरिकी रियल एस्टेट कंपनी के मालिक रमेश नांगूरनूरी, जो मूल रूप से हैदराबाद के रहने वाले हैं और वर्तमान में अमेरिका में रियल एस्टेट का कारोबार कर रहे हैं। उन्होंने ने बताया कि राम मंदिर उद्घाटन के बाद अयोध्या में पर्यटन की अपार संभावनाओं को देखते हुए यहां रिजॉर्ट में निवेश का फैसला किया है। इसके लिए जमीन भी चिन्हित कर ली गई है। उत्तर प्रदेश पर्यटन से एमओयू हुआ है, अब जल्द ही इसपर काम शुरू हो जाएगा। उन्होंने बताया कि पर्यटन विभाग की निवेश पॉलिसी निवेशकों के लिए अनुकूल है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा उत्तर प्रदेश पर्यटन के क्षेत्र में तेजी से विकास कर रहा है। घरेलू पर्यटन के मामले में हम देश में पहले स्थान पर हैं। विदेशी पर्यटकों के मामले में भी यह उपलब्धि हासिल करने का लगातार प्रयास किया जा रहा है। राम मंदिर उद्घाटन के बाद पर्यटकों की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि देखी जा रही है, आगे इसके और बढ़ने की संभावना है। इसी उद्देश्य हम होटल व रिजॉर्ट में निवेश को प्रोत्साहन दे रहे हैं, जिससे भ्रमण पर आने वाले पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं मिलें। पर्यटन निदेशक प्रखर मिश्रा ने कहा कि होटल व रिजॉर्ट निर्माण से अयोध्या में श्रीराम मंदिर दर्शन को आने वाले पर्यटकों और श्रद्धालुओं का अनुभव बेहतर होगा। इसके साथ ही सैलानियों की संख्या बढ़ेगी, जिससे स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के नये अवसर सृजित होगें।

सरकारी संस्था के नाम आफिस खोलकर बेरोजगारों से लाखों की ठगी करने वाला गिरफ्तार

नौकरी देने के नाम पर धन उगाही की एसटीएफ को मिली सूचना नवयुवकों को दिया जा रहा था फर्जी नियुक्त पत्र

लखनऊ। एसटीएफ यूपी को लखनऊ में सरकारी संस्था के नाम पर ऑफिस खोलकर सरकारी नौकरी लगवाने का झांसा देकर भोले–भाले नवयुवकों से लाखों की ठगी करने वाले संगठित गिरोह का सरगना भानु प्रताप सिंह व उसका साथी सतेंद्र कुमार पाठक को गिरफ्तार कर लिया। इनके कब्जे से पांच मोबाइल फोन, दो कार, 100 ग्राम विकास सहकारी समिति से संबंधित आवेदन पत्र की प्रति, एक कूट रचित नाम पते पर प्रयोग किया जा रहा सिम कार्ड, पांच फर्जी व कूट रचित विभिन्न विभागों के ज्वाइनिंग लेटर, विभिन्न अभ्यर्थियों के शैक्षिण प्रमाण पत्रों की फोटो प्रति, विभिन्न सरकारी परीक्षाओं से संबंधित अभ्यर्थियों के एडमिट कार्ड, विभिन्न सरकारी व संविदा नौकरियों के विज्ञापन संबंधी फर्जी व कूट रचित प्रपत्र, पांच हस्ताक्षरित ब्लैंक चेक बरामद किया है। दोनों अभियुक्त को दुर्गा टावर के पास विभूतिखंड से 26 जनवरी की शाम को गिरफ्तार किया है। एसटीएफ उत्तर प्रदेश को विगत काफी दिनों जनपद लखनऊ में भोले–भाले बेरोजगार नवयुवकों बहला फुसलाकर सरकारी नौकरी देने के नाम पर धन उगाही व फ्रॉड करने वाले गिरोहों के सम्बन्ध में सूचनाएं प्राप्त हो रही थी। इस सम्बन्ध में एसटीएफ की विभिन्न इकाईयों व टीमों को अभिसूचना संकलन एवं कार्रवाई के लिए निर्देशित किया गया था, जिसके क्रम में धर्मेश कुमार शाही, पुलिस उपाधीक्षक, एसटीएफ मुख्यालय यूपी लखनऊ के पर्यवेक्षण मे अभिसूचना संकलन की कार्रवाई की जा रही थी। धर्मेश शाही के मुताबिक सूचना एकत्र करने के दौरान ज्ञात हुआ कि ग्राम विकास कृषि सहकारी समिति लिमिटेड लखनऊ उत्तर प्रदेश के नाम पर फर्जी तरीके से विभूतिखण्ड क्षेत्र में एक कार्यालय संचालित किया जा रहा है। जिसमे भोले–भाले नवयुकों को बुलाकर उनसे सरकारी नौकरियों में भर्ती करवाने के नाम पर पैसा वसूला जाता है तथा उन्हें फर्जी व कूट रचित नियुक्ति पत्र दिए जाते है। यह लोग पूर्व में भी शहर में कई जगहों पर दफ्तर खोल कर भोले–भाले नवयुको से फ्रॉड की घटनाएं कर चुके है।दुर्गा टॉवर के सामने भवन में खुला मिला दफ्तर स सूचना पर विश्वास कर निरीक्षक राघवेंद्र सिंह, मय उ.नि. अतुल चतुवेर्दी, उ.नि. प्रदीप सिंह,मु. आ. नीरज पाण्डेय, मु.आ. रामनिवास शुक्ला, मु.आ. राजीव कुमार, आ. बृजेश बहादुर सिंह, आ.अमित त्रिपाठी एवं आ. अमर श्रीवास्तव मय वाहन सरकारी यूपी 32 बीजी चालक अफजल की एक टीम गठित कर मुखबिर को साथ लेकर विभूति खण्ड दुर्गा टावर के पास पंहुचे। जहां दुर्गा टॉवर के सामने भवन में ग्राम विकास कृषि सहकारी समिति लिमिटेड लखनऊ(उ.प्र.) लिखा दिखाई दिया तथा नीचे एक काले रंग की हौंडा सिटी कार यूपी 32 एचएल 2496 व एक महिंद्रा एक्सयूवी 500 यूपी 32 जीजे 6002 खड़ी थी। द्वितीय तल पर जाने पर दफ्तर के बाहर ग्राम विकास कृषि सहकारी समिति लिमिटेड लखनऊ(उ०प्र०) का बोर्ड लगा था। मौके से गिरोह का सरगना व उसका साथी गिरफ्तार टीम के अन्दर जाने पर दो व्यक्ति बैठे थे जिनका नाम भानु प्रताप सिंह पुत्र पारस नाथ सिंह निवासी उपरोक्त व सतेंद्र कुमार पाठक निवासी उपरोक्त मिले, जिनसे ऑफिस के संबन्ध मे जानकारी की गयी तो ऑफिस को अपना बताया गया। जब हम पुलिस वालो द्वारा जब अपना परिचय दिया गया तो दोनों व्यक्ति हड़बड़ा गए। ऑफिस की तलाशी लेने पर भानु व सतेन्द्र के सामने रखी मेज पर एक अदद फाइल जिस पर जिला सेवायोजन कार्यालय पीलीभीत लिखा था तथा उ. प्र. सरकार का मोनोग्राम बना है। फाइल के अंदर फ्रॉड करने के उद्देश्य से कई फर्जी व कूट रचित दस्तावेज रखे हुए थे, जिसकी स्वीकारोक्ति दोनों अभियुक्तों द्वारा की गयी, जिस पर इन्हें गिरफ्तार कर लिया गया, जिनके पास से उपरोक्त बरामदगी की गयी।गिरफ्तार अभियुक्त ने पूछने पर बताया की ग्राम विकास कृषि सहकारी समिति लि. लखनऊ(उ.प्र.) हम लोगों ने फर्जी संस्था खोल रखी है। जिसका नाम हम लोगों ने सरकारी विभाग के नाम पर बना रखा है, जिससे हम लोग भोले–भाले नवयुवकों को सरकारी नौकरी देने के नाम पर यहां बुलाते है और उन्हें फर्जी विज्ञापन व अपनी हौंडा सिटी व एक्सयूवी कार, ऑफिस आदि दिखाकर प्रभाव में ले लेते हैं। भानु उपरोक्त उन्हें अपने आप को भारत सरकार में पदस्थ उच्चाधिकारी बताकर साक्षात्कार लेते हैं और नौकरी देने के नाम पर उनसे पैसा लेते है और उन्हें फर्जी नियुक्ति पत्र बनाकर दे देते है। इस काम मे भानु प्रताप दीक्षित पुत्र सच्चिदानन्द दीक्षित निवासी–बारा दीक्षित देवरिया व हिमांशू मुख्य रूप से हम लोगों के साथ रहते हैं। भानु दीक्षित पहले भी कई बार ऐसे ही मामलों में जेल जा चुका है। भानु सिंह द्वारा यह भी बताया गया की मेरा भी दिल्ली से एक ऐसा मामला चल रहा है। हम सभी लोग मिलकर एक जगह पर ऑफिस कुछ ही दिन चलाते है। लेटर पैडो पर अंकित मोबाइल नम्बर 7317510711 के बारे में बताया की यह मोबाइल नम्बर हम लोगों ने फ्रॉड करने के लिए ही फर्जी नाम पते पर लिया है।भानू प्रताप दीक्षित व हिमांशु की गिरफ्तारी के प्रयास किये जा रहे हैं। गिरफ्तार अभियुक्तों के खिलाफ थाना विभूतिखंड लखनऊ में मुकदमा दर्ज कराया गया है।

गणतंत्र दिवस रू डीजीपी ने पुलिस मुख्यालय पर फहराया तिरंगा

पुलिस महानिदेशक द्वारा गणतन्त्र दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया आज ही के दिन भारत देश का संविधान अंगीकृत किया गया

लखनऊ । पुलिस महानिदेशक विजय कुमार द्वारा 26 जनवरी को पुलिस मुख्यालय गोमती नगर विस्तार के प्रांगण में गणतन्त्र दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया।पुलिस महानिदेशक द्वारा सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को शुभकामनायें देते हुए भारतीय गणतन्त्र दिवस के अवसर पर शपथ दिलायी गयी एवं मुख्यालय में नियुक्त पुलिस कार्मिकों को पदक से सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान डीजीपी ने कहा कि 75वें गणतन्त्र दिवस के पावन अवसर पर आज सम्पूर्ण देश राष्ट्रप्रेम की भावना से अभिभूत होकर गरिमामयी रूप से पूरे हर्षोल्लास के साथ राष्ट्रीय पर्व मना रहा है। इस गौरवपूर्ण अवसर पर मैं उत्तर प्रदेश पुलिस के सभी जवान एवं उनके परिवारीजन को हार्दिक बधाई देता हूं। 26 जनवरी वर्ष 1950 भारतीय इतिहास का गौरवशाली एवं अतिमहत्वपूर्ण दिन था। आज का दिन हमें राष्ट्रगौरव एवं स्वाभिमान की अनुभूति कराता है, आज ही के दिन भारत देश का संविधान अंगीकृत किया गया तथा देश को प्रभुत्व सम्पन्न लोकतान्त्रिक गणराज्य बनाने का संकल्प लिया गया था। डीजीपी ने कहा कि गणतन्त्र दिवस–2024 के अवसर पर भारत सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश पुलिस के दो कार्मिकों को वीरता पदक, सात को राष्ट्रपति का विशिष्ट सेवा पदक व 74 को सराहनीय सेवा के लिये पदक प्रदान कर गौरवान्वित किया है। इस अवसर पर 40 पुलिस कार्मिकों को उत्कृष्ट सेवा सम्मान चिन्ह, 205 पुलिस कार्मिकों को सराहनीय सेवा सम्मान चिन्ह, 445 पुलिस कार्मिकों को पुलिस महानिदेशक का प्रशंसा चिन्ह एवं 54 कार्मिकों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया है। आप सभी पुलिस कार्मिकों को मेरी ओर से हार्दिक बधाई।मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में प्रदेश भर में अपराधियों को कम से कम समय में सजा दिलाये जाने के लिए आपेक्षन कन्विक्शनश प्रारम्भ किया किया गया। जिसके तहत जघन्य अपराधो में लिप्त अपराधियों की तत्काल गिरफ्तारी व उनके विरूद्ध वैज्ञानिक विधि से साक्ष्य संकलन एवं गुणवत्तापूर्ण जा रही है।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, रविवार 28 जनवरी 2024
sheelshukla100@gmail.com

इण्डियन स्टेटिस्टिकल सर्विस में सी.एम.एस. छात्रा अग्रिमा रस्तोगी को अखिल भारतीय चतुर्थ रैंक

लखनऊ, 27 जनवरी। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, चौक कैम्पस की छात्रा अग्रिमा रस्तोगी ने इण्डियन स्टेटिस्टिकल सर्विस (आई.एस.एस.) परीक्षा में अखिल भारतीय चतुर्थ रैंक अर्जित कर लखनऊ का गौरव पूरे देश में बढ़ाया है। यह परीक्षा यूनियन पब्लिक सर्विस कमीशन (यू.पी.एस.सी.) द्वारा आयोजित हुई। सी.एम.एस. की इस प्रतिभाशाली छात्रा ने इस सफलता का श्रेय अपने माता–पिता एवं सी.एम.एस. के अपने शिक्षकों के साथ ही विद्यालय के शान्तिपूर्ण वातावरण को दिया है। आई.एस.एस. भारत सरकार की सेन्ट्रल सिविल सर्विसेज के अन्तर्गत आने वाली सिविल सर्विस है, जिसमें यू.पी.एस.सी. परीक्षा के माध्यम से पदों की भर्ती की जाती है। इस अत्यन्त प्रतिस्पर्धी परीक्षा में चयन हेतु अत्यन्त उच्च स्तरीय प्रतिभा, ज्ञान व मेधात्व की आवश्यकता होती है। सी.एम.एस. प्रेसीडेन्ट एवं प्रबन्धक, प्रो. गीता गाँधी किंगडन ने अग्रिमा की इस अभूतपूर्व सफलता पर हार्दिक बधाई दी है।

अग्रिमा ने केजी से लेकर 12वीं तक की अपनी सम्पूर्ण प्राथमिक शिक्षा सी.एम.एस. चौक कैम्पस से प्राप्त की है। इन्होंने आई.सी.एस.सी. बोर्ड परीक्षा 87 प्रतिशत एवं आई.एस.सी. बोर्ड परीक्षा 94 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की। इसके उपरान्त, लखनऊ यूनिवर्सिटी से स्नातक एवं परास्नातक की डिग्री प्राप्त की। अपनी सफलता के बारे में बताते हुए अग्रिमा ने कहा कि मेरी इस सफलता में सी.एम.एस. का बड़ा योगदान रहा है। सी.एम.एस. में यूनिटी हाउस के कैप्टन रहते हुए एवं क्वान्टा जैसे अन्तर्राष्ट्रीय समारोह में प्रतिभागिता से मुझमें आत्मविश्वास का विकास हुआ। मेरे शिक्षकों ने मुझे सदैव स्वयं पर भरोसा रखने एवं जीवन मूल्यों की डोर को थामे रहने की सीख दी। अग्रिमा ने आगे कहा कि मैं सेल्फ–स्टडी पर भरोसा करती हूँ और 'मिनिमम बुक्स मैक्सिमम रिवीजन' पर मेरा फोकस रहा।।

सुगत बुध्दविहार में चेरीटेबल ट्रस्ट द्वारा 75 वा गणतंत्र दिवस मनाया गया

झांसी! पारीछा कोलोनी में स्थिति सुगत बुध्दविहार में चेरीटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष पूज्य भन्ते कुमार काश्यप महाथेरा जी एवं अनुसूचित जाति जनजाति कर्मचारी कल्याण समिति पारीछा के उपस्थिति में 75 वा गणतंत्र दिवस का कार्यक्रम बड़े हर्षउल्लास के साथ सफलता पूर्वक संपन्न हुआ कार्यक्रम का ध्वजारोहण पूज्य भन्ते जी एवं समिति के सलाहकार आदरणीय इं नरेंद्र कुमार अधिशासी अभियंता जी ने किया संचालन समिति के सचिव शेलेन्द्र गौतम ने किया कार्यक्रम के मौके पर कमलेश कोटरा, सचिव सुगत प्रबंधन समिति इं ओ पी गौतम कानपुर,इं बिपिन आर्य,हेम सिंह,आदि ने क्रांतिकारी,सामाजिक संघर्ष और त्यागी,बलदानियो के विचारों पर चलने का बक्तव्य दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता इं नरेंद्र कुमार साहब ने की ट्रस्ट के अध्यक्ष पूज्य भन्ते कुमार काश्यप जी ने उपस्थित सभी समिति के सदस्यों का पँचसील के पट्टिका से सराहनीय कार्यो को करने के लिए सम्मानित कर आशीर्वाद दिया अंत मे पूज्य भन्ते खेमनन्द कानपुर ने सभी की आशीर्वाद दिया ओर मिष्ठान वितरण हुआ कार्यक्रम में इं सुभाष चंद्रा बिनीत,नीरज,संजय,सर्वेश,अनिल,सतीश, प्रवेश,प्रदीप,जितेंद,राजीव,संतोष कुमार,नीतू सिंह, तपस्या,कृष्णा गौतम कानपुर,ओर तमाम साथी उपस्थित रहे ।

75 वें स्वतंत्रता दिवस पर भाजपा कार्यालय झांसी में ध्वजारोहण किया

झांसी ! झांसी कार्यालय में झण्डारोहण किया गया भाजपा महानगर जिलाध्यक्ष हेमंत परिहार ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर पार्टी के झांसी कार्यालय में झण्डारोहण किया हेमंत परिहार ने देश के 75 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर सभी प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं देते हुए कहा कि गणतंत्र दिवस लोकतांत्रिक मूल्यों, गणतंत्र की मजबूती व विकसित राष्ट्र निर्माण में सभी की भागीदारी के संकल्प का दिन है। संविधान की स्थापना का यह राष्ट्रीय पर्व हम सभी को आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए प्रेरित करता है उन्होंने कहा कि देश में ऐतिहासिक एवं अभूतपूर्व परिवर्तन हो रहे हैं और हमारा देश विकसित बनने की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। देश की मजबूती के प्रयासों में अपना योगदान करें। इस अवसर भाजपा महानगर जिलाध्यक्ष हेमंत परिहार, पूर्व जिलाध्यक्ष जमुना प्रसाद कुशवाहा, पूर्व महानगर जिलाध्यक्ष मुकेश मिश्रा,महिला मोर्चा अध्यक्ष सुमन पुरोहित, जिला महामंत्री नीलम, जिला उपाध्यक्ष यशोदा कुशवाहा,सीमा चौबे, ज्योति पटैरिया,श्वेता नामदेव, ज्योति गोस्वामी, कुसुम साहू इत्यादि कार्यकर्ताओं ने भाग लिया

सामाजिक रुप से शराब पीना शराब पर निर्भरता में बदल रहा है

झांसी! सामाजिक शराब पीना हमारी संस्कृति में एक आम और व्यापक रूप से स्वीकृत अभ्यास बनता जा रहा है, जो अक्सर विश्राम, उत्सव या सामाजिककरण के साधन के रूप में कार्य करता है। जबकि मध्यम शराब का सेवन आम तौर पर अधिकांश वयस्कों के लिए सुरक्षित माना जाता है, यह जानना महत्वपूर्ण है कि कब सामाजिक शराब पीना शराब पर निर्भरता जैसे अधिक गंभीर मुद्दे में विकसित हो सकता हैतुलसी हेल्थ केयर के फाउंडर व डायरेक्टर डॉक्टर गौरव गुप्ता इस लेख में ऐसी रणनीति बता रहे हैं जो स्वस्थ जीवन शैली की दिशा में सक्रिय कदम उठाने के लिए शराब पर निर्भरता के संकेतों को जल्दी पहचानना महत्वपूर्ण हैप्रारंभिक चेतावनी संकेतों में से एक यह है कि सामाजिक रूप से शराब पीना शराब पर निर्भरता में बदल सकता है, शराब के प्रति बढ़ती सहनशीलता है। यदि आपको वांछित प्रभाव प्राप्त करने के लिए पहले से अधिक पेय की आवश्यकता महसूस होती है, तो यह बढ़ती निर्भरता का संकेत हो सकता है। शरीर शराब की उपस्थिति के अनुरूप ढल जाता है, जिससे समान स्तर का नशा पैदा करने के लिए बड़ी मात्रा की आवश्यकता होती है। इन नकारात्मक परिणामों के बारे में पूरी तरह से जागरूक होने पर भी शराब पीने में कटौती करने में असमर्थता, एक मजबूत संकेतक है कि सामाजिक शराब पीने और निर्भरता के बीच की रेखा पार हो गई है

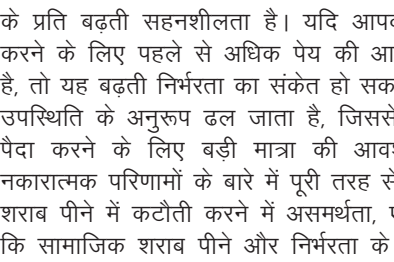

देश के लिये जितनी आवश्यक स्वतंत्रता उतना ही आवश्यक संविधान- डॉ० संदीप

झाँसी। आज 75वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर सिद्धेश्वर नगर आईटीआई कॉलेज के पास स्थित पीजेएस इंस्टिट्यूट में ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जहाँ मुख्य अतिथि डॉ० संदीप सरावगी द्वारा ध्वजारोहण किया गया उसके पश्चात सभी ने मिलकर राष्ट्रगान गाया और मिष्ठान वितरित किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं संघर्ष सेवा समिति के संस्थापक समाजसेवी डॉ० संदीप सरावगी ने कहा किसी भी देश के लिए स्वतंत्रता जितनी महत्वपूर्ण है उतना ही महत्वपूर्ण लोकतंत्र और गणतंत्र का होना है। देश को सुगमता चलाने के लिए सबसे आवश्यक उसका संविधान होता है संविधान ही उसे देश के नागरिकों को स्वतंत्रता और समानता का अधिकार देता है हमारे देश का संविधान विश्व का सबसे विस्तृत संविधान है संविधान के जनक डॉ० भीमराव अंबेडकर ने गहन अध्ययन और कई देशों के अनुभव के बाद संविधान की रचना की थी उनका पूरा प्रयास रहा कि देश के नागरिकों में सर्वोच्च सत्ता निहित रहे। यही संविधान हमें अधिकार देता है कि कोई भी नागरिक देश के सर्वोच्च पद पर निर्वाचन के लिए अपनी दावेदारी प्रस्तुत कर सकता है। सभी देशवासियों को जाति व्यवस्था से ऊपर उठकर एक दूसरे के गले लगना चाहिए और कमजोर वर्ग के लोगों के आंसू पोंछना चाहिये। कार्यक्रम में उर्वशी अवस्थी ने राष्ट्रभक्ति का गीत प्रस्तुत किया। भारतीय सेना के अधिकारी जी.के. त्रिवेदी ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर संविधान की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम के आयोजक डॉ० विजय पहारिया ने सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर उनका स्वागत किया। आज तापमान 7 डिग्री सेंटीग्रेड होने के बावजूद बच्चों, युवाओं एवं क्षेत्रवासियों में उत्साह व जोश की कोई कमी नहीं दिखी। सुबह 8रू00 बजे ही पीजेएस इंस्टिट्यूट पर सैकड़ों की संख्या में लोग एकत्रित हो गए एवं राष्ट्रीय महापर्व गणतंत्र दिवस को धूमधाम से मनाया। छात्र–छात्राओं द्वारा देशभक्ति पर आधारित कई सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गये जिन्हें देखकर जनता भारत माता की जय का गगनचुंबी उद्घोष करती दिखाई दी। कार्यक्रम का संचालन डॉ० विजय पहारिया ने किया एवं आभार व्यक्त पीजेएस इंस्टिट्यूट के डायरेक्टर रवि गुप्ता ने किया। ध्वजारोहण एवं राष्ट्रगान के दौरान सत्यकाम पुरोहित, किरन सिंह परिहार, नीता परिहार, सुनीता निरंजन, उर्वशी अवस्थी, रेनू तिवारी, अमरीश शुक्ला, संजय चड्ढा, प्रशांत यादव बरगढ़, मनोज बुंदेला, पिंटू त्रिपाठी, शाहरुख खान, गुलफाम, शेर सिंह गुर्जर, अनीश खान समेत सैकड़ों विद्यार्थी एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

फन एंड फूड विद म्यूजिक के उत्साह एवं उमंग के साथ मेले का समापन

झाँसी के प्रमुख शेक्षणिक संस्थानों में सुमार प्रतिष्ठित मॉडर्न ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स झाँसी मे राष्ट्रीय पर्व गणतन्त्र दिवस के शुभ अवसर पर वार्षिक मेले का आयोजन उत्साह एवं धूम–धाम से सम्पन्न हुआ मेले मे मॉडर्न ग्रुप के बच्चों ने फन एंड फूड विद म्यूजिक में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया इस दौरान बच्चों एवं टीचर्स द्वारा लगाये गए फूड कोर्नर में ढोकला, पिज़्जा, डोसा, मोमोस, आदि एवं गेम्स में रिंग टॉस सेट, बॉल इन बकेट, पिंग–पोंग प्रिंगल, फोटो फ्रेमिंग, स्ट्रेस रिलीवर इत्यादि स्टालों के साथ स्च्छता अभियान के तहत क्लीन झाँसी ग्रीन झाँसी का प्रारूप एवं मॉडर्न स्कूल के प्रारूप (मॉडल) आर्ट्स टीचर्स के द्वारा प्रस्तुत किया गया को काफी सराहा गया ।

साथ ही लकी ड्रॉ, गेम्स, बुक्स एवं स्टेसनरी, फूड स्टॉल, प्रॉडक्ट डिस्प्ले, के साथ आकर्षक उपहार जीतने का सुनहरा मौका भी छात्र दृ छात्राओ को मिला सह प्रयोजकों द्वारा लगाए गए स्टॉलो पर महत्व पूर्ण जानकारी प्रदान की गईमॉडर्न ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स झाँसी के संस्थापक कैप्टन अरविंद विश्वनाथन एवं संस्थापिका श्रीमती शान्ति विश्वनाथन एवं मॉडर्न ग्रुप के प्रबन्ध निर्देशक श्री अपूर्व शुक्ला एवं संस्था सचिव (सेक्रेटरी) श्रीमती रत्ना शुक्ला जी के साथ ग्रुप के चेयरमेन डॉ0 रोहिन विश्वनाथन एवं चेयरपर्सन श्रीमती अंशिता विश्वनाथन ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए छात्र छात्राओं को अनुशासित रहने के लिए प्रेरित किया भविष्य मे और अधिक प्रभावी शिक्षा प्रदान करने के प्रति अपनी वचनबद्धता दोहराई अंत मे प्रबंधक अनिल पाण्डेय एवं स्कूल प्रशासक अतिशय मिश्रा ने सभी शिक्षकों एवं बच्चों का आभार व्यक्त किया ।

लगातार 2 महीने तक गायब रहे ग्राम पंचायत सचिव पर गिरी गाज हुआ निलंबित

(मथुरा)(ए.के.शर्मा)जनपद के विकासखंड मॉट में तैनात सचिव चंद्रपाल गावर को आखिकार डीपीआरओ ने निलंबित कर दिया है।

डीपीआरओ किरण चौधरी ने जानकारी देते हुए बताया कि ग्राम पंचायत अधिकारी करीब 6 महीने से विभागीय और सरकारी कार्यों में रुचि नहीं ले रहे थे। जिससे सम्बंधित विकास कार्य रुके हुए थे। ग्राम पंचायत अधिकारी के अनुपस्थित रहने के कारण ग्रामीणों के जन्म–मृत्यु प्रमाण पत्र नहीं बन पा रहे थे। इसे लेकर ग्राम प्रधानों ने भी डीपीआरओ से शिकायत की थी। खंड विकास अधिकारी ने ग्राम पंचायत अधिकारी को दो बार नोटिस भी जारी किया था। इसके बाद भी ग्राम पंचायत अधिकारी द्वारा कोई जवाब नहीं दिया। जिला पंचायत राज आधिकारी किरण चौधरी ने बताया की ग्राम वासियों द्वारा लगातर शिकायत की जा रही थी जिस पर उन्हें कई बार चेतावनी दी गई थी कि वह अपने कार्य सुधार लाएं लेकिन इसके बावजूद उन्होंने कार्य में सुधार लाने का कोई प्रयास ही नहीं किया,उन्होंने यह भी बताया कि पिछले दो महीने से ग्राम पंचायत अधिकारी लगातार गैरहाजिर चल रहा था तथा शासन की चलाई जा रही स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन कराए जाने की योजना में भी समयबद्धता के साथ रुचि नहीं ली जा रही थी। ग्राम पंचायत में व्यक्तिगत शौचायलयों का निर्माण किया जाना है जिसके लिए जिन घरों में शौचालय नहीं बने हैं उनके लिए स्पेशल ड्राइव चलकर शौचालय का निर्माण कराया जा रहा है जिसमे रुचि नहीं ली जा रही थी। पंचायत सचिवालय का नियमित क्रियान्वयन भी नहीं हो पा रहा था, ग्राम पंचायत के ऑडिट प्रस्तर लंबित है।

इसलिए ग्राम पंचायत अधिकारी चंद्रपाल गावर को निलंबित कर दिया गया है। प्रकरण की जांच एडीओ पंचायत चौमुंहा श्याम सुन्दर सारस्वत को सौंपी गई है। जांच रिपोर्ट सामने आने के बाद दोषी के खिलाफ नियमानुसार अन्य विभागीय कार्रवाई भी की जाएगी।डीपीआरओ किरण चौधरी द्वारा की गई कार्रवाई के बाद सभी सचिवों में हड़कंप तो मचा है लेकिन स्थितियां कितनी बदलेगी इसका कोई अंदाजा नही लगाया जा सकता है।वही डीपीआरओ ने इसके साथ ही सख्त लहजे में कहा की ग्राम पंचायत अधिकारी अपने कार्य में और शासन की मंशा के अनुरूप चलाए जा रही योजना में अगर किसी भी प्रकार की कोई लापरवाही बरतेगा तो उसके विरुद्ध नियम अनुसार विधिक कार्रवाई भी की जाएगी।

पुलिस लाइन में धूमधाम व हर्षोउल्लास के साथ मनाया गया 75वां गणतंत्र दिवस समारोह।

राज्यमंत्री द्वारा ध्वजारोहण कर परेडध्समारोह में ली सलामी। उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिस विभाग के अधिकारीध्कर्मचारियों को किया सम्मानित।

ब्यूरो पीलीभीत गणतंत्र दिवस के अवसर राज्यमंत्री कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग उ0प्र0, बलदेव सिंह औलख जी ने पुलिस लाइन में पहुंचकर ध्वजारोहण व परेड/समारोह में सलामी ली। इस दौरान उपस्थित जनमानस को बधाई देते हुये कहा कि हमसब दृढ़संकल्प लें कि अपने कर्तव्यों का पूर्ण पालन करते हुये समाज, देश की प्रगति में अपना पूर्ण सहयोग करेंगे। उन्होंने कहा कि सभी के अपने अपने उत्तरदायित्व हैं उनका पूरी ईमानदारी के साथ निर्वाहन करना हमसब का दायित्व है। कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों से आये बच्चों द्वारा देशभक्ति पर आधारित मनमोहक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये।

पुलिस अधीक्षक अतुल शर्मा द्वारा समस्त पुलिसकर्मियों को देश की आजादी और एकता की रक्षा करने व उसे मजबूत बनाने में योगदान करने के लिए शपथ दिलाई। इसके साथ ही जनहित में अच्छा कार्य करने वाले, अति उत्कृष्ट सेवा व अपने कार्य के प्रति ईमानदार रहने वाले पुलिसकर्मियों को मा0 राज्यमंत्री एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा अति उत्कृष्ट सेवा मेडल प्रदान कर सम्मानित किया। ग्राम प्रहरियों को अपने थाना क्षेत्र में सतत निगरानी एवं अपराध नियंत्रण में पुलिस का सहयोग करने वाले को साइकिल प्रदान की तथा पुलिस पेंशनर्स को पुलिस विभाग में अपना अमूल्य योगदान देने के फलस्वरूप शॉल वितरित किये। बेनहर कॉलेज की अध्यापिका श्रीमती संगीता दुग्गल कार्यक्रम के उद्घोषक की भूमिका में रही। इसके साथ ही जनपद के विभिन्न विद्यालयों के छात्र/छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुत किये उन्हें प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

कार्यक्रम के दौरान मा0 जनपद न्यायाधीश श्री जितेन्द्र कुमार सिन्हा, जिलाध्यक्ष संजीव प्रताप सिंह, जिलाधिकारी प्रवीण कुमार, अपर जिलाधिकारी रामसिंह गौतम, अपर पुलिस अधीक्षक सहित अन्य अधिकारी व पुलिस विभाग के अधिकारीगण, जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

मोबाइल के अधिक प्रयोग से आंखों में हो रही परेशानी - छात्र

झांसी। बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग में केंद्रीय विद्यालय संगठन क्रमांक 3 के छात्र–छात्राओं ने शैक्षणिक भ्रमण किया। पत्रकारिता विभाग के डॉ कौशल त्रिपाठी ने छात्रों को मीडिया क्षेत्र में उपलब्ध विभिन्न करियर के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने छात्रों को बताया कि जो भी छात्र मीडिया के क्षेत्र में अपना कैरियर बनाना चाहते हैं वह इसके लिए किस प्रकार से तैयारी करें। उन्होंने विश्वविद्यालय में प्रवेश एवं संचालित पाठ्यक्रमों के बारे में जानकारी दी। इसके उपरांत छात्रों को मीडिया लैब का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया जिसमें छात्रों को स्टूडियो लाइट, टेलीप्रॉम्पटर, क्रोमा, कैमरा, ऑडियो–वीडियो एवं फोटोग्राफी इक्विपमेंट के बारे में जानकारी दी गई। छात्रों को

स्टूडियो, प्रोडक्शन कंट्रोल रूम, पोस्ट प्रोडक्शन, रेडियो एवं फोटोग्राफी लैब एवं उपयोग में लाये जाने वाले विभिन्न उपकरणों के विषय में विस्तार से जानकारी दी गई। छात्रों को लाइव डेमोंसट्रेशन देने के उद्देश्य से श्छात्रों के लिए मोबाइल के बेहतर उपयोग परश पर बीयु संवाद कार्यक्रम के अंतर्गत चर्चा की गई। केवीएस के शिक्षक राजेश कुमार ने बताया कि छात्रों के लिए स्कूल में मोबाइल लेकर आना प्रतिबंधित है साथ ही छात्रों को मोबाइल का कम से कम प्रयोग करने एवं आवश्यकता पड़ने पर कुछ देर के लिए प्रयोग करने की दिशा निर्देश दिए जाते रहते हैं। शिक्षिका नीलू गौतम ने बताया कि कोरोना के समय मोबाइल एक आवश्यकता बनकर उभरा लेकिन साथ ही इसने छात्रों को इसका लती भी बनाया है। चर्चा के दौरान छात्रों ने बताया कि वे मनोरंजन के साथ–साथ सैंपल पेपर डाउनलोड करने, उन्हें सॉल्व करने, इसके अलावा महत्वपूर्ण विषय के वीडियो लेक्चर के लिए भी इसका इस्तेमाल करते हैं। एक छात्र ने मोबाइल पर खेले जाने वाले गेम्स एवं उनसे आंखों में हो रही परेशानियां पर बात रखी। छोटे बच्चों ने बताया कि वह खाना खाते समय मोबाइल देखते हैं। छात्रों से जब पूछा गया कि मोबाइल का प्रयोग कितनी देर तक करना चाहिए तो लगभग अधिकतर छात्रों ने 2 घंटे पर सहमति दी। चर्चा का संचालन डॉ कौशल त्रिपाठी ने, तकनीकी सहयोग गोविंद यादव, हिमांशु सैनी, अंकित पचौरी, सचिन सोनी, शैलेंद्र सिंह ने किया। इस अवसर पर जनसंचार विभाग के समन्वयक डॉ.जय सिंह, डॉ राघवेंद्र दीक्षित डॉअभिषेक कुमार, उमेश शुक्ला, अतीत विजय उपस्थित रहे।

गणतंत्र दिवस पर रिजर्व पुलिस लाइन में हुआ परेड का आयोजन

(मथुरा) रिजर्व पुलिस लाइन मथुरा के परेड ग्राउंड में 75वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर एसएसपी शैलेश पांडेय के नेतृत्व में परेड का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी ने ध्वजारोहण किया गया। भव्य परेड की सलामी ली गयी। इस अवसर पर जनपद मथुरा के अन्य प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि द्वारा परेड का मान प्रणाम ग्रहण किया गया। इसके उपरान्त एसएसपी द्वारा निष्ठा व ईमानदारी एवं भारतीय संविधान व कानून का पालन कराने की भी शपथ दिलायी गयी। इसके उपरान्त मुख्य अतिथि द्वारा उद्धबोधन किया गया तथा जनपद में कानून व्यवस्था बनाए रखने में महत्वपूर्ण, भूमिका, योगदान देने वाले एवं सराहनीय कार्यों में अहम भूमिका निभाने वाले पुलिस अधिकारी, कर्मचारीगण को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

युवक ने पिटाई का बदला लेने के लिए कर दी बच्ची की हत्या

(मथुराध्माट)(ए. के. शर्मा) थाना मांट व एसओजी की संयुक्त पुलिस टीम ने तीन साल की बच्ची की हत्या किए जाने का 24 घंटे के अंदर खुलासा करते हुए हत्यारे अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया है। 25 जनवरी को ग्राम बिलन्दपुर में तीन वर्षीय बालिका की गला काट कर हत्या कर दी गई थी। अभियुक्त अरुण पुत्र बबलू निवासी बिलन्दपुर थाना मांट जनपद मथुरा को पुलिस ने शनिवार को गिरफ्तार कर लिया। निरीक्षक थाना मांट प्रदीप कुमार के मुताबिक 25 जनवरी को हाकिम सिंह पुत्र होरीलाल निवासी बिलन्दपुर थाना मांट द्वारा अपनी तीन वर्षीय पुत्री की गला काट कर हत्या कर देने के सम्बन्ध में थाना मांट पर तहरीरी दी थी। पीडित पिता का पुत्र घटना के समय बीमार था उसको उपचार के लिए ले जाने के लिये पत्नी उसके भाई बबलू के बेटे अरुण के साथ दवा लेने के लिये घर से जाने लगे तभी मृतिका रोने लगी तो अभियुक्त अरुण पुत्र बबलू निवासी बिलन्दपुर थाना मांट ने मृतक बच्ची की मां से कहा कि आप चलो में बच्ची को दुकान से टॉफी दिलाकर और कमरे में सुलाकर आता हूं। पीडित मां अरुण का इन्तजार करने लगी तभी अरुण ने चाकू से बच्ची का गला काटकर हत्या कर दी। पूर्व में पीडित के घर में अभियुक्त अरुण द्वारा चोरी करने व चोरी करने पर चाचा द्वारा मारपीट करने व चाची द्वारा भलाबुरा कहने के कारण कुन्ठित होकर इसी रंजिश का बदला लेने की नियत से तीन वर्षीय पुत्री की चाकू से गला काटकर हत्या कर दी।

संपादकीय

भारत की क्या राय?

निर्गुट सम्मेलन के बाद जारी घोषणापत्र में जो बातें कही गईं, वे इजराइल–फिलस्तीन के मौजूदा युद्ध के बारे में भारत के रुख से मेल नहीं खातीं। इसमें गजा में इजराइली कार्रवाई की दो टूक निंदा की गई, मगर हमास को कोई जिक्र नहीं किया गया।

शीत युद्ध के दौर में गुटनिरपेक्ष आंदोलन एक महत्त्वपूर्ण आवाज था। लेकिन सोवियत संघ के विखंडन के साथ चूंकि तत्कालीन एक गुट का विलोप हो गया, तो इस आंदोलन ने भी अपनी प्रासंगिकता खो दी। इसके बावजूद इस समूह को इससे जुड़े देशों ने जिंदा रखा और अब जबकि दुनिया फिर से भूमंडलीकरण की उलटी दिशा में चल पड़ी है, तो अचानक इसका शिखर सम्मेलन मीडिया की सुर्खियों में आया। भारत में इसको लेकर और जिज्ञासा पैदा हुई क्योंकि विदेश मंत्री जयशंकर 120 देशों की सदस्यता वाले इस समूह की शिखर बैठक में भाग लेने यूगांडा की राजधानी कंपाला गए। विदेश मंत्री ने सम्मेलन में ग्लोबल साउथ की एकता पर जोर दिया और इस मकसद को हासिल करने में निर्गुट आंदोलन की भूमिका की चर्चा की। बहरहाल, सम्मेलन के बाद जारी घोषणापत्र में जो बातें कही गईं, वे कम–से–कम इजराइल–फिलस्तीन के मौजूदा युद्ध के बारे में भारत के रुख से मेल नहीं खातीं। इसमें गजा में इजराइली कार्रवाई की दो टूक निंदा की गई, मगर हमास को कोई जिक्र नहीं किया गया। आतंकवाद की चर्चा सामान्य रूप में ही हुई और उसका विरोध किया गया। जबकि बीते सात अक्टूबर को इजराइल पर हमास के हमलों को भारत ने आतंकवाद बताया था और उसकी दो टूक निंदा की थी। घोषणापत्र में गजा में तुरंत युद्धविराम की मांग की गई, जबकि भारत वहां मानवीय आधार पर लड़ाई रोकने की वकालत करता रहा है। कहा जा सकता है कि कंपाला घोषणापत्र में इस समय ग्लोबल साउथ की आम सोच प्रतिबिंबित हुई। चूंकि घोषणापत्र साझा है, इसलिए यह आम अनुमान लगाया जाएगा कि भारत इसमें कही गई बातों से सहमत है। क्या सचमुच ऐसा है? इस बारे में भारतीय विदेश मंत्रालय को अवश्य जानकारी देनी चाहिए। भारतीय विदेश नीति के बारे में स्पष्टता बनाने के लिए यह अवश्यक है। बहरहाल, गौरतलब है कि यूगांडा ने निर्गुट सम्मेलन के तुरंत बाद विकासशील देशों के अन्य समूह ग्रुप–77 की चीन के साथ बैठक आयोजित की। हालांकि नाम ग्रुप–77 है, लेकिन इसमें 135 देश शामिल हैं। इसे संयुक्त राष्ट्र में विकासशील देशों के बीच तालमेल के लिए बनाया गया था।

उनका मसला, हमारी समस्या

मौजूदा समय में सिर्फ कनाडा ही नहीं, बल्कि अमेरिका और यूरोपीय देशों में आव्रजन विरोधी भावनाएं मजबूत हो रही हैं। ऐसे में आने वाले समय में दरवाजे और बंद होते जाएंगे, जैसा अभी कनाडा में होता दिख रहा है।

कनाडा ने दो साल के लिए छात्र वीजा की संख्या सीमित करने का एलान किया है। उचित ही उल्लेख किया गया है कि इसका सबसे ज्यादा प्रभाव भारतीय छात्रों पर पड़ेगा। जस्टिन ट्रुडो सरकार के इन कदम के पीछे प्रमुख कारण कनाडा में गंभीर हो गई आवासीय समस्या को बताया है। कनाडा में मकानों की कीमत और किराये में बेहद बढ़ोतरी हुई है, जिससे वहां के बाशिंदों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। वैसे आधिकारिक तौर पर कनाडा ने इस फैसले का कारण देश में शिक्षा के नाम पर फैलती जा रही धोखाधड़ी को बताया है। कहा गया है कि कनाडा में ऐसे संस्थानों की बाढ़ आ गई है, जिनका मकसद विदेशों से छात्र लाकर मोटी फीस वसूलना है, जबकि उनमें निम्नस्तरीय शिक्षा दी जा रही है। यह भी कहा गया है कि इन संस्थानों की वजह से वैसे छात्रों की संख्या बढ़ गई है, जिनका मकसद पढ़ाई नहीं, बल्कि किसी तरह कनाडा में प्रवेश कर जाना है।

तो इस वर्ष कनाडा सरकार लगभग दो लाख कम छात्र वीजा जारी करेगी। पिछले वर्ष पांच लाख 60 हजार ऐसे वीजा दिए गए थे। 2022 में आठ लाख वीजा दिए गए, जिनमें तीन लाख 29 हजार भारतीय छात्र थे। इस तथ्य की रोशनी में मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि कनाडा के इस फैसले का सबसे बुरा प्रभाव भारतीय छात्रों पर पड़ेगा। लेकिन मुद्दा यह है कि आखिर ऐसी स्थिति क्यों है? जाहिर है, इसलिए कि भारत में उच्च–स्तरीय शिक्षा और रोजगार के बेहतर अवसरों का अभाव बना हुआ है। ऐसा नहीं होता, तो विकसित देशों में जाने की मजबूरी भारतीय नौजवानों के सामने नहीं होती। मौजूदा समय में सिर्फ कनाडा ही नहीं, बल्कि अमेरिका और यूरोपीय देशों में आव्रजन विरोधी भावनाएं मजबूत हो रही हैं। ऐसे में आने वाले समय में दरवाजे और बंद होते जाएंगे, जैसा अभी कनाडा में होता दिख रहा है। इसलिए दूसरे देशों के ऐसे फैसलों से परेशान होने से बेहतर रणनीति होगी अपने सिस्टम को दुरुस्त करना। लेकिन इस समय देश में ऐसे सवालों पर बहस की गुंजाइशें सिकुड़ी हुई हैं। इसीलिए दूसरों का मसला हमारी समस्या बन जाता है।

देश में सौ से ज्यादा रामायण

अजय दीक्षित

वाल्मीकि रामायण की रचना का निर्धारित समय पता नहीं । पुरातत्त्वविदों के अनुसार वैदिक सभ्यता लगभग 1000 ई.पू. में गंगा के मैदानी क्षेत्रों में पनपी। लेकिन रामायण का विविध रूपों में संस्कृत में लिखित पुनर्कथन 2000 वर्ष पहले हुआ। इस प्रकार, सैकड़ों वर्षों तक इस कथा का मौखिक प्रसारण हुआ होगा। लगभग 1000 वर्ष पहले रामायण का पुनर्कथन क्षेत्रीय भाषाओं में होने लगा। तमिल में कम्बन–रामायण पहला पुनर्कथन था। उसके पश्चात तेलुगु, असमी, बंगाली, कन्नड़, मलयालम, मैथिली और अवधी में पुनर्कथन होते गये। इन पुनर्कथनों के माध्यम से राम भक्ति परम्परा का आदर्श बन गए, और लोग उन्हें भगवान के रूप में पूजने लगे। 20वीं सदी में रामानंद सागर ने रामायण पर लोकप्रिय धारावाहिक बनाया। यह मुख्यतरू तुलसीदास की अवधी रामायण (रामचरितमानस) पर आधारित है। ओडिया साहित्य में भी 15वीं और 18वीं सदियों के बीच रामायण के कई पुनर्कथन हुए। आइए, उनमें से कुछ घटनाएं जानते हैं। संभवतरू आपने यह कहीं और सुनी नहीं होंगी। ध्यान रहे कि अधिकांश भारतवासी रामायण की कहानी इन क्षेत्रीय पुनर्कथनों को अपनी–अपनी मातृभाषाओं के माध्यम से ही सुनते हैं। इससे स्पष्ट होता है कि राम भारतीय कला और संस्कृति में व्यापक हैं।1. शबरी के आम रू शबरी के जूठे बेरों की कहानी वाल्मीकि रामायण या तुलसी रामायण में नहीं, बल्कि प्रियदास द्वारा 18वीं सदी में लिखित श्भक्ति–रस–बोधिनीश में पाई जाती है। वैष्णव संतों पर कहानियों का यह संग्रह ब्रजभाषा में लिखा गया था। हे सम्भवतरू, इस कहानी का स्रोत उसके 200 वर्ष पहले द्घ ओडिया रामायण की कहानी में मिलता है। उस कहानी के अनुसार, सीता की खोज करते समय, राम एक 1 जनजातीय पुरुष (शबर) और स्त्री (शबरी) से मिले थे। उन्होंने राम के चरणों को धोकर उन्हें एक आम प्रस्तुत किया। हालांकि शबरी के पास के अधिकांश आमों पर दांतों केचिह्न थे। उसने राम को एक श्सुंदरीश आम प्रस्तुत किया, जिस पर कोई चिह्न नहीं था। इस पर राम ने कहा, आपको कैसे पता कि यह आम दूसरे आमों । जितना मीठा है? आपने उसे चखा ही नहीं है। मुझे ऐसा ! आम दें जो आप जानती हैं कि मीठा है। इस प्रकार राम ने जूठा आम खाकर श्जाति शुद्धताश के नियमों को नकारा । 2. ओडिशा में पुरी के जगन्नाथ मंदिर के श्साही जत्राश में एक अनोखी छवि देखने मिलती है, जिसमें आठ वानर (अष्ट–मल्ल या आठ योद्धा) एक विशाल पक्षी के पंखों पर बैठें चित्रित हैं।

नीतीश कुमार की चालों से विपक्ष के इंडिया गठबंधन को बड़ा झटका लगा है

लोकसभा चुनाव में अब दो–ढाई महीने का समय शेष हैं। भाजपा हर हालात में नरेंद्र मोदी को ही तीसरी बार सत्ता के सिंहासन पर बैठाना चाहती है। अयोध्या में भव्य राम मंदिर से पैदा हुई हिंदुत्व लहर पर सवार भाजपा जाति को साधने में भी पीछे नहीं है। अब लगभग यह तय हो गया है कि भारतीय जनता पार्टी एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को विपक्षी दलों एवं उनके नेताओं के द्वारा हल्के में लेने की स्थितियां उनके लिये कितनी भारी हो सकती है। दूसरा भारत की राजनीति में भाजपा अगर कुछ करने की ठान लेती है तो वह उसे पूरा करती ही है। बिहार में सत्ता का समीकरण बदलना इसी बात का द्योतक है। बिहार में जारी सियासी उथलपुलथ के बीच आरजेडी के राज्यसभा सांसद अहमद अशफाक ने बड़ा ऐलान करते हुए आखिर कह ही दिया है कि अब जेडीयू और आरजेडी का रिश्ता टूट गया है। इस बात के प्रबल संकेत मिल रहे हैं कि मुख्यमंत्री और जेडीयू नेता नीतीश कुमार ने आरजेडी से अलग होने का फैसला कर लिया है। अगर ऐसा हुआ तो बिहार में न केवल महागठबंधन की सरकार गिर जाएगी बल्कि इंडिया महागठबंधन में भी दरारे पड़ जायेगी। यह भी संभावनाएं व्यक्त की जा रही है कि इसके बाद नीतीश एक बार फिर भाजपा के साथ मिलकर बिहार में सरकार बना सकते हैं। आगामी लोकसभा चुनाव को देखते हुए भाजपा की रणनीति का यह एक बड़ा दांव सफल होता हुआ दिख रहा है। वैसे भाजपा एवं जेडीयू नेता नीतीश कुमार के बीच भीतर–ही–भीतर यह कीचड़ी विगत कुछ समय से पक रही थी। इसका पहला ठोस संकेत जननायक कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न दिये जाने की घोषणा पर उनके द्वारा पहले भाजपा सरकार फिर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को दिये धन्यवाद से सामने आया। दूसरा बड़ा संकेत कर्पूरी ठाकुर की सौवीं जयंती के मौके पर आयोजित समारोह में नीतीश कुमार ने तंज कस कर कि आजकल बहुत से लोग अपने परिवार के सदस्यों को ही आगे बढ़ाने में लगे रहते हैं, इस रूप में सामने आया। इसे सीधे तौर पर लालू प्रसाद यादव पर हमला माना गया, जिनकी पार्टी के साथ वह बिहार में सरकार चला रहे हैं। इस पूरे घटनाक्रम के बाद से राजद और जदयू के बीच गहरी खाई बन गई है। लालू–तेजस्वी से नीतीश की बातचीत बंद चल रही है। वहीं महगठबंधन के सहयोगी दल भी सकते में आ गये हैं। क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के खिलाफ बिखरे हुए विपक्ष को एकजुट करने की कवायद करने वाले नीतीश कुमार ही रहे हैं। नीतीश कुमार ने ही पिछले साल जून में पटना में विपक्षी दलों की महाजुटान की थी। उनकी पहल पर ही विपक्ष के तमाम दल मतभेदों के बावजूद एक प्लेटफॉर्म पर आने को तैयार हुए ताकि लोकसभा चुनाव में भाजपा के खिलाफ ज्यादा से ज्यादा सीटों पर विपक्ष की तरफ से साझा उम्मीदवार उतारा जा सके। लेकिन जब चुनाव एकदम सिर पर आ गया तो नीतीश कुमार ही पाला बदलने जा रहे हैं। तिनका–तिनका जोड़कर विपक्षी एकजुटता का ताना–बाना तैयार करने वाले जेडीयू चीफ ऐन वक्त पर खुद ही गठबंधन से दूर होने जा रहे हैं। ये विपक्षी इंडिया गठबंधन के लिए बहुत बड़ा आघात है। लोकसभा चुनाव में अब दो–ढाई महीने का समय ही शेष हैं। भाजपा हर हालात में नरेंद्र मोदी को ही तीसरी बार सत्ता के सिंहासन पर बैठाना चाहती है। अयोध्या में भव्य राम मंदिर से पैदा हुई हिंदुत्व लहर पर सवार भाजपा जाति को साधने में भी पीछे नहीं है। कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देने का ऐलान हो चुका है। दलितों को लुभाने के लिए बड़ा अभियान शुरू करने का प्लान भी तैयार हो चुका है। दूसरी तरफ विपक्ष खासकर उसके सबसे बड़ा गठबंधन इंडिया की नजर हर हाल में मोदी के विजय रथ को रोकने पर है। लेकिन लगभग टूट एवं बिखर चुके इंडिया किस तरह मोदी रथ को रोक पायेंगी? क्योंकि लोकसभा चुनाव से पहले ही इंडिया गठबंधन हांफने लगा है। नीतीश कुमार का पाला पाला बदलना वैसे ही है जैसे युद्ध शुरू होने से ऐन पहले सारथी ही पाला बदल ले। गठबंधन के नीतीश ही नहीं, ममता बनर्जी और अरविंद केजरीवाल भी कांग्रेस को आंख दिखा रहे हैं, जिससे गठबंधन की गाड़ी आगे सरकती नजर नहीं आ रही है। गठबंधन के भविष्य पर सवालिया निशान ही नहीं, ग्रहण लग गया है। बिहार की उठापटक एवं बदलते राजनीतिक समीकरणों का सीधा लाभ भाजपा को मिलेगा। बिहार में 40 लोकसभा सीटें हैं। अगर नीतीश कुमार भाजपा से मिलकर एनडीए गठबंधन का हिस्सा बनते हैं तो इनमें से अधिकाधिक लोकसभा सीटों पर एनडीए प्रत्याशियों की जीत की संभावना अप्रत्याशित रूप से बढ़ जाएगी। बिहार में नीतिश की इसी भूमिका के कारण ही इंडिया गठबंधन में उनकी सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका मानी जा रही थी। विपक्षी दलों के बीच गठबंधन करके ज्यादा से ज्यादा सीटों पर एनडीए के खिलाफ साझा प्रत्याशी खड़ा करने का यह पूरा प्रयास नीतीश कुमार की ही पहल पर शुरू हुआ था। ऐसे में उनके जाने के बाद यह प्रक्रिया किस तरह से और कितनी आगे बढ़ेगी, इस पर संदेह के बादल मंडरा रहे हैं। राजनीति में जब नीति गायब होने लगती है तो बेमेल गठबंधनों के बनते एवं बिखरते के दृश्य देखने को मिलते हैं और, इस बुराई के लिए कमोबेश सभी राजनीतिक दल समान रूप से जिम्मेदार हैं। देखा जाए तो सबकी नजर में 2024 का लोकसभा चुनाव है जहां 40 सीटों वाले बिहार की भूमिका को अहम मानते हुए अभी सारे दांव–पेंच वहीं चल रहे हैं। बिहार में नया सियासी समीकरण कितना बदलाव लाएगा, यह भविष्य ही बताएगा। ऐसे में लंबे समय से कयास लगाए जा रहे थे कि नीतीश कुमार कभी भी भाजपा का हाथ थाम सकते हैं। वैसे भी अब नीतिश की छवि अवसरवादी नेता की हो गयी है। दरअसल यह अवसरवादिता और मौकापरस्ती की हद है जिसका राजनीति में प्रतिकार होना चाहिए। वास्तव में बिहार का ही सबसे बड़ा दुर्भाग्य है कि इस राज्य में जातिवादी और परिवारवादी राजनीति ने इस प्रदेश की जनता के मौलिक अधिकारों से उनको वंचित किये हुए हैं और इस प्रांत के लोगों को भारत का सबसे गरीब आदमी बनाया हुआ है। जबकि बिहारियों का भारत के सर्वांगीण विकास में योगदान कम नहीं हैं, सबसे अधिक मेहनती एवं बुद्धिजीवी लोग यही से आते हैं। लेकिन दूषित राजनीति की कालिमाएं यहां के धवलित इतिहास को धुंधलाती रही है। यहां की राजनीति की सत्तालोलुपता एवं भ्रष्टता लोकतांत्रिक मूल्यों को ध्वस्त करती रही है। जबकि प्रामाणिकता एवं सिद्धान्तवादिता राजनीतिक क्षेत्र में सिर का तिलक है और अप्रामाणिकता एवं अवसरवादिता मृत्यु का पर्याय होती है। आवश्यकता है, राजनीति के क्षेत्र में जब हम जन मुखातिब हों तो प्रामाणिकता का बिल्ला हमारे सीने पर हो। उसे घर पर रखकर न आएं। राजनीति के क्षेत्र में हमारा कुर्ता कबीर की चादर हो। नीतीश बाबू ने जिस महागठबन्धन को बनाया, बनने के साथ ही उसकी उल्टी गिनती शुरू हो गयी थी। अब तो खुद सारथि ही अपना पाला बदल रहा है। आजादी के अमृतकाल के पहले लोकसभा चुनाव की आहट अब साफ–साफ सुनाई दे रही है। भारत के सभी राजनीतिक दल अब पूरी तरह चुनावी मुद्रा में आ गये हैं और प्रत्येक प्रमुख राजनैतिक दल इसी के अनुरूप बिछ रही चुनावी बिसात में अपनी गोटियां सजाने में लगे हैं। टुकड़े–टुकड़े बिखरे कुछ दल फेवीकॉल लगाकर इंडिया गठबंधन की छतरी के नीचे आये जरूर, लेकिन सीटों के बंटवारे एवं अन्य मुद्दों पर अब बिखर चुके हैं।

भारतीय राजनीति का अंतिम मोर्चा

अजीत द्विवेदी

क्या यह माना जाए कि भारत की राजनीति बदलाव के उस मोड़ पर है, जहां वह आधुनिक इतिहास में पहले कभी नहीं पहुंची और उस मोड़ पर जो मुकाबला होना है वह फाइनल फ्रंटियर यानी अंतिम मोर्चे की तरह है? अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के भव्य आयोजन के बाद अगले तीन–चार महीने में लोकसभा का चुनाव होना है। इस चुनाव में एक तरफ हिंदू धर्म की ध्वजा उठाए नरेंद्र मोदी और उनकी अक्षौहिणी सेना होगी तो दूसरी ओर भारत की विविधता, बहुलता और न्याय की दुहाई देते हुए देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस होगी, जिसके साथ या पीछे पीछे जातीय विभाजन की फॉल्टलाइन को बढ़ा कर राजनीति करने वाली मंडल की पार्टियां और भाषायी अस्मिता की राजनीति करने वाली पार्टियां होंगी। पूरब से पश्चिम और दक्षिण तक ऐसी कई पार्टियां हैं। इस लिहाज से अगले चुनाव को मंडल और कमंडल की लड़ाई का फाइनल फ्रंटियर कह सकते हैं तो साथ ही उत्तर और दक्षिण की लड़ाई का भी अंतिम मोर्चा मान सकते हैं। जो यह चुनाव जीतेगा उसकी हर मोर्चे पर फतह मानी जाएगी और लंबे समय तक देश की राजनीति पर उसका और उसकी विचारधारा का वर्चस्व कायम होगा।

अभी तक भाजपा की राजनीति के बरक्स दो तरह की राजनीति सफल होती रही है। एक मंडल की यानी जातियों की और दूसरी भाषायी अस्मिता की राजनीति। विपक्ष की जो पार्टी भाजपा के मुकाबले सफल रही या जिसने भाजपा को टक्कर दिया उसकी राजनीति इन दो में से किसी मुद्दे पर आधारित रही। कह सकते हैं कि कांग्रेस इन दोनों में से कोई राजनीति नहीं करती है फिर भी वह मुख्य प्रतिद्वंद्वी के तौर पर बनी हुई है। यह बात तर्क के लिए सही है लेकिन असल में भाजपा की मुख्य प्रतिद्वंद्वी दल की हैसियत मुस्लिम वोटों की वजह से बनी है। कुछ राज्यों में भाजपा विरोधी वोट के साथ मुस्लिम वोट जुड़ जाने से कांग्रेस को सीटें मिलीं या जातीय व भाषायी अस्मिता की राजनीति करने वाली पार्टियों के साथ तालमेल का फायदा उसे मिला। यह किसी पहलू से नहीं कहा जा सकता है कि कांग्रेस या दूसरी भाजपा विरोधी पार्टियों ने किसी वैकल्पिक सिद्धांत या विचार को लेकर राजनीति की। हां, भाजपा से उनके विरोध को वैचारिक विरोध कह सकते हैं लेकिन उन दलों की राजनीति किसी वैकल्पिक विचार पर आधारित नहीं रही है। यह बहुत बारीक फर्क है, जिसे समझने की जरुरत है।

इस बार उसी फर्क को चुनौती मिल रही है। एक फर्क मंडल और कमंडल की राजनीति का रहा है। भाजपा ने कमंडल यानी मंदिर की राजनीति शुरू की थी। 1989 में पालमपुर प्रस्ताव से मंदिर को राजनीतिक मुद्दा बनाया गया था और दो सांसदों वाली पार्टी उसी साल के चुनाव में 81 सीट पर पहुंच गई थी। इसलिए यह नहीं कहा जा सकता है कि मंडल की राजनीति के जवाब में कमंडल की राजनीति शुरू हुई। भाजपा ने मंदिर की राजनीति पहले शुरू की थी और एक चुनाव में उसका फायदा लिया था। उसके बाद वीपी सिंह की सरकार ने 1990 में मंडल आयोग की रिपोर्ट लागू की थी और पिछड़ी जातियों के लिए आरक्षण का पंडोरा बॉक्स खोला था। उसके बाद कई बरसों तक ऐसा लगता रहा कि ये दोनों विचार एक दूसरे के विरोधी हैं। हालांकि भाजपा ने तब भी सोशल इंजीनियरिंग जारी रखी थी। उत्तर प्रदेश पहले उसकी प्रयोगशाला थी, जहां गोविंदाचार्य ने सोशल इंजीनियरिंग का प्रयोग किया और उसके बाद मध्य प्रदेश प्रयोगशाला बनी, जहां उमा भारती से शुरू करके मोहन यादव तक पिछले 21 साल में सिर्फ पिछड़ी जाति के सीएम बने हैं।बिहार मंडल राजनीति की धरती रही लेकिन नीतीश कुमार ने बहुत होशियारी से बिहार में भाजपा को सोशल इंजीनियरिंग नहीं करने दी और न पिछड़ी या अत्यंत पिछड़ी जाति का कोई नेता तैयार होने दिया। इसलिए बिहार थोड़ा पीछे रह गया। अब वहां भी भाजपा की सोशल इंजीनियरिंग चल रही है। 24 जनवरी को भाजपा भी पटना में कर्पूरी ठाकुर की जयंती बड़े पैमाने पर मना रही है। नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद धीरे धीरे मंडल और कमंडल की राजनीति का फर्क मिटता गया है। दोनों के बीच की दूरी कम होती गई है। उन्होंने बहुत सुनियोजित तरीके से दोनों को मिला दिया। इसका नतीजा यह है कि आज अत्यंत पिछड़ी जातियों का 48 फीसदी और अन्य पिछड़ी जातियों का 40 फीसदी वोट भाजपा को मिलता है। कुल मिला कर 44 फीसदी पिछड़ा वोट भाजपा को जाता है। अयोध्या के भव्य कार्यक्रम के बाद यह दूरी और कम होगी। इसका कारण यह है कि मंडल के मसीहा जाति की राजनीति में उलझे रहे उन्होंने मंडल प्लस कुछ नहीं किया। कोई नई चीज नहीं जोड़ी, जबकि नरेंद्र मोदी ने कमंडल में प्लस किया। उन्होंने कमंडल में मंडल को जोड़ा और साथ ही विकास, बुनियादी ढांचा, राष्ट्रवाद, लाभार्थी, विश्व गुरू, मजबूत नेतृत्व जैसी कई चीजें जोड़ दीं।इसके बाद बचता है कि भाषायी अस्मिता का मामला, जिस पर भाजपा थोड़ा बैकफुट पर होती है। हालांकि ऐसे तीन राज्यों–महाराष्ट्र, गुजरात और कर्नाटक में भाजपा पहले से मजबूत स्थिति में थी। पिछले 10 साल में इन तीन राज्यों के अलावा दूसरे राज्यों में भी भाजपा मजबूती से पहुंची है और वह हिंदुत्व के अपने एजेंडे के साथ पहुंची है। उसने राज्यों की आबादी के फॉल्टलाइन की पहचान की है और उसका फायदा उठाया है। जैसे पश्चिम बंगाल में 30 फीसदी मुस्लिम आबादी है। भाजपा ने प्रचार के दम पर यह नैरेटिव बनवाया कि सारी पार्टियां इस 30 फीसदी आबादी का ध्यान रखती हैं और 70 फीसदी आबादी की अनदेखी करती हैं। इसका फायदा उसे पिछले चुनाव में मिला, जब वह 18 लोकसभा सीट वाली पार्टी बन गई और विधानसभा चुनाव में भी अस्मिता की राजनीति को चुनौती देते हुए 38 फीसदी वोट के साथ 77 सीट की पार्टी बनी। इसी तरह तेलंगाना में असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी और पुराने हैदराबाद की आबादी संरचना को ही आधार बना कर भाजपा ने जो राजनीति की उसका नतीजा यह हुआ कि उसे पिछले लोकसभा चुनाव में चार सीटें मिलीं। वह अब वहां 13 फीसदी वोट की पार्टी है।

कुल मिला कर तीन राज्य–आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और केरल ऐसे हैं, जहां भाजपा की कमंडल की राजनीति या सोशल इंजीनियरिंग कामयाब नहीं हुई है। लेकिन भारत जैसे विशाल देश में यह कोई बड़ी बात नहीं है। अपने सबसे अच्छे दिनों में भी कांग्रेस सभी राज्यों में एक समान रूप से मजबूत पार्टी नहीं थी। इस बार के लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नजर इन तीन राज्यों पर है, जिनका उन्होंने नए साल में दौरा शुरू किया है। उन्होंने अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम से पहले 11 दिन का अनुष्ठान किया और उसे इन तीन राज्यों की आध्यात्मिक यात्रा से जोड़ दिया। वे उस दौरान इन तीनों राज्यों में गए और रामायण के चरित्रों व स्थानों से जुड़ी जगहों पर जाकर पूजा की। भाषायी अस्मिता वाले इन तीनों राज्यों में मोदी की कमंडल प्लस मंडल राजनीति की परीक्षा होनी है।सो, कह सकते हैं कि इस बार का चुनाव इस बात की परीक्षा है कि भाजपा की राजनीति के मुकाबले विपक्ष के मंडल और भाषायी अस्मिता यानी जाति और उत्तर–दक्षिण की राजनीति का क्या भविष्य होगा। अगर भाजपा लगातार तीसरी बार जीतती है तो फिर भारतीय राजनीति को देखने की तमाम पारंपरिक अवधारणाएं टूटेंगी और पार्टियों को नए सिरे से अपने सिद्धांतों व राजनीतिक एजेंडे पर विचार करना होगा। बड़ा सवाल यह है कि क्या उसके बाद भाजपा को टक्कर देने के लिए कोई नई दक्षिणपंथी पार्टी उभरेगी? क्या अर

आत्मविश्वास से भरा गणतंत्र जिसमें जन को है तंत्र पर भरोसा

मौजूदा राजनीतिक नेतृत्व और बढ़ती चुनौतियों से जूझने की इसकी क्षमता को देखते हुए तंत्र में गण (लोगों) का भरोसा बढ़ा है। निस्संदेह भारत वैश्विक आर्थिक लचीलेपन के मामले में खुद को सबसे आगे पाता है, मजबूत सरकारी खर्च के चलते मौजूदा वित्त वर्ष में विकास दर 6.9 फीसदी रहने की संभावना है।

गणतंत्र दिवस साल का वह समय है, जब भारत की अब तक की यात्रा पर नजर डाली जा सकती है। एक राष्ट्र के रूप में हम अपने भविष्य को लेकर ज्यादा आश्वस्त हैं। हमें उम्मीद है कि आने वाले वर्षों में हमारा जीवन बेहतर होगा। मौजूदा राजनीतिक नेतृत्व और बढ़ती चुनौतियों से जूझने की इसकी क्षमता को देखते हुए तंत्र में गण (लोगों) का भरोसा बढ़ा है। निस्संदेह भारत वैश्विक आर्थिक लचीलेपन के मामले में खुद को सबसे आगे पाता है, मजबूत सरकारी खर्च के चलते मौजूदा वित्त वर्ष में विकास दर 6.9 फीसदी रहने की संभावना है, जो पहले के अनुमान 6.7 फीसदी से ज्यादा है। एक बार लोकसभा चुनाव संपन्न हो जाए और राजनीतिक स्थिरता सुनिश्चित हो जाए, तो आर्थिक मोर्चे पर चीजें बेहतर होनी तय हैं। मौजूदा राजनीतिक हालात को देखते हुए लगता है कि प्रधानमंत्री मोदी तीसरे कार्यकाल के लिए तैयार हैं। सत्ता में फिर से वापसी पर मोदी निश्चित रूप से साहसिक नीतियों को आगे बढ़ाएंगे और महत्वपूर्ण क्षेत्रों में मौजूदा दृष्टिकोण में बदलाव लाएंगे।

हालांकि भारत को कृषि क्षेत्र में अनिश्चितता, संघर्षग्रस्त क्षेत्रों में शांतिपूर्ण समाधान की कमी, लाल सागर कॉरिडोर में जहाजों पर हमले, खाद्य महंगाई, ग्रामीण उत्पादन व सेवा क्षेत्र में मंदी से चुनौतियां आ सकती हैं। मालदीव जैसे देश को भारत से दूर करने, भूटान को धमकाने और ताइवान के साथ तनाव बढ़ाकर क्षेत्र को अस्थिर करने की चीन की नीतियों के प्रति हमें सतर्क रहना होगा। अल नीनो की स्थितियों के कारण मानसून सीजन में चार महीने औसत से कम वर्षा होने के चलते वर्ष 2023 में खरीफ उत्पादन में गिरावट देखी गई। गणतंत्र दिवस से ठीक चार दिन पहले अयोध्या में भव्य राम मंदिर का उद्घाटन उत्साह की भावना लेकर आया है। अनुच्छेद 370 को हटाने की तरह राम मंदिर निर्माण को भी भाजपा द्वारा किए गए वादे को पूरा करने की तरह देखा जा रहा है। मोदी के आलोचक 22 जनवरी के समारोह को मोदी के चुनाव प्रचार और हिंदू राष्ट्र की शुरुआत के रूप में देख रहे हैं। शायद भाजपा को उम्मीद होगी कि मंदिर खुलने से उन्हें बेहतर चुनावी लाभ मिलेगा। लेकिन एक धार्मिक राष्ट्र निश्चित रूप से मोदी के एजेंडे में नहीं है। वह अपनी सरकार के प्रदर्शन और गरीबों के लिए किए गए कार्य के आधार पर लोगों के पास वोट मांगने जाना चाहते हैं। वर्ष 2014 में जबसे वह केंद्र की सत्ता में आए हैं, विपक्षी पार्टियां शासन का व्यावहारिक वैकल्पिक मॉडल पेश करने में विफल रही हैं। उनका यह विश्वास कि अंततः लोगों का भरोसा मोदी पर से उठ जाएगा, गलत साबित हुआ है। मतदाताओं का एक बड़ा वर्ग भाजपा के साथ रहना चाहेगा, भले ही वह उसके शासन से असंतुष्ट हो।

हाल के चुनावों में कांग्रेस के खराब प्रदर्शन से विपक्षी गठबंधन इंडियाश खुद निराश है। कांग्रेस जानती है कि उसे अपने नेतृत्व में सुधार करना होगा और एक नई चुनावी रणनीति बनानी होगी। विपक्षी दलों को गैर–भाजपा वोटों को बंटने से रोकने के लिए एकजुट रहना होगा। इस समय कांग्रेस के लिए यह बड़ी चुनौती है। जब तक ऐसा नहीं होता, लोगों को रोजगार सृजन, धन और विकास के लिए मोदी की प्राथमिकताओं में रामबाण नजर आएगा। लेकिन वे उन नेताओं से भी नाराज हैं, जो केवल अपनी महत्वाकांक्षाओं को आगे बढ़ा रहे हैं।

नकदी संकट से जूझ रहा पाकिस्तान, चीन से मांगा दो अरब डालर का कर्ज

इस्लामाबाद।

कार्यवाहक प्रधानमंत्री अनवारुल हक काकड़ ने चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग को पत्र लिखकर अनुरोध किया है कि 23 मार्च को चीन से ऋण जमा करने का समय पूरा होते ही ऋण को वापस कर दिया जाए। नकदी संकट से जूझ रहे पाकिस्तान ने अपने करीबी सहयोगी चीन से एक साल के लिए दो अरब डॉलर का कर्ज मांगा है। शनिवार को एक मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। कार्यवाहक प्रधानमंत्री अनवारुल हक काकड़ ने चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग को पत्र लिखकर अनुरोध किया है कि 23 मार्च को चीन से ऋण जमा करने का समय पूरा होते ही ऋण को वापस कर दिया जाए। समाचार पत्र द एक्सप्रेस ट्रिब्यून के अनुसार, काकड़ ने पत्र में आर्थिक संकट के दौरान पाकिस्तान को वित्तीय सहायता देने के लिए चीन के प्रति आभार व्यक्त किया। पाकिस्तान ने कर्ज के रूप में चीन से कुल चार अरब डॉलर की राशि जुटा ली है, जिससे देश पर बाहरी ऋण भुगतान पर बढ़ता दबाव कम हो गया है और इसकी विदेशी मुद्रा भंडार की स्थिति स्थिर हो गई है। इसी महीने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने पाकिस्तान के दो अरब डालर

का ऋण वापस ले लिया। इसके अलावा, सऊदी अरब ने स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान में पांच अरब डॉलर जमा किए हैं। यूएई द्वारा ऋण वापस लेने के बाद, पाकिस्तान की अंतरिम सरकार ने अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से 1.2 अरब डालर की अंतिम ऋण किश्त के लिए बातचीत के लिए इस महीने एक नया मिशन भेजने का अनुरोध किया। आईएमएफ का अगला मिशन न केवल अंतिम ऋण किश्त हासिल करने के लिए बल्कि एक नए दीर्घकालिक कार्यक्रम के लिए बातचीत शुरू करने के लिए भी महत्वपूर्ण है।

ब्रिटिश तेल टैंकर पर हूती का हमला, 22 भारतीय थे सवार, बचाव अभियान में लगी नौसेना

नौसेना ने पुष्टि की कि यमन के ईरान समर्थित हौथिस द्वारा लक्षित जहाज पर 22 भारतीय और 1 बांग्लादेशी चालक दल सवार हैं। ईंधन टैंकर को ट्रेडिंग फर्म ट्रैफिगुरा की ओर से संचालित किया गया था, और कंपनी ने पुष्टि की कि एक मिसाइल ने लाल सागर को पार करते समय मार्लिन लुआंडा पर हमला किया। ब्रिटिश तेल टैंकर के साथ–साथ एक अमेरिकी युद्धपोत, विध्वंसक यूएसएस कार्नी पर भी हौथी समूह ने हमला किया था।26 जनवरी को हूती द्वारा निशाना बनाए गए ब्रिटिश तेल टैंकर, मार्लिन लुआंडा में 22 भारतीय सवार हैं। भारतीय नौसेना अग्निशमन प्रयासों में सहायता कर रही है। नौसेना ने कहा कि उसके निर्देशित मिसाइल विध्वंसक, आईएनएस विशाखापत्तनम को 26 जनवरी की रात को तेल टैंकर से एक संकट कॉल के जवाब में अदन की खाड़ी में तैनात किया गया था। नौसेना ने एक बयान में कहा कि संकटग्रस्त मर्चेंट वेसल पर अग्निशमन प्रयासों को एमवी पर चालक दल की सहायता के लिए आईएनएस विशाखापत्तनम द्वारा तैनात अग्निशमन उपकरणों के साथ एनबीसीडी टीम द्वारा बढ़ाया जा रहा है। नौसेना ने पुष्टि की कि यमन के ईरान समर्थित हौथिस द्वारा लक्षित जहाज पर 22 भारतीय और 1 बांग्लादेशी चालक दल सवार हैं। ईंधन टैंकर को ट्रेडिंग फर्म ट्रैफिगुरा की ओर से संचालित किया गया था, और कंपनी ने पुष्टि की कि एक मिसाइल ने लाल सागर को पार करते समय मार्लिन लुआंडा पर हमला किया। ब्रिटिश तेल टैंकर के साथ–साथ एक अमेरिकी युद्धपोत, विध्वंसक यूएसएस कार्नी पर भी हौथी समूह ने हमला किया था। इस घटना को दशकों में पश्चिमी सेनाओं और मध्य पूर्व के बीच समुद्र में सबसे बड़ा टकराव भी माना जाता है। इसके अलावा, यह पहली बार नहीं है कि हौथी समूह ने एक तेल टैंकर पर हमला किया है जिसमें भारतीय

सवार थे। 24 दिसंबर, 2023 को लाल सागर में यमन के हौथी विद्रोहियों द्वारा दागे गए ड्रोन से 25 भारतीयों को ले जा रहा एक तेल टैंकर मारा गया था। हूती समूह पिछले नवंबर से तेल टैंकरों पर हमले कर रहा है और उसने कहा कि वह फिलिस्तीन में इजरायल की सैन्य कार्रवाई के कारण ऐसा कर रहा है। अदन की खाड़ी में हमले के बाद ब्रिटेन सरकार ने कहा कि ब्रिटेन और उसके सहयोगी ष्उचित प्रतिक्रिया देने का अधिकार सुरक्षित रखते हैं। हम उन रिपोर्टों से अवगत हैं कि मार्शल आइलैंड्स–ध्वजांकित टैंकर एमध्वी मार्लिन लुआंडा को अदन की खाड़ी में हमले से नुकसान हुआ है। वर्तमान रिपोर्टों से पता चलता है कि कोई हताहत नहीं हुआ है और पास के गठबंधन जहाज घटनास्थल पर हैं। यूके सरकार के एक अधिकारी ने कहा कि हम स्पष्ट कर चुके हैं कि वाणिज्यिक शिपिंग पर कोई भी हमला पूरी तरह से अस्वीकार्य है और यूके और हमारे सहयोगी उचित प्रतिक्रिया देने का अधिकार सुरक्षित रखते हैं।

निर्वाचन आयोग 12.8 करोड़ मतदाताओं के लिए 90,675 मतदान केंद्र स्थापित करेगा

इस्लामाबाद।

चुनाव अधिनियम, 2017 की धारा 59(6) के तहत प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र के मतदान केंद्रों की अंतिम सूची, मतदान दिवस से कम से कम 30 दिन पहले, आधिकारिक राजपत्र के साथ–साथ ईसीपी की वेबसाइट पर प्रकाशित करने की आवश्यकता होती है। इस्लामाबाद। पाकिस्तान निर्वाचन आयोग (ईसीपी) ने आठ फरवरी के चुनावों के लिए अपनी योजना की जानकारी देते हुए कहा कि वह 12.8 करोड़ मतदाताओं के लिए 90,675 मतदान केंद्र स्थापित करेगा। मीडिया में शनिवार को आई एक खबर में यह जानकारी दी गयी। डॉन अखबार में प्रकाशित खबर के अनुसार, चुनाव से कम से कम 30 दिन पहले मतदान योजना की घोषणा करने

की कानूनी समय सीमा का पालन करने में दो बार विफल रहने के कुछ हफ्तों बाद आयोग की ओर से मतदान की अद्यतन योजना की घोषणा की गयी। चुनाव अधिनियम, 2017 की धारा 59(6) के तहत प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र के मतदान केंद्रों की अंतिम सूची, मतदान दिवस से कम से कम 30 दिन पहले, आधिकारिक राजपत्र के साथ–साथ ईसीपी की वेबसाइट पर प्रकाशित करने की आवश्यकता होती है। इ ईसीपी की ओर से शुक्रवार को जारी योजना में सभी चार प्रांतों और संघीय राजधानी में मतदान केंद्रों को सुरक्षा स्थिति और चुनावी हिंसा के इतिहास के आधार पर सामान्य, संवेदनशील या अत्यधिक संवेदनशील के रूप में वर्गीकृत किया गया है। अखबार के अनुसार, ''कुल 12.8 करोड़ मतदाताओं के लिए अंतिम मतदान योजना के तहत पूरे पाकिस्तान में 276,402 मतदान केंद्रों के साथ कुल 90,675 मतदान केंद्र स्थापित किए जाएंगे।'' खबर में कहा गया है कि यदि कानून का पालन किया गया होता, तो मतदान केंद्रों की संख्या 107,000 से अधिक होती और प्रत्येक में चार बूथ होते। इसमें कहा गया है, ''आम चुनाव के लिए पंजाब में 50,944, सिंध में 19,006, खैबर पख्तूनख्वा (केपी) में 15,697 और बलूचिस्तान में 5,028 मतदान केंद्र बनाए जाएंगे।'' इस बीच, ईसीपी को उन क्षेत्रों के लिए एक चुनौतीपूर्ण स्थिति का सामना करना पड़ रहा है, जहां न्यायपालिका ने उम्मीदवारों को चुनाव लड़ने की अनुमति देना जारी रखा है या उन्हें चुनाव चिह्न बदलने का आदेश दिया है। आयोग के सूत्रों ने कहा कि इन उम्मीदवारों को जिन निर्वाचन क्षेत्रों से चुनाव लड़ना है, उनमें से कुछ के लिए मतपत्रों की छपाई पहले ही पूरी हो चुकी है।

दोस्त, चाय और यूपीआई से पेमेंट...नहीं भूलूंगा, किस चीज के मुरीद हुए फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों

राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा उनके लिए आयोजित आधिकारिक भोज में अपने भाषण में मैक्रोन ने चाय के लिए हिंदी शब्द का उपयोग करते हुए कहा कि वह पीएम मोदी के साथ पी गई चाय को नहीं भूलेंगे। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों भारत की डिजिटल भुगतान प्रणाली यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) से प्रभावित हुए, जिसका उपयोग उस चाय के लिए भुगतान करने के लिए किया गया था जिसका आनंद उन्होंने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जयपुर में लिया था। मैक्रों दो दिवसीय राजकीय यात्रा पर भारत में थे और इस वर्ष के गणतंत्र दिवस के मुख्य अतिथि थे। राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा उनके लिए आयोजित आधिकारिक भोज में अपने भाषण में मैक्रोन ने चाय के लिए हिंदी शब्द का उपयोग करते हुए कहा कि वह पीएम मोदी के साथ पी गई चाय को नहीं भूलेंगे। मैक्रों ने कहा कि मैं उस चाय को नहीं भूलूंगा जो हमने महल (हवा महल) के पास एक साथ साझा की थी। यह यूपीआई के साथ भुगतान की गई चाय थी। यह इस बात का एक आदर्श संश्लेषण है कि यह इतना खास क्यों है। यह दोस्ती और इस तरह के उत्सव, परंपरा की गर्मजोशी है। यही वह है जो हम मिलकर करना चाहते हैं। बीजेपी द्वारा ट्वीट किए गए एक वीडियो में, पीएम मोदी और मैक्रॉन को हवा महल के पास एक दुकान के बाहर कुल्हड़ (मिट्टी के कप) में परोसी गई चाय की चुस्की लेते हुए बातचीत करते देखा गया। चाय के बाद

पीएम मोदी यूपीआई के जरिए चाय का पेमेंट करते नजर आए। उन्होंने मैक्रॉन को यूपीआई भुगतान करते समय दिखाया और जब दुकानदार को तुरंत भुगतान की पुष्टि मिली, तो फ्रांसीसी राष्ट्रपति सुखद आश्चर्यचकित रह गए। चाय की चुस्की के लिए स्थानीय दुकान पर जाने के दौरान पीएम मोदी ने मैक्रों को यूपीआई प्रणाली के बारे में समझाया। यूपीआई प्रणाली कई बैंक खातों को एक ही मोबाइल एप्लिकेशन में जोड़ती है, जिससे उपयोगकर्ताओं को विभिन्न बैंकिंग सुविधाओं तक पहुंचने, आसान फंड ट्रांसफर करने और व्यापारियों को भुगतान करने की अनुमति मिलती है। पिछले साल जुलाई में अपनी फ्रांस यात्रा के दौरान, पीएम मोदी ने कहा था कि भारतीय यात्री जल्द ही फ्रांस में यूपीआई का उपयोग करके भुगतान कर सकेंगे।

एलअल ने दक्षिण अफ्रीकी उड़ानें कर दीं निलंबित, नरसंहार के आरोप के बाद उठाया कदम

एलअल के प्रवक्ता ने कहा कि इजरायली दक्षिण अफ्रीका के लिए उड़ान नहीं भरना चाहते। विमान के प्रवक्ता ने कहा, इजराइल के लोगों के इस प्रतिरोध के कारण कई उड़ानें रद्द करनी पड़ीं और यात्रियों की संख्या कम हो गई। मार्ग को निलंबित करने का निर्णय मौजूदा परिस्थितियों और अन्य गंतव्यों के लिए इजरायली यात्रियों की प्राथमिकता से प्रभावित था। एल अल इजराइल एयरलाइंस ने घोषणा की कि वह मांग में उल्लेखनीय कमी के कारण मार्च के अंत तक दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में अपना परिचालन निलंबित कर देगी। इजरायली एयरलाइंस द्वारा उद्धृत यह गिरावट दक्षिण अफ्रीका द्वारा विश्व न्यायालय में इजरायल के खिलाफ नरसंहार के आरोप के कारण है। इजरायली एयरलाइंस की ओर से यह घोषणा शुक्रवार को इंटरनेशनल कोर्ट ऑफ जस्टिस (आईसीजे) के फैसले से पहले आई है। इजराइली धवज वाहक वर्तमान में जोहान्सबर्ग के लिए दो साप्ताहिक, नॉन–स्टॉप उड़ानें संचालित करता है। एलअल के प्रवक्ता ने कहा कि इजरायली दक्षिण अफ्रीका के लिए उड़ान नहीं भरना चाहते। विमान के प्रवक्ता ने कहा, इजराइल के लोगों के इस प्रतिरोध के कारण कई उड़ानें रद्द करनी पड़ीं और यात्रियों की संख्या कम हो गई। मार्ग को निलंबित करने का निर्णय मौजूदा परिस्थितियों और अन्य गंतव्यों के लिए इजरायली

यात्रियों की प्राथमिकता से प्रभावित था। एल अल ने अपने निर्णय में वर्तमान सुरक्षा स्थिति को भी एक कारक के रूप में उद्धृत किया।

आईसीजे ने शुक्रवार को इजराइल से गाजा पट्टी में अपने जमीनी हमले में मौत और क्षति को रोकने और किसी भी षगंभीर शारीरिक या मानसिक नुकसानष को रोकने के लिए कहा। हालाँकि, संयुक्त राष्ट्र की शीर्ष अदालत ने गाजा में युद्धविराम का आदेश देने से इनकार कर दिया, जो इजराइल और हमास के बीच युद्ध का केंद्र रहा है। इजराइल ने आईसीजे में जोर देकर कहा कि गाजा में उसका युद्ध उसके लोगों की वैध रक्षा थी और इसके बजाय कहा कि हमास नरसंहार का दोषी था।

पाकिस्तान में धार्मिक चरमपंथियों के दबाव में पुलिस ने अहमदी समुदाय की 80 कब्रों को नष्ट किया

जमात–ए–अहमदिया पाकिस्तान के अनुसार, धार्मिक चरमपंथियों के दबाव में पुलिस ने दस्का में अहमदी समुदाय के दो अलग–अलग कब्रिस्तानों की कम से कम 80 कब्र को अपवित्र कर दिया। लाहौर। पाकिस्तान में धार्मिक चरमपंथियों के दबाव में पुलिस ने कथित तौर पर पंजाब प्रांत में अल्पसंख्यक अहमदी समुदाय की 80 कब्र के पत्थरों को नष्ट कर दिया। जमात–ए–अहमदिया पाकिस्तान ने शुक्रवार को यह दावा किया।

यह घटना प्रांतीय राजधानी लाहौर से करीब 100 किलोमीटर दूर दस्का में हुई। जमात–ए–अहमदिया पाकिस्तान के अनुसार, धार्मिक चरमपंथियों के दबाव में पुलिस ने दस्का में अहमदी समुदाय के दो अलग–अलग कब्रिस्तानों की कम से कम 80 कब्र को अपवित्र कर दिया। शुक्रवार को एक बयान में कहा गया, ''पुलिस ने अहमदी कब्रों के पत्थरों को इस तथ्य के बावजूद नष्ट कर दिया कि कब्रिस्तान की जमीन अहमदी समुदाय को पंजाब सरकार द्वारा आवंटित की गई थी।'' बयान में दावा किया गया कि सहायक आयुक्त दस्का, अनवर अली कंजू ने अहमदी कब्रों के पत्थरों को ध्वस्त करने का अवैध आदेश जारी किया था। बयान में कहा गया ''अनवर अली कंजू लंबे समय से अहमदी समुदाय के उत्पीड़न में शामिल रहे हैं। राज्य को यह समझने की जरूरत है कि कंजू जैसे अधिकारी वैश्विक स्तर पर पाकिस्तान की प्रतिष्ठा को कैसे खराब करते हैं।'' सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में पुलिसकर्मियों को हाथों में हथौड़े लेकर कब्रों की शिलाओं को तोड़ते हुए दिखाया गया है। जमात–ए–अहमदिया पाकिस्तान ने कहा, ''यह एक निंदनीय और भयावह घटना है जिसे कभी भी उचित नहीं ठहराया जा सकता। अब समय आ गया है कि राज्य यह स्पष्ट करे कि अहमदी कब्रिस्तानों को अपवित्र करने पर उसकी नीति क्या है। सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि किस कानून के तहत पुलिस और स्थानीय प्रशासन अहमदी समुदाय की कब्रों को अपवित्र कर रहे हैं।

फिर पिटने के मूड़ में नजर आ रहा है पाकिस्तान लगातार भारत को उकसाने पर तुले हैं

आम पाकिस्तानी अपनी ही सरकार को कोस रहे हैं और कह रहे हैं कि भारत को उकसाना गलत है क्योंकि यदि उसने फिर से घुसकर मारा तो बड़ी फजीहत हो जायेगी। आम पाकिस्तानी कह रहे हैं कि जब भारत घुस कर मारता है तो हमारी सरकार कोई हमला होने से ही इंकार कर देती है। पाकिस्तान का कार्यवाहक प्रधानमंत्री बनने के बाद से अनवारुल हक काकड़ लगातार भारत के विरोध में बयान दे रहे हैं। कभी वह भारत को पाखंडी देश बताते हैं तो कभी भारत को उकसाने के लिए चीन की सीपीईसी परियोजना को आगे बढ़ाने की बात करते हैं। अब तो उन्होंने गीदड़ भभकी देते हुए कह दिया है कि ईरान की ओर से किये गये मिसाइल हमले के जवाब में जो पलटवार किया गया है उसमें भारत के लिए भी संदेश छिपा है। देखा जाये तो अनवारुल हक काकड़ की वैसे तो कोई ज्यादा बड़ी राजनीतिक हैसियत नहीं है लेकिन जबसे वह पाकिस्तान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री बने हैं तबसे उन्होंने अपना राजनीतिक वजूद कायम करने के लिए भारत के विरोध में लगातार बोलना जारी रखा है। वह ऐसा इसलिए कर रहे हैं ताकि सुर्खियों में बने रहें और अपने भारत विरोधी रुख के चलते पाकिस्तानी सेना का समर्थन हासिल कर सकें। अनवारुल हक काकड़ यह सब करके पाकिस्तान में कोई राजनीतिक मुकाम हासिल कर पाएंगे या नहीं यह तो भविष्य के गर्भ में है लेकिन एक बात जो साफ तौर पर नजर आ रही है वह यह है कि कार्यवाहक प्रधानमंत्री अपने ही देश में हंसी के पात्र जरूर बनते जा रहे हैं। विदेशी चंदे, चीन की ओर से मिल रहे कर्ज और कुछ मुस्लिम देशों की ओर से फेंके गये मदद के टुकड़ों की बदौलत चल रहे पाकिस्तान ने दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भारत के बारे में जो कुछ कहा है उस पर दिल्ली ने तो कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है मगर आम पाकिस्तानी ही काकड़ को आईना दिखाने में लग गये हैं। पाकिस्तान में सोशल मीडिया पर लोग तमाम तरह की प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए पाकिस्तान की कार्यवाहक सरकार को कोस रहे हैं। हम आपको बता दें कि काकड़ ने

अपनी गीदड़ भभकी में कहा है कि ईरान को जिस तरह से जवाब दिया गया उससे भारत को भी साफ और स्पष्ट संदेश गया है। काकड़ ने एक समाचार चौनल से बातचीत में कहा है कि ईरान की ओर से जिस तरह से पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र के उल्लंघन किया गया, उसके बाद पाकिस्तानी सेना के पास ईरान को जवाब देने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचता था। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने प्रतिक्रिया में एक मजबूत जवाब दिया और ये निश्चित रूप से भारत और पूरे क्षेत्र के लिए एक संदेश है। अब काकड़ के इस बयान के बाद आम पाकिस्तानी अपनी ही सरकार को कोस रहे हैं और कह रहे हैं कि भारत को उकसाना गलत है क्योंकि यदि उसने फिर से घुसकर मारा तो बड़ी फजीहत हो जायेगी। आम पाकिस्तानी कह रहे हैं कि जब भारत घुस कर मारता है तो हमारी सरकार कोई हमला होने से ही इंकार कर देती है मगर अब कह रही है कि भारत को संदेश चला गया है। हम आपको यह भी याद दिला दें कि पिछले साल पीओके के दौरे के दौरान भी काकड़ ने भारत के खिलाफ जमकर जहर उगला था। काकड़ ने मुजफ्फराबाद में पीओके की विधानसभा को संबोधित करते हुए कहा था कि भारत को दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश नहीं बल्कि सबसे बड़े पाखंडी देश के रूप में मान्यता दी जानी चाहिए। इसके अलावा, जहां तक चीन की सीपीईसी यानि चीन–पाकिस्तान आर्थिक गलियारा परियोजना की बात है तो उस पर भी आगे बढ़ने की बात कह कर काकड़ ने भारत को उकसाने का काम किया है। हम आपको बता दें कि भारत शुरू से ही इस परियोजना का विरोधी रहा है। रिपोर्टों के मुताबिक काकड़ ने इस्लामाबाद में कहा है कि सीपीईसी के पहले चरण को हासिल करने के बाद, पाकिस्तान अपनी प्रारंभिक परियोजनाओं से लाभान्वित हो रहा है और अगले चरण को लागू करने के लिए चीन के संपर्क में है। हम आपको बता दें कि सीपीईसी का उद्देश्य पाकिस्तान के बलूचिस्तान स्थित ग्वादर बंदरगाह को चीन के झिंजियांग प्रांत से जोड़ना है। भारत इस परियोजना पर आपत्ति जताता रहा है क्योंकि यह पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) से होकर गुजरती है। हम आपको यह भी बता दें कि कार्यवाहक प्रधानमंत्री के अलावा पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने भी भारत के खिलाफ अपने मन की नफरत का एक बार फिर प्रकटीकरण किया है। दरअसल ईरान पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि देश की पीठ में छुरा घोंपने वालों को करारा जवाब मिलेगा। इसके साथ ही उन्होंने कह डाला कि किसी को भी पाकिस्तान की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का उल्लंघन करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। साथ ही मुनीर ने भारत के साथ किसी भी प्रकार की सुलह से इंकार करते हुए कहा है

दक्षिण अफ्रीका में रह रहे भारतीय ने मनाया गणतंत्र दिवस समारोह

महावाणिज्य दूत महेश कुमार ने भारत में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा दिए गए भाषण को पढ़ा और इसके बाद राष्ट्रीय ध्वज फहराया। समारोह में स्थानीय लोगों और प्रवासी भारतीयों ने कई कार्यक्रम पेश किए और इस दौरान लोगों ने बाजरे से बने व्यंजनों का भी स्वाद चखा। जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के जोहानिसबर्ग में भारतीय वाणिज्य दूतावास द्वारा आयोजित भारत के 75वें गणतंत्र दिवस समारोह में शुक्रवार को बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। महावाणिज्य दूत महेश कुमार ने भारत में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

द्वारा दिए गए भाषण को पढ़ा और इसके बाद राष्ट्रीय ध्वज फहराया। समारोह में स्थानीय लोगों और प्रवासी भारतीयों ने कई कार्यक्रम पेश किए और इस दौरान लोगों ने बाजरे से बने व्यंजनों का भी स्वाद चखा। कार्यक्रम में मौजूद प्रवासी भारतीय अनूषा नाथू ने कहा, ''यह मेरे लिए बहुत भावनात्मक क्षण है क्योंकि मेरे सभी पूर्वज गुजरात से आए थे। यह दिन मुझे वहां से जुड़ाव महसूस कराता है।'' करीब 50 वर्ष पहले भारत से यहां आए और यहां की नागरिकता ले चुके मंजीत श्रीवास्तव ने कहा कि वह प्रत्येक वर्ष

इंग्लैंड के लिए संकटमोचन बनें ओली पोप, पांचवां टेस्ट शतक जड़कर भारत में पहली बार किया ये कमाल

ओली पोप अपनी टीम के लिए संकटमोचन बनकर उभरे। इस दौरान उन्होंने भारतीय गेंदबाजों को काफी परेशान किया। 208 गेंदों में 17 चौकों की मदद से 148 रन बनाकर नाबाद रहे। दूसरी पारी में इंग्लैंड की टीम लड़खड़ाती हुई नजर आई, जिसके बाद पोप ने बखूबी मोर्चा संभाला। इंग्लैंड के बल्लेबाज ओली पोप अपनी टीम के लिए संकटमोचन बनकर उभरे। इस दौरान उन्होंने भारतीय गेंदबाजों को काफी परेशान किया। 208 गेंदों में 17 चौकों की मदद से 148 रन बनाकर नाबाद रहे। ये उनके टेस्ट करियर का पांचवां शतक है। उन्होंने पहली बार भारत में सेंचुरी जड़ने का काम किया है। पोप के बल्ले ये शतक मुश्किल हालात में निकला। बता दें कि, इंग्लैंड ने पहली पारी में 246 रन बनाए और भारत ने 436 जुटाए। बता दें कि, दूसरी पारी में इंग्लैंड की टीम लड़खड़ाती हुई नजर आई, जिसके बाद पोप ने बखूबी मोर्चा संभाला। इंग्लैंड ने तीसरे दिन स्टंप्स तक 77 ओवर में 316 रन बटोरे। पोप के अलावा रेहान अहमद चौथे दिन इंग्लैंड की पारी को आगे बढ़ाएंगे। इंग्लैंड की शुरुआत सधी हुई थी। जैक क्रॉली 31 रन और बेन डकेट 47 रन ने पहले विकेट के लिए 45 रन की पार्टनरशिप पूरी की। क्रॉली 10वें ओवर में आउट हुए। इसके बाद बैटिंग करने के लिए उतरे पोप ने डकेट के साथ 68 रन की पारी खेली। जो रूट

(2), जॉनी बेयरस्टो (10) और कप्तान बेन स्टोक्स (6) का बल्ला नहीं चला। इंग्लैंड ने 163 रन पर 5 विकेट गंवा दिए। ऐसे में पोप ने विकेटकीपर बेन फॉक्स (34) के साथ इंग्लैंड की पारी को आगे बढ़ाया। दोनों ने छठे विकेट के लिए 112 रन की पार्टनरशिप की। पोप ने रविंद्र जडेजा द्वारा डाले गए 61वें ओवर की दूसरी गेंद पर तीन रन लेकर अपना शतक बनाया। पोप पिछले 6 साल में भारतीय धरती पर टीम इंडिया के खिलाफ टेस्ट मैच की दूसरी पारी में सेंचुरी लगाने वाले दूसरे खिलाड़ी हैं। उनसे पहले ये कारनामा श्रीलंका दिमुथ करुणारत्ने ने अंजाम दिया।

12वीं बार टेके घुटने, इंग्लैंड के कप्तान के नाम दर्ज हुआ ये रिकार्ड

स्टोक्स टेस्ट में अश्विन द्वारा सबसे ज्यादा बार आउट किए जाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। अश्विन अब तक 12 बार स्टोक्स का शिकार कर चुके हैं। स्टोक्स ने हाल ही में टेस्ट से रिटायरमेंट लेने वाले ऑस्ट्रेलिया के डेविड वॉर्नर को पीछे छोड़ दिया है, जिन्हें अश्विन ने 11 बार आउट किया। भारत बनाम इंग्लैंड पहला टेस्ट हैदराबाद के मैदान पर खेला जा रहा है। भारत के दिग्गज स्पिनर आर अश्विन ने पहली पारी में तीन शिकार करने के बाद शनिवार को दूसरी पारी में भी असरदार गेंदबाजी की। उन्होंने टी ब्रेक तक इंग्लैंड के ओपनर जैक क्रॉली के अलावा कप्तान बेन स्टोक्स को अपने जाल में फंसाया। स्टोक्स ने 24 गेंदों का सामना किया और एक चौका लगाया। वह 37वें ओवर में बोल्ड होकर पवेलियन लौटे। स्टोक्स जैसे ही आउट हुए, उनके नाम एक अनचाहा रिकॉर्ड दर्ज हो गया। दरअसल, स्टोक्स टेस्ट में अश्विन द्वारा सबसे ज्यादा बार आउट किए जाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। अश्विन अब तक 12 बार स्टोक्स का शिकार कर चुके हैं। स्टोक्स ने हाल ही में टेस्ट से

रिटायरमेंट लेने वाले ऑस्ट्रेलिया के डेविड वॉर्नर को पीछे छोड़ दिया है, जिन्हें अश्विन ने 11 बार आउट किया। वॉर्नर के बाद लिस्ट में इंग्लैंड पूर्व क्रिकेटर एलेस्टेर कुक हैं। बता दें कि, अश्विन टेस्ट में किसी एक बल्लेबाज को सबसे ज्यादा बार आउट करने वाले भारतीय स्पिनर हैं। उनके बाद फेहरिस्त में पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह हैं जिन्होंने रिकी पोंटिंग को 10 बार आउट किया है।

तन्मय अग्रवाल के नाम दर्ज हुआ सबसे तेज तिहरा शतक

दरअसल, मौजूदा रणजी ट्रॉफी के मुकाबले में शुक्रवार 26 जनवरी को एक ऐसा ही पारी देखने को मिली जिसने वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ डाला। तन्मय अग्रवाल दुनिया में सबसे तेज तिहरा शतक बनाने वाले बैटर बन गए हैं। छक्कों चौकों की बौछार करते हुए इस बैटर ने कई दिग्गजों को पीछे छोड़ दिया। दुनियाभर में भारतीय बल्लेबाजों की बल्लेबाजी का बोलबाला देखने को मिलता है। वहीं इन दिनों एक और बल्लेबाज है जिसने अपनी बल्लेबाजी के दम पर सबको प्रभावित किया है। दरअसल, मौजूदा रणजी ट्रॉफी के मुकाबले में शुक्रवार 26 जनवरी को एक ऐसा ही पारी देखने को मिली जिसने वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ डाला। तन्मय अग्रवाल दुनिया में सबसे तेज तिहरा शतक बनाने वाले

बैटर बन गए हैं। छक्कों चौकों की बौछार करते हुए इस बैटर ने कई दिग्गजों को पीछे छोड़ दिया। रणजी ट्रॉफी में 26 जनवरी 2024 खेला गया अरुणाचल प्रदेश और हैदराबाद के बीच का मुकाबला इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गया है। एक दिन के खेल में ही तन्मय अग्रवाल ने धुआंधार अंदाज में गेंदबाजों की पिटाई करते हुए ट्रिपल सेंचुरी जमा दी। इस ध्‍माकेदार तिहरा शतक को जमाते हुए तन्मय ने वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। महज 147 गेंद पर 21 छक्के और 33 चौके की मदद से इस बैटर ने 323 रन बनाए। 28 साल के तन्मय का आंध्र प्रदेश में तीन मई 1995 को पैदा हुए। क्रिकेट की तरफ छोटी उम्र में ही उनका रुझान होने के कारण उनके माता–पिता ने उनको इस खेल की तरफ बढ़ाया। तन्मय की धमाकेदार खेल की नतीजा था कि उन्होंने हैदराबाद अंडर–14 टीम में जगह बनाई। अंडर–16, अंडर–19, अंडर–22 और अंडर–25 में टीम में जगह बनाने में वो कामयाब हुए। साल 2014 में फर्स्ट क्लास क्रिकेट में डेब्यू का मौका मिला। तन्मय ने साउथ अफ्रीका के मार्को माराइस 191 रन पर बनाए तिहरे शतक के रिकॉर्ड को 147 रन पर बनाकर तोड़ डाला। इस कारनामे को वेस्टइंडीज के महान बल्लेबाज विव रिचर्ड्स ने 244 गेंद पर अंजाम दिया था। वहीं एक दिन में 300 रन बनाने के मामले में तन्मय ने वीरेंद्र सहवाग को भी पीछे छोड़ दिया है।

पाकिस्तान महिला क्रिकेट टीम में आपस में हुई मारपीट, पीसीबी ने तीन खिलाड़ियों को किया सस्पेंड

पाकिस्तान की राष्ट्रीय महिला क्रिकेट चौंपियनशिप के दौरान दो महिला खिलाड़ियों के बीच मारपीट हुई। इन खिलाड़ियों में जिन दो खिलाड़ियों ने मारपीट की उनके नाम सदफ शम्स और युसरा है जबकि जिसके साथ मारपीट हुई वो आयशा बिलाल है। पाकिस्तान क्रिकेट किसी ना किसी कारण चर्चाओं में रहती है। वहीं अब खबर है कि, पाकिस्तान की राष्ट्रीय महिला क्रिकेट चौंपियनशिप के दौरान दो महिला खिलाड़ियों के बीच मारपीट हुई। इन खिलाड़ियों में जिन दो खिलाड़ियों ने मारपीट की उनके नाम सदफ शम्स और युसरा है जबकि जिसके साथ मारपीट हुई वो आयशा बिलाल है। वहीं इस लड़ाई ने गंभीर रूप लिया, रिपोर्ट के अनुसार इस हाथापाई से महिला क्रिकेटर आयशा की नाक से खून बहने लगा। पहले आयशा इस लड़ाई के बारे में नहीं बताया था लेकिन बाद में उन्होंने सदफ और युसरा के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है।

इस घटना को लेकर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने सख्त एक्शन लिया है। पीसीबी ने तीनों खिलाड़ियों पर एक अस्थायी

बैन लगाया है। जिससे उन्हें किसी भी क्रिकेट गतिविधि में भाग लेने की मनाही है। पाकिस्तान महिला क्रिकेट की अध्यक्ष तानिया मलिक इस मामले की जांच के लिए रावलपिंडी पहुंचेंगी। हाल ही में राष्ट्रीय महिला क्रिकेट चौंपियनशिप का आयोजन हुआ है, जिसमें 6 लोकल टीमें कराची, लाहौर, मुल्तान, पेशावर, क्वेटा और रावलपिंडी खेल रही हैं।

शीर्ष बल्लेबाज बडोनी को होटल में ही रहने को बोला, दिल्ली की टीम 147 रन पर ढेर

समझा जाता है कि इस मैच में प्रदर्शन अच्छा नहीं होने पर डीडीसीए अध्यक्ष रोहन जेटली को दखल देना होगा। अधिकारी ने कहा ,'' वह जल्दी ही कड़े फैसले ले सकते हैं। क्षितिज ने दूसरी पारी में रन नहीं बनाये तो अध्यक्ष को दखल देना होगा। रणजी ट्राफी के दौरान दिल्ली की टीम से एक और विवाद जुड़ गया जब खराब फॉर्म से जूझ रहे उसके सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज आयुष बडोनी को कद्दावर अधिकारियों के कहने पर टीम होटल में ही रूकने को कहा गया चूंकि वे इस 'आईपीएल स्टार' को सबक सिखाना चाहते थे। इस सत्र में अब तक पांच पारियों में से तीन बार दिल्ली की टीम 200 रन भी पार नहीं कर पाई। सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर 49 रन रहा जो पिछले मैच में वैभव कांडपाल ने बनाया। इस मैच में पहले दिन यश ढुल ने 47 रन बनाये। पहले दिन का खेल समाप्त होने पर उत्तराखंड के चार विकेट 98 रन पर गिर चुके थे। नवदीप सैनी ने तीन विकेट लिये। पिछले मैच में 41 रन बनाने वाले बडोनी को क्षितिज शर्मा को जगह देने के लिये बाहर रखा गया। शर्मा बीसीसीआई के एक पूर्व पदाधिकारी के करीबी माने जाते हैं। डीडीसीए के एक सीनियर अधिकारी ने बताया ,''क्षितिज को

खिलाने और बडोनी को 15 से बाहर रखने का दबाव था ताकि उसे बीसीसीआई से मैच फीस भी नहीं मिल सके। 15 खिलाड़ियों को ही मैच फीस मिलती है। चूंकि उसे खिलाड़ियों और मैच अधिकारियों के क्षेत्र में जाने की अनुमति नहीं थी तो उसे होटल में ही रखा गया।'' जब वह वीआईपी दीर्घा से मैच देख सकते थे तो उन्हें मैदान में क्यो नहीं लाया गया, यह पूछने पर अधिकारी ने कहा ,'' टीम मैनेजर को उसके खाने का अलग से इंतजाम करना पड़ता क्योंकि बीसीसीआई इसके पैसे नहीं देता। वह नेट पर भी नहीं जा सकता था क्योंकि पंजाब सीए का शिविर चल रहा था।'' ऐसा भी माना जा रहा है कि आईपीएल के दो सत्र के बाद बडोनी का फोकस नहीं रह गया है और उन्हें सबक सिखाने के लिये टीम होटल में ही रखा गया। समझा जाता है कि इस मैच में प्रदर्शन अच्छा नहीं होने पर डीडीसीए

अध्यक्ष रोहन जेटली को दखल देना होगा। अधिकारी ने कहा ,'' वह जल्दी ही कड़े फैसले ले सकते हैं। क्षितिज ने दूसरी पारी में रन नहीं बनाये तो अध्यक्ष को दखल देना होगा।

भारतीय पारी 436 रन पर सिमटी, इंग्लैंड पर 190 रन की बढ़त

भारत ने रात के सात विकेट पर 421 रन के स्कोर से आगे खेलते हुए रविंद्र जडेजा (87) और अक्षर पटेल (44) के बीच आठवें विकेट के लिए 78 रन की साझेदारी करके मेहमान टीम पर पहली पारी में 190 रन की बड़ी बढ़त दिला दी। भारत ने शनिवार को यहां पहले टेस्ट के तीसरे दिन इंग्लैंड के पहली पारी के 246 रन के जवाब में शानदार बल्लेबाजी करते हुए 436 रन बनाये। भारत ने रात के सात विकेट पर 421 रन के स्कोर से आगे खेलते हुए रविंद्र जडेजा (87) और अक्षर पटेल (44) के बीच आठवें विकेट के लिए 78 रन की साझेदारी करके मेहमान टीम पर पहली पारी में 190 रन की बड़ी बढ़त दिला दी।

आईसीसी ट्रॉफी ना जीत पाने पर रोहित शर्मा का बयान, कहा– अपना टाइम आएगा

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने आगे कहा, हम बस सिर्फ यही ट्रॉफी हासिल नहीं कर सके हैं। लेकिन मुझे लगता है कि समय आएगा। हमें बस इसके लिए सही मानसिकता बनाए रखने की जरूरत है। हमें बीते समय के बारे में ज्यादा चिंता नहीं करनी क्योंकि आप इसे बदल नहीं सकते हो। वनडे वर्ल्ड कप 2023 के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हारने के बाद भारत का आईसीसी ट्रॉफी जीतने का इंतजार और बढ़ गया है। लेकिन इसके बावजूद भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को भरोसा है कि पिछले एक दशक से उन्हें जिस आईसीसी ट्रॉफी का इंतजार है,

कोहली ने चौथी बार जीता आईसीसी पुरुष 'वनडे क्रिकेटर आफ द ईयर' पुरस्कार

गुरुवार को भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली को पिछले साल घरेलू सरजमीं पर विश्व कप में शानदार प्रदर्शन के लिए आईसीसी का साल का सर्वश्रेष्ठ पुरुष वनडे क्रिकेटर 2023 चुना गया। कोहली का यह चौथा पुरस्कार है। वह पिछले साल वनडे में हमवतन शुभमन गिल के बाद सबसे अधिक रन बनाने वाले दूसरे खिलाड़ी रहे। भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली को पिछले साल घरेलू सरजमीं पर विश्व कप में शानदार प्रदर्शन के लिए गुरुवार को आईसीसी का साल का सर्वश्रेष्ठ पुरुष वनडे क्रिकेटर 2023 चुना गया। कोहली का यह चौथा पुरस्कार है। वह पिछले साल वनडे में हमवतन शुभमन गिल के बाद सबसे अधिक रन बनाने वाले दूसरे खिलाड़ी रहे। पूर्व भारतीय कप्तान कोहली ने छह शतक और आठ अर्धशतकों से पिछले साल 1377 रन बनाये। यह साल हमेशा इसलिये याद किया जायेगा कि कोहली ने महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर के वनडे में शतकों के रिकॉर्ड को तोड़ दिया था। कोहली ने भारत को विश्व कप के फाइनल में पहुंचाया और 11 मैच में रिकॉर्ड 765 रन बनाकर 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' पुरस्कार भी हासिल किया। कोहली के चमचमाते करियर में यह उनका सातवां व्यक्तिगत आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) पुरस्कार है और वनडे में यह उनका चौथा पुरस्कार है। उन्होंने इससे पहले वनडे में 2012, 2017 और 2018 में यह पुरस्कार जीता था। उन्होंने 2018 में टेस्ट पुरस्कार भी जीता था जबकि 2017 और 2018 में उन्होंने आईसीसी के साल के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर के लिए सर गारफील्ड सोबर्स ट्राफी जीती थी। कोहली के साथ इस पुरस्कार की दौड़ में हमवतन गिल और मोहम्मद शमी और न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल शामिल थे। कोहली हालांकि साल के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर की दौड़ में ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस से पिछड़ गये। कमिंस ने हमवतन ट्रेविस हेड और भारत के रविंद्र जडेजा और कोहली को पछाड़कर यह पुरस्कार हासिल किया। कमिंस ने साल के सर्वश्रेष्ठ पुरुष क्रिकेटर के लिए सर गारफील्ड सोबर्स ट्राफी जीती और इंग्लैंड की आल राउंडर नैट साइवर ब्रंट ने साल की सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटर के लिए लगातार दूसरी रशेल हेहो फ्लिंट ट्राफी जीती। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा साल के सर्वश्रेष्ठ पुरुष टेस्ट क्रिकेटर बने जिसमें उन्होंने हमवतन ट्रेविस हेड, भारतीय स्पिनर आर अश्विन और इंग्लैंड के बल्लेबाज जो रूट को पछाड़ा। श्रीलंका की चामरी अटापट्टू ने पहली बार साल की सर्वश्रेष्ठ महिला वनडे क्रिकेटर पुरस्कार हासिल किया।

सर्दियों में केला खा सकते हैं या नहीं ? जानें ठंड में केला खाने के फायदे और नुकसान

सर्दियों में फल खाना चाहिए या नहीं खासकर केला खाने को लेकर अक्सर लोग कंफ्यूज रहते हैं. कई लोग ऐसे हैं जो कहते हैं कि सर्दियों में केला खाना काफी ज्यादा नुकसानदायक होता है. ऐसे में सवाल यह उठता है कि सर्दियों में केला खाना चाहिए या नहीं? क्या बच्चों को सर्दियों में केला खिलाना चाहिए? ठंड में केला खाने से खांसी –जुकाम बढ़ सकती है. आज हम इस आर्टिकल के जरिए सारे सवालों के जवाब देंगे.

क्या सर्दियों में केला खाना चाहिए?

हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक केला सेहत के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद होता है. लेकिन सर्दियों ज्यादातर लोग केला खाना बंद कर देते हैं. आपकी जानकारी के लिए बता दें कि ऐसा करना बिल्कुल भी सही नहीं है. केला खाने से किसी भी तरह का नुकसान नहीं होता है. हालांकि अगर आपको किसी भी तरह की सर्दी–जुकाम, एलर्जी या गले, नाक में इंफेक्शन है तो बिल्कुल भी केला न खाएं. रात के वक्त तो बच्चे को भूल से भी केला खाने के लिए मत दीजिए. केला खाने से इंस्टेंट इनर्जी मिलती है. इसलिए आप किसी भी मौसम में केला खा सकते हैं. लेकिन सर्दी–जुकाम में भूल से भी केला न खाएं. इससे आपकी परेशानी बढ़ सकती है.

सर्दियों में केला खाने के फायदे

केला खाने से दिल रहता है सेहतमंदसर्दियों में दिल की बीमारी बढने का खतरा ज्यादा रहता है. हाई बीपी के मरीज अगर ठंड में केला खाएंगे तो उनके लिए ठीक रहता है. दरअसल, केला में हाई फाइबर होता है जो हार्ट से जुड़ी समस्याओं में राहत दिलाता है. फाइबर से भरपूर केला दिल से जुड़ी बीमारी में काफी ज्यादा फायदेमंद होता है. इसमें मौजूद पोटैशियम दिल की धड़कन और हाई बीपी के प्रेशर को कंट्रोल में रखता है .केले में होता है भरपूर पोषक तत्वकेला में कैल्शियम के साथ–साथ पोटैशियम, मैंग्नीज, आयरन. मैग्नीशियम, नियासिन, फोलेट, राइबोफ्लेविन और विटामिन बी 6 जैसे कई जरूरी पोषक तत्व होते हैं. जो शरीर और हड्डियों के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद होता है. सर्दियों में ज्वाइंट्स में होने वाले दर्द को भी ठीक करता है.

मीठे की क्रेविंग्स को भी करता है शांत अगर आपको मीठा खाने का मन करता है आप केला खा सकते हैं.

इसे खाने के बाद आपके मीठे की क्रेविंग्स शांत हो जाती है. साथ ही साथ यह भूख को भी कंट्रोल करता है.

सिर में ठंड लग जाने पर कुछ ऐसा होता है महसूस, तुरंत आराम चाहिए तो करें ये उपाय

सर्दियों में आपको कभी भी और कहीं भी ठंड लग सकती है. जब सिर में किसी व्यक्ति को ठंड लगती है तो सबसे शुरुआती लक्षण होते हैं सिर दर्द होना. यह सिर दर्द 2–5 दिनों तक भी रह सकता है. यह सिर दर्द सुबह उठने के बाद कहीं बाहर से आने के बाद कभी भी हो सकता है. कई बार तो यह दर्द इतना ज्यादा बढ़ जाता है कि आपको काम करने में भी तकलीफ हो सकती है. आज हम इस आर्टिकल के जरिए सिर में ठंड लगने के शुरुआती लक्षण और छुटकारा पाने के टिप्स के बारे में बात करेंगे.सिर में ठंड लगने के क्या कारण हो सकते हैं?जब भी कोई व्यक्ति अचानक से ठंडी

हवा के कॉन्टैक्ट में आएगा तो उसे ठंड लगना लाजमी है. क्योंकि ठंडी हवा में बैरोमीटर का दबाव कम हो जाता है. इसके कारण साइनस और कान में दर्द भी हो सकता है. अगर ठंडी हवा ड्राई है तो सिरदर्द और माइग्रेन की शिकायत हो सकती है. सिर में अगर एक बार ठंड लग जाए तो यह काफी दिनों तक रहता है. सिर्फ इतना ही सिर में कफ तक जम जाता है.सिर में ठंड लगने के लक्षणठंड में टेंपरेचर कम होने के कारण चेहरे, सिर, मुंह, गले और गर्दन में अकडन महसूस होती है. यही वजह है कि दिमाग के ब्लड सर्कुलेशन संकुचन महसूस होती है.सिर को नीचे से ऊपर की ओर उठाते वक्त तेज दर्दमुंह, गले या गर्दन के आसपास दर्द.सिर के आसपास तेज दर्द. कान के आस–पास दर्द महसूस होना.सिर में ठंड लगने पर करने ये कामसरसों तेल नाक, सिर और चेहरे के आसपास में लगाएं अगर आपको सिर में तेज दर्द हो रहा है तो सरसों तेल को नाक और सिर में लगाए. सरसों तेल लगाने से चेहरे, सिर, मुंह, गले और गर्दन के आसपास जो दर्द होता है उसमें काफी ज्यादा आराम मिलता है. इससे आपके सिर में गर्माहट पैदा होती है.

रोजाना सोने से पहले करेंगे ये काम तो फूल सी खिल उठेगी त्वचा, फालो करें ये स्किन केयर रूटीन

अगर रात के समय स्किन रिकवर नहीं होगी, तो त्वचा का ख्याल रखने के लिए 10 स्टेप लंबा स्किन केयर रूटीन किसी काम का नहीं रहेगा। स्किन का ख्याल रखने के लिए आपको रात में सोने से पहले ये आदतें अपनानी चाहिए। रात की नींद हमारी सेहत के लिए काफी ज्यादा जरूरी होती है। साथ ही यह स्किन के लिए भी काफी महत्वपूर्ण होती है। रात के समय हमारी त्वचा दिन भर की थकावट को रिकवर कर रही होती है। दिन भर की भागदौड़ का भी हमारी त्वचा पर असर देखने को मिलता है। इससे रिकवर होने के लिए त्वचा रात के समय खुद को रिजुविनेट करती है। ज्यादातर रात के समय ही आपकी स्किन की हीलिंग और रिकवरी होती है। हांलाकि इसमें कुछ गलतियों के कारण इस प्रक्रिया में बाधा पड़ सकती है। आपको बता दें कि अगर रात के समय स्किन रिकवर नहीं होगी, तो त्वचा का ख्याल रखने के लिए 10 स्टेप लंबा स्किन केयर रूटीन किसी काम का नहीं रहेगा। हो सकती है। इसलिए रोजाना रात में सोने से पहले क्लेंजिंग ऑयल या मिसेलर वॉटर से मेकअप को अच्छे से साफ करें।

शैतान का दमदार टीजर जारी, आमने–सामने दिखे अजय देवगन और आर माधवन

अजय देवगन इन दिनों अपनी आने वाली नई फिल्म शैतान को लेकर चर्चा में बने हुए हैं, जो एक अलौकिक थ्रिलर है। फिल्म में अजय देवगन अभिनेता आर माधवन और ज्योतिका के साथ नजर आएंगे। हाल ही में अजय देवगन ने फिल्म का नया पोस्टर साझा करते हुए फिल्म का नाम और रिलीज की तारीख से पर्दा उठाया था। फिर उन्होंने टीजर रिलीज डेट का भी एलान कर दर्शकों का उत्साह बढ़ा दिया था। वहीं, अब फैंस के इस उत्साह को और बढ़ाने के लिए आखिरकार निर्माताओं ने फिल्म का दमदार टीजर भी रिलीज कर दिया है। अजय देवगन ने सोशल मीडिया पर अलौकिक थ्रिलर की दुनिया की झलक दिखाने वाला शैतान का एक दिलचस्प टीजर साझा किया। टीजर में अजय देवगन और

ज्योतिका को भयभीत दिखाया गया है और पृष्ठभूमि में एक आवाज सुनाई दे रही है। वे कहते हैं कि दुनिया पूरी तरह से बहरी है, लेकिन हर कोई मेरी बात सुनता है। मैं काले से भी गहरा हूं मैं धोखे का कटोरा हूं। भयावह से निषिद्ध प्रार्थनाओं की प्रार्थना, मैं नरक के नौ चक्रों पर शासन करता हूं। मैं जहर हूं, मैं इलाज भी हूं.. मैंने सदियों से सब कुछ चुपचाप देखा है, यहां तक कि एक मूक गवाह भी। मैं रात हूं मैं शाम हूं मैं मैं ब्रह्मांड हूं। मैं बनाता हूं नष्ट करता हूं खबरदार लोग कहते हैं कि मैं किसी को नहीं छोड़ता। एक खेल है, क्या तुम खेलोगे? इस खेल का एक ही नियम है, चाहे मैं कुछ भी कहूं तुम्हें लालच नहीं आना चाहिए। ट्रेलर का अंत आर माधवन की डरावनी मुस्कान के साथ होता है।

अजय देवगन ने टीजर को साझा करते हुए कैप्शन में लिखा, सदियों से सब कुछ चुपचाप देखता रहा, मूक गवाह भी। मैं रात हूं, मैं शाम हूं, मैं कायनात तम हूं। बनाता हूं, बिगाड़ता हूं, लोग कहते हैं... मैं नहीं हूं कोई भी। एक खेल है, क्या तुम खेलोगे? इस खेल का एक ही नियम है, चाहे मैं कुछ भी कहूं, मेरी बातों में मत आना।

इससे पहले टीजर को लेकर खास जानकारी सामने आई थी। रिपोर्ट्स के अनुसार, अजय देवगन की फिल्म शैतान के निर्माता

अपने पहले टीजर के साथ दर्शकों के एक बड़े वर्ग तक पहुंचना चाहते हैं। यह एक सख्त डरावना कट है और इसमें कुछ चौंकाने वाले तत्व भी हैं। टीजर का डिजिटल लॉन्च आज ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण की फिल्म फाइटर की रिलीज के साथ किया गया है।

सुष्मिता सेन की आर्या 3 अंतिम वार का ट्रेलर जारी, 9 फरवरी को डिज्नी हास्टार पर होगी रिलीज

सुष्मिता सेन ने थ्रिलर सीरीज श्आर्याश् से अपनी बड़ी वापसी कर ली है और अपने दमदार एक्टिंग से दर्शकों एक बार फिर मनोरंजीत करने की तैयारी पूरी है। तीसरा सीजन की बात करे तो वह काफी अलग तरीके से खत्म हुआ था, जिससे कई सवाल बाकी थे। वहीं अब डिज्नीहॉटस्टार ने आधिकारिक तौर पर श्आर्या सीजन 3 फाइनल पार्ट्य के ट्रेलर का रिलीज किया है। राम माधवानी ने एक बयान में कहा, आर्या एक परियोजना से कहीं अधिक हैय यह एक हार्दिक यात्रा है जो मेरे करियर में एक विशेष स्थान रखती है। इस श्रृंखला का निर्माण और सह–निर्देशन अविश्वसनीय रूप से फायदेमंद रहा है, रचनात्मक सीमाओं और कहानी कहने की गहराई को बढ़ा रहा है। सीजन 3 है हमारी टीम के समर्पण का एक प्रमाण। जैसे ही हम अगले अध्याय का अनावरण कर रहे हैं, मैं गर्व और उत्साहित महसूस कर रहा हूं, इस असाधारण कहानी को दर्शकों के साथ साझा करने के लिए उत्सुक हूं। उन्होंने आगे कहा, इस भाग में, आर्या इस हद तक टूट गई है कि उसका पुनर्जन्म लगभग हो गया है, और मेरा मानना है कि हर दर्शक को उसकी यात्रा देखकर सचमुच ठंड लग जाएगी। सिनेमैटोग्राफिघ्क रूप से, आर्या अंतिम वार इस शैली के लिए एक नया पत्ता है। आर्या इस तरह खड़ी है मेरी निर्देशन यात्रा में यह एक उच्च बिंदु है, एक ऐसी कहानी जिसने मुझे चुनौती दी है और मुझे समृद्ध किया है। सुष्मिता सेन ने कहा, आर्या मेरे दिल में एक गहरी जगह रखती है, और जैसा कि सीजन 3 जारी है, यह मेरी आत्मा के दो टुकड़ों को एक साथ देखने जैसा है। डिजनी. हॉटस्टार पर आर्या का प्रत्येक एपिसोड एक ऐसी दुनिया की यात्रा है जो एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है मेरे अस्तित्व का। आर्या अंतिम वार के आगमन के साथ, आप आर्या का एक ऐसा पक्ष देखेंगे जो पहले देखी गई किसी भी चीज से परे है दृ गहराई, तीव्रता, नए घाव और उदासी जो संभवतरू उसकी कहानी के निष्कर्ष को प्रेरित करती है।उन्होंने आगे कहा, इस किरदार को निभाने से मुझे जितना मैंने कभी सोचा था उससे कहीं अधिक मिला है। मैं इस किरदार के गहन विकास और उस कहानी का अनुभव करने के लिए रोमांचित हूं जिसने मेरे दिल को इतनी गहराई से छू लिया है। आर्या सीजन 3य में

विकास कुमार, माया सराओ, गीतांजलि कुलकर्णी, श्वेता पसरीचा, वीरेन वजीरानी, प्रत्यक्ष पंवार, आरुषि बजाज, भूपेन्द्र जादावत और विश्वजीत प्रधान भी हैं। राम माधवानी द्वारा निर्मित, श्आर्या सीजन 3य फाइनल पार्ट या श्आर्या अंतिम वात्य 9 फरवरी, 2024 को डिज्नी हॉटस्टार पर रिलीज होगी।

बरुण सोबती स्टारर रक्षक चौप्टर 2 में दिखाई जाएगी कुलगाम आपरेशन की कहानी

बरुण सोबती स्टारर फिल्म रक्षक– इंडियाज ब्रेव्स के निर्माताओं ने देशभक्ति सीरीज के दूसरे चौप्टर की घोषणा की, जो देश के शहीदों और उनके बलिदानों को श्रद्धांजलि है।

आर्मी मिशन की सच्ची घटनाओं पर, निर्माताओं ने फ्रेंचाइजी के दूसरे पार्ट के पहले लुक का अनावरण किया, जिसमें बरुन ने नायब सूबेदार सोमबीर सिंह की देशभक्ति गाथा को उकेरा है। कहानी जूनियर कमीशंड ऑफिसर नायब सूबेदार सोमबीर सिंह की है। उन्होंने कुलगाम जिले में एक संयुक्त अभियान में डीवाईएसपी अमन कुमार ठाकुर के साथ मिलकर आतंकवादियों को मार गिराया और नागरिकों के जीवन और देश की अखंडता दोनों की रक्षा की।कुलगाम ऑपरेशन की कहानी पर प्रकाश डालते हुए, रक्षक– भारत के बहादुररू चौप्टर 2 नायब सूबेदार सोमबीर सिंह और डीवाईएसपी अमन कुमार ठाकुर की वीरता और जुनून को उजागर करता है, जो देश को आतंकवादियों के खतरों से बचाने के लिए एक गहरी प्रतिबद्धता से प्रेरित थे।

उल्लेखनीय है कि आतंकवाद विरोधी अभियानों में उनकी बहादुरी और साहस के लिए नायब सूबेदार सोमबीर सिंह को शौर्य चक्र और डीवाईएसपी अमन कुमार ठाकुर को वीरता के लिए शेर–ए–कश्मीर पदक से सम्मानित किया गया था।दिलचस्प वॉर सीन्स और मजबूत भावनात्मक प्रभाव के साथ, सीरीज उन दो हीरोज को एक शक्तिशाली श्रद्धांजलि

अर्पित करती है, जिन्होंने कर्तव्य निभाते हुए अपने जीवन का बलिदान दिया।बरुण, जो बहादुर नायब सूबेदार सोमबीर सिंह की भूमिका निभा रहे हैं, ने साझा कियारू रक्षक मेरे लिए एक अविश्वसनीय अनुभव रहा है। मैं उपलब्धि और कृतज्ञता की गहन भावना से भरा हुआ हूं। देश के लिए अपना जीवन बलिदान करने वाले व्यक्ति की भूमिका निभाना एक बड़ी जिम्मेदारी है। जगरनॉट स्टूडियो द्वारा निर्मित और बरुण और विश्वास किनी की प्रमुख भूमिकाओं वाली रक्षक– इंडियाज ब्रेव्स चौप्टर 2 का प्रीमियर जल्द ही अमेजन मिनीटीवी पर होगा।

जितेंद्र कुमार ने किया अपनी नई फिल्म लांत्रानी का ऐलान, 9 फरवरी को जी5 पर होगी रिलीज

वेब सीरीज पंचायत से दर्शकों के बीच लोकप्रियता हासिल करने वाले अभिनेता जितेंद्र कुमार को आखिरी बार श्रिया पिलगांवकर के साथ फिल्म ड्राई डे में देखा गया था।यह फिल्म बीते साल 22 दिसंबर को अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई थी।अब जितेंद्र ने अपनी नई फिल्म का ऐलान कर दिया है, जिसका नाम लांत्रानी रखा गया है। फिल्म में जॉनी लीवर भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। इसके साथ फिल्म की रिलीज तारीख भी सामने आ चुकी है।

लांत्रानी सिनेमाघरों में नहीं, बल्कि ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर दस्तक देगी। फिल्म का प्रीमियर 9 फरवरी को होगा।जितेंद्र ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर फिल्म का पहला पोस्टर साझा किया है। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, लांत्रानी का मतलब है बड़ी बड़ी बातें करना। इस कहानी में है अनेक किरदार, लेकिन इन में से कौन है असल लांत्रानी, इस बात का खुलासा होगा 9 फरवरी को। देखिए लांत्रानी बिल्कुल फ्री सिर्फ जी5 पर।फिल्म में जिशु सेनगुप्ता भी हैं।

जितेन्द्र कुमार को जन्म 1 सितंबर 1990 को राजस्थान के अलवर में हुआ था। उन्होंने आईआईटी खडगपुर से सिविल इंजीनियरिंग में डिग्री हासिल की। इसके बाद आईआईटी केजीपी में हिंदी प्रौद्योगिकी ड्रामाटिक्स सोसाइटी में कई मंचीय नाटक किए, जहां उन्होंने बिस्वपति सरकार से मुलाकात की, जिन्होंने अंततरू उन्हें 2012 में टीवीएफ में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। जितेंद्र कुमार एक भारतीय

अभिनेता हैं जो द वायरल फीवर के कॉमेडी स्केच में अपनी भूमिकाओं के लिए प्रसिद्ध हैं। उन्होंने खुद को भारतीय वेब श्रृंखला की दुनिया के सुपरस्टार के रूप में स्थापित किया है और अपने कई राल?स जैसे जीतू, मुन्ना जज्बाती, गिट्टू और अर्जुन केजरीवाल (अरविंद केजरीवाल का परौडी रोल) के लिए व्यापक रूप से जाने जाते है।

मंगल लक्ष्मी बहनों के असामान्य बंधन की कहानी है दीपिका सिंह

एक्ट्रेस दीपिका सिंह फैमिली ड्रामा मंगल लक्ष्मी में मुख्य भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं। उन्होंने अपने किरदार के बारे में खुलकर बात की है और खुलासा किया है कि कैसे यह शो कई उदाहरणों को दर्शाता है जो हम हर रोज अपने आसपास देखते हैं।

यह शो मंगल (दीपिका) के इर्द–गिर्द घूमता है, जो मल्टीटास्कर है। वह बेटी, पत्नी और बहू की भूमिका ईमानदारी से निभाती है और साथ ही अपनी छोटी बहन, लक्ष्मी (सानिका अमित द्वारा अभिनीत) का पालन–पोषण भी करती है।

मंगल, लक्ष्मी के लिए एक जीवनसाथी ढूंढने का प्रयास कर रही है, यह सुनिश्चित करते हुए कि छोटी बेटी को उसी अपमान का सामना न करना पड़े जो मंगल को आदित (नमन शॉ द्वारा अभिनीत) के साथ अपनी शादी में अनुभव हुआ था।

मंगल की भूमिका निभाने के लिए तैयार, दीपिका, जो दीया और बाती हम में अपनी भूमिका के लिए जानी जाती हैं, ने साझा कियारू मैं दिल्ली के एक देसी और भरोसेमंद किरदार मंगल की भूमिका निभाने के लिए रोमांचित हूं। यह दो बहनों के असामान्य बंधन की कहानी है, जो ऐसे कई उदाहरणों को दर्शाती है, जिसे हम हर रोज अपने आसपास देखते हैं।

उन्होंने कहा, मैंने खुद अपने परिवार में और अपने दोस्तों के बीच कई कहानियां देखी हैं, जिन्होंने मुझे प्रेरित किया है। मुझे यह भी लगता है कि हमारे देश में दर्शक स्क्रीन पर ऐसे सहानुभूतिपूर्ण किरदारों को देखना पसंद करते हैं और उनके साथ जुड़ते हैं।

दीपिका को मंगल के किरदार को जीवंत करने में खुशी महसूस हो रही है और उन्हें उम्मीद है कि दर्शकों को किरदार की हर विशेषता में प्रासंगिकता मिलेगी।

लक्ष्मी की भूमिका निभाने के बारे में बात करते हुए, सानिका ने साझा कियारू मंगल लक्ष्मी टीवी के साथ एक्टर के रूप में मेरा पहला प्रोजेक्ट है। लक्ष्मी एक सीधी–साधी लड़की है जो दृढ़ता से अपने अधिकारों के लिए खड़े होने और जो गलत समझती है, उसे चुनौती देने में विश्वास करती है।

नमन ने कहा, अदित का किरदार जो अहंकारी है। वह अपनी पत्नी को कमजोर मानता है। मेरे चरित्र का उद्देश्य भारतीय विवाहों में वास्तविक दुनिया की चुनौतियों के पितृसत्तात्मक और अभी भी प्रचलित पहलू को प्रदर्शित करना है।

उन्होंने कहा, एक अभिनेता के रूप में, मैं अपने हर किरदार में प्रामाणिकता लाने के लिए समर्पित हूं और मैं इस बहुआयामी किरदार को सहजता से निभाने के लिए उत्साहित और उत्सुक हूं।

मंगल लक्ष्मी जल्द ही कलर्स पर प्रसारित होगा।

क्रैक का दूसरा गाना जीना हराम जारी, विद्युत जामवाल ने नोरा फतेही संग किया रोमांस

बॉलीवुड अभिनेता विद्युत जामवाल पिछले कुछ समय से अपनी आने वाली स्पोर्ट्स–एक्शन फिल्म क्रैक को लेकर चर्चा में हैं।इसमें

उनकी जोड़ी प्रसिद्ध अभिनेत्री और डांसर नोरा फतेही के साथ बनी है, जिसे पहली बार देखा जाएगा। दिल झूम (पहला गाना) के बाद अब निर्माताओं ने क्रैक का दूसरा गाना जीना हराम जारी कर दिया है, जिसमें विद्युत और नोरा एक–दूसरे संग इश्क फरमाते नजर आ रहे हैं।दोनों की शानदार केमिस्ट्री लोगों का दिल जीत रही है।

जीना हराम को विशाल मिश्रा और शिल्पा राव ने मिलकर गाया है तो वहीं इस गाने के बोल तनिष्क बागची ने लिखे हैं।क्रैक के निर्देशन की कमान आदित्य दत्त ने संभाली है। फिल्म का निर्माण विद्युत ने अपने होम प्रोडक्शन एक्शन हीरो फिल्म्स के तहत किया है।इसमें अर्जुन रामपाल और एमी जैक्सन भी अहम भूमिकाओं में हैं।विद्युत और नोरा की यह फिल्म 23 फरवरी को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है।क्रैक... जीतेगा तो जीयेगा एक स्पोर्ट्स एक्शन फिल्म है। यह मुंबई की झुग्गियों में होने वाले एक्सट्रीम स्पोर्ट्स और जज्बे की कहानी है। क्रैक में विद्युत जामवाल स्पोर्ट्स स्टंट्स और एक्शन करते हुए नजर आएंगे। इस फिल्म को लेकर विद्युत ने कहा था कि इस समय जैसी परिस्थितियां हैं, हमें अपनी सीमाओं को लांघना होगा। ऐसा काम करना होगा, जो बिल्कुल नया हो। इसीलिए हम एक्सट्रीम स्पोर्ट्स पर फिल्म लेकर आ रहे हैं।

रोहित शेट्टी की इंडियन पुलिस फोर्स को ओटीटी पर मिला जबरदस्त रिस्पांस

फिल्म निर्माता रोहित शेट्टी ने अपनी पहली वेब सीरीज इंडियन पुलिस फोर्स के साथ ओटीटी पर कदम रखा। शो ने सप्ताहांत में आश्चर्यजनक रूप से शानदार दर्शक हासिल किए। यह शो के लिए एक जबरदस्त सफलता का संकेत है।

सिद्धार्थ मल्होत्रा, शिल्पा शेट्टी और विवेक ओबेरॉय अभिनीत इंडियन पुलिस फोर्स दिल्ली पुलिस अधिकारी कबीर मलिक की गंभीर दुनिया पर प्रकाश डालती है, जहां वह प्रतिद्वंद्वी जरार का सामना करते है, जिसने आतंकवाद का रास्ता अपना लिया है।

एक्शन से भरपूर दृश्यों और हाई–ऑक्टेन ड्रामा के लिए रोहित की विशिष्ट प्रतिभा पूरी सीरीज में स्पष्ट है, जो इसे दर्शकों के लिए एक दिलचस्प घड़ी बनाती है।

पहली वेब सीरीज ने न केवल शेट्टी की सिनेमाई शैली के प्रशंसकों को आकर्षित किया है, बल्कि व्यापक दर्शकों को ओटीटी प्लेटफॉर्म की ओर भी आकर्षित किया है।

शो को लेकर व्यापक दर्शक इसकी यूनिवर्सल अपील को दर्शाता है जो बाधाओं को तोड़ता है और विभिन्न जनसांख्यिकी के दर्शकों तक पहुंचता है।

कलाकारों के शानदार प्रदर्शन के साथ दिल को छू लेने वाली कहानी ने दर्शकों को भारतीय पुलिस बल को महज एक अपराध ड्रामा से ऊपर उठाकर प्रभावित किया है।

वेब सीरीज एक रोमांचक रूप में सामने आती है, जो न्याय की निरंतर खोज और कर्तव्य की पंक्ति में किए गए बलिदानों को दर्शाती है। डिजिटल क्षेत्र में उनका प्रवेश एक फिल्म निर्माता के रूप में उनकी अनुकूलन क्षमता को दर्शाता है।

नुसरत भरुचा ने गिराई हुस्न की बिजलियां, ब्लैक आउटफिट में बढ़ाया इंटरनेट का पारा

नुसरत भरुचा अक्सर अपनी फिल्मों को लेकर चर्चा में बनी रहती हैं. उन्होंने अपनी दमदार अदाकारी से हमेशा साबित किया है कि वह किसी भी तरह से किरदार में आसानी से खुद को ढाल सकती हैं. ऐसे में नुसरत के चाहने वाले उन्हें हमेशा ही पर्दे पर देखने के लिए बेताब रहते हैं. एक्ट्रेस भी अपने फैंस के साथ जुड़ी रहने के लिए सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. अब फिर से नुसरत ने अपनी अदाओं से सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है.लेटेस्ट फोटोशूट में नुसरत काफी स्वैग में नजर आ रही हैं. उन्होंने अपने इस नए फोटोशूट के लिए फंकी ऑफ शोल्डर ब्लैक टॉप और कार्गो स्टाइल मैचिंग की पैंट कैरी की है.एक्ट्रेस ने अपने इस लुक को सटल शाइनी बेस, न्यूड लिप्स और स्मोकी आई मेकअप से कंप्लीट किया है. हेयरस्टाइल के लिए उन्होंने बालों का हाई पोनीटेल बनाकर बांधा हुआ है. एक्सेसरीज के लिए नुसरत ने कानों में डायमंड ईयररिंग्स कैरी किए हैं. उन्होंने अपने इस लुक को कैमर के सामने खूब फ्लॉन्ट करते हुए एक से एक किलर पोज दिए हैं. अब फैंस के बीच उनका ये नया लुक भी काफी वायरल हो रहा है. नुसरत इस फोटोशूट में बेहद खूबसूरत और स्टनिंग दिख रही हैं. वर्क फ्रंट की बात करें तो नुसरत के वर्क फ्रंट की बात करें तो इन दिनों वह अपनी मोस्ट अवेटेड फिल्म छोरी 2 को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं. इसके पहले भाग में दर्शकों ने नुसरत पर खूब प्यार लुटाया था. अब फैंस उन्हें एक बार फिर से पर्दे पर देखने के लिए उत्साहित हैं।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, रविवार 28 जनवरी 2024
sheelshukla100@gmail.com

सोनांचल में हर्षोल्लास से मनाया गया 75वां गणतंन्त्र दिवस

सोनभद्र। सोनांचल में 75वां गणतंन्त्र दिवस राष्ट्रीय पर्व हर्षोल्लास एवं सादगी के साथ मनाया गया। जिसमें झण्डा फहराना, राष्ट्रगान, संविधान संकल्प आदि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पुलिस लाइन में आयोजित पुलिस परेड कार्यक्रम का आयोजन आकर्षण का केन्द्र रहा। पुलिस लाइन चुर्क में मुख्य अतिथि प्रभारी मंत्री रवीन्द्र जायसवाल द्वारा प्रातः 9:30 बजे पुलिस लाइन परेड ग्राउण्ड में ध्वजारोहण, राष्ट्रगान, व सलामी तथा पुलिस परेड निरीक्षण किया और प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने अपने सम्बोधन में जनपद वासियों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए गणतंत्रध्लोकतंत्र को और मजबूत बनाने पर बल दिया, उन्होंने कहा कि आज देश के अमर शहीद बलिदानियों को नमन करने का दिन है, जिन्होंने देश को आजाद कराने में अपने प्राणों की आहूती दी और देश को आजादी दिलायी, देश की सुरक्षा में सेना और पुलिस बल की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है, जिसके कारण हम अपने त्यौहारों को हर्षो और उल्लास के साथ मनाते हैं। हमारे भारत देश का संविधान की व्याख्या बहुत सुन्दर ढंग से की गयी है, जिसमें समाज के सभी वर्गों को समान अधिकार प्राप्त हुए हैं और हमारे देश का संविधान सबसे अच्छे संविधान के रूप में जाना जाता है, देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ की मंशा है कि देश के हर वर्ग के प्रत्येक व्यक्ति का समुचित विकास हो, तभी देश एक मजबूत राष्ट्र के रूप में अपनी पहचान बनायेगा, उन्होंने कहा कि गणतंत्र दिवस पर सभी अधिकारी, कर्मचारी वर्ग को इस बात की शपथ लेनी चाहिए कि शासन और सरकार द्वारा उन्हें जो भी जिम्मेदारी दी गयी है, उसका वह कर्तव्य पालन करते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने का कार्य करेंगें और देश व प्रदेश को मजबूत करने में अपना योगदान देंगें, भारत के महान स्वतंत्र सेनानियों, अमर शहीदों को याद करते हुए कहा कि उनकी कड़ी मेहनत व संघर्ष का परिणाम है कि आज हम गणतंत्र दिवस एक उत्सव के रूप में मना रहे हैं। उन्होंने राष्ट्रीय एकता, अखण्डता, धर्म–निरपेक्षता और साम्प्रदायिक सौहार्द्र की भावना को मजबूत बनाने पर विशेष बल दिया। मुख्य अतिथि प्रभारी मंत्री द्वारा शान्ति का प्रतीक कबूतर व गुब्बारे को आसमान में छोड़कर पुलिस लाइन में परेड कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया, मंत्री जी द्वारा 75वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर पुलिस अधिकारियोंध्कर्मियों को संविधान संकल्प दिलाया गया और सभी परेड कमाण्डरों का परिचय प्राप्त किया गया तथा सराहनीय कार्य करने वाले पुलिस कर्मियोंको पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। इसी के साथ–साथ परेड कमाण्डर सहित सभी कमाण्डरों को सील्ड एवं प्रशस्ति पत्र भेंटकर सम्मानित किया गया। गणतंत्र दिवस के अवसर पर पुलिस लाइन चुर्क, सोनभद्र में सांसद पकौड़ी लाल कोल, जिलाधिकारी चन्द्र विजय सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष राधिका पटेल, पुलिस अधीक्षक डॉ0 यशवीर सिंह, मुख्य विकास अधिकारी सौरभ गगवार, अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक त्रिभूवन नाथ त्रिपाठी, उप जिलाधिकारी सदर निखिल यादव, भाजपा जिलाध्यक्ष नन्दलाल गुप्ता सहित सम्मानित अधिकरीगण, सम्मानित जनप्रतिनिधिगण, कर्मचारीगण, पुलिस कर्मी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय पर्व से अच्छे विचारों का होता है संचार–डीएम

संवाददाता।

सोनभद्र। जिलाधिकारी चन्द्र विजय सिंह ने 75वें गणतन्त्र दिवस के अवसर पर कलेक्ट्रेट प्रांगण में ध्वजारोहण कर राष्ट्रगान के बाद संविधान में उल्लिखित संकल्प का स्मरण कराने के उपरान्त कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित समारोह में सम्मिलित हुए। इस दौरान जिलाधिकारी चन्द्र विजय सिंह ने कहाकि कि राष्ट्रीय पर्व से अच्छें विचारों का संचार होता है और नई ऊर्जा मिलती है, जिससे लोकतांत्रिक व्यवस्था के अनुरूप बेहतर कार्य करने में मदद मिलती है। उन्होंने अधिकारियों व कर्मचारियों का आह्वान किया कि अपने दायित्वों को निभाने में परोपकार की भावना रखते हुए समाज के वंचित व असहाय व्यक्तियों को सरकार की योजनाओं से लाभान्वित करने काम करें। उन्होंने कहा कि भारत देश का संविधान सबसे बड़ा संविधान है, इस संविधान में समाज के हर वर्ग को समान अधिकार प्राप्त है, उन्होंने प्रदेश व केन्द्र सरकार की महत्वांकाक्षी योजनाओं पर विस्तार से रौशनी डालते हुए कहा कि सरकार की योजनाओं को हर पात्र व्यक्तियों तक पहुंचाने का कार्य किया जाये और समाज के हर वर्ग को सरकार की योजनाओं से पूर्ण ईमानदारी व निष्ठा के साथ लाभान्वित किया जाये, 75वें गणतंन्त्र दिवस के अवसर पर कलेक्ट्रेट में जिलाधिकारी व विकास भवन में मुख्य विकास अधिकारी सौरभ गंगवार सहित विभिन्न कार्यालयों में सम्बन्धित कार्यालयाध्यक्षों द्वारा प्रातः 8:30 बजे ध्वजारोहण, राष्ट्रगान, संविधान संकल्प व महापुरूषोंध्महान विभूतियों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण व पुष्प अर्पित कर गत वर्ष की भांति हर्षोल्लास एवं सादगी के साथ राष्ट्रीय पर्व मनाया गया, कलेक्ट्रेट में जिलाधिकारी द्वारा अपने अधीनस्थ अधिकारियोंध्कर्मचारियों को संविधान का संकल्प दिलवाया तथा अधिकारियोंध्कर्मचारियों व जनपदवासियो को इस राष्ट्रीय पर्व पर हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी। गणतंत्र दिवस के मौके पर अपर जिलाधिकारी(वि0ध्रा0) सहदेव कुमार मिश्र, अपर जिलाधिकारी(न्यायिक) सुभाष चन्द्र यादव, अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे आशुतोष दूबे, उप जिलाधिकारी मुख्यालय श्री प्रमोद तिवारी, जिला प्रोबेशन अधिकारी सुधाशुं शेखर शर्मा, अपर जिला सूचना अधिकारी विनय कुमार सिंह, खाद्य सुरक्षा अधिकारी सुशील सिंह, रामलाल यादव, इसरार अहमद खॉ, सुरेश पाठक ने विस्तार से प्रकाश डाला। इस मौके पर जिला सूचना विज्ञान अधिकरी अनिल कुमार गुप्ता, राजीव शुक्ला, गिरजा, कलेक्ट्रेट परिसर में स्थापित सभी अनुभागोधविभागों के अधिकारी व कार्मिकगण मौजूद रहें। कार्यक्रम का सफल संचालन रामलाल यादव ने किया।

राष्ट्रपिता महात्मा गॉधी जी के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अर्पित किये श्रद्वा सुमन

सोनभद्र। जिलाधिकारी चन्द्र विजय सिंह द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर में सिापित गांधी उद्यान में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के प्रतिमाा पर माल्यार्पण कर नमन करते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया, जिलाधिकारी ने गांधी जी के जीवन मूल्यों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए मौजूद अधिकारियों व कर्मचारियों को गांधी जी के विचारों को आत्मसात करने की अपील की। उन्होंने कहा कि सादा जीवन उच्च विचार को आत्मसात करते हुए गांधी जी के विचारों के अनुरूप कार्यप्रणाली अपनाकर कार्य किया जाये। इस दौरान जिलाधिकारी ने बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओं अभियान के संदेश को देने हेतु हवा में गुब्बारे छोड़कर संदेश दिये कि बेटी बचाओं बेटी पढ़ाओ, बेटी किसी मामले में किसी से कम नहीं हैं,

गणतंत्र दिवस पर ध्वजारोहण के पश्चात व्यक्त किये विचार

सोनभद्र । रावर्ट्सगंज नगर पालिका परिसर में स्थापित महात्मा गांधी जी की प्रतिमा के समक्ष गणतंत्र दिवस पर ध्वजारोहण करने के पश्चात विविध कार्यक्रम आयोजित कर वक्ताओं ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर गोष्ठी आयोजित की। अधिशासी अधिकारी विजय कुमार यादव द्वारा ध्वजारोहण कर गांधी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर वक्ताओं को गांधी जी के विचारों पर प्रकाश डाला गया। श्री यादव ने बताया कि गणतंत्र दिवस पर देश एक नई ऊंचाइयों की तरफ बढ़ रहा है। जिसमें हमारे क्रांतिकारियों की दी हुई शहादत से हम लोगों को आजादी मिली।

सौर ऊर्जा से रोशन होगा मेडिकल कालेज, हुआ लोकार्पण, बचेगी एक करोड़ की बिजली

संवाददाता।

मेरठ । मेरठ के एलएलआरएम मेडिकल कॉलेज अब सौर ऊर्जा से रोशन होगा। इससे मेडिकल का करीब एक करोड़ रुपये प्रति वर्ष बिजली बिल बचेगा। इस पैसे को मरीजों के लिए इस्तेमाल किया जाएगा। शनिवार को ऊर्जा राज्यमंत्री डॉ सोमेंद्र तोमर इस 1.5 मेगा वाट क्षमता के रूफ टॉप सोलर पावर प्रोजेक्ट का लोकार्पण किया।प्राचार्य डॉ आरसी गुप्ता ने बताया कि पहले सोलर पावर प्रोजेक्ट का लोकार्पण मेडिकल कॉलेज के स्थापना दिवस पर 28 जनवरी को होना था, लेकिन उस दिन अधिक व्यस्तता रहने के कारण अब 27 जनवरी को लोकार्पण करने का निर्णय लिया गया है।मेडिकल कॉलेज के 35 भवनों के छतों को सोलर पैनल लगाया गया है। इससे 1.5 मेगा वाट विद्युत उत्पन्न की जाएगी, जिसका उपयोग मेडिकल कॉलेज परिसर, चिकित्सालय, मरीज और छात्र हित में किया जाएगा। अभी तक मेडिकल का करीब तीन से चार करोड़ रुपये सालाना बिजली का बिल आता है।डॉ सोमेंद्र तोमर ने बताया कि सौर ऊर्जा एक बेहतर विकल्प है। उत्तर प्रदेश सरकार ने किंग जॉर्ज मेडिकल कॉलेज लखनऊ, बाबा राघव दास मेडिकल कॉलेज गोरखपुर के बाद लाला लाजपत राय स्मारक मेडिकल कॉलेज मेरठ में सोलर पावर प्रोजेक्ट लगवाया है। इस प्रोजेक्ट के शुरू हो जाने के बाद 90 लाख से एक करोड़ रुपये प्रति वर्ष के बिजली बिल की बचत होगी, जिसे मरीज हित में खर्च किया जाएगा। जापान की कंपनी से सोलर पावर प्रोडक्शन प्लांट के निर्माण के लिए अनुबंध किया गया था। प्रोजेक्ट में उच्च गुणवत्ता के उपकरण प्रयोग किए गए हैं, जिससे निर्बाध रूप से मेडिकल को विद्युत आपूर्ति मिलती रहेगी।

एनटीपीसी विंध्याचल में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया देश का 75वां गणतन्त्र दिवस

संवाददाता।

सोनभद्र। एनटीपीसी विंध्याचल के अंबेडकर स्टेडियम में शुक्रवार को 75वां गणतन्त्र दिवस समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस समारोह का शुभारंभ कार्यकारी निदेशक (विंध्याचल) ई सत्य फणि कुमार ने तिरंगे झंडे को फहरा कर किया। तत्पश्चात मुख्य अतिथि महोदय ने परेड का निरीक्षण किया तथा परेड की सलामी ली।

इसके पश्चात कार्यकारी निदेशक (विंध्याचल) श्री कुमार ने उपस्थित कर्मचारियों को संबोधित करते हुए सभी को 75वें गणतन्त्र दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी। कहा कि मै सर्वप्रथम हमारे संविधान निर्माता एवं उन सभी विभूतियों को नमन करता हूँ, जिनके प्रयासों से हमारे देश को विश्व का सबसे बड़ा लिखित संविधान प्राप्त हुआ और यह 26 जनवरी, 1950 को सम्पूर्ण राष्ट्र में लागू हुआ। फणि कुमार नें कहा कि आधुनिक मशीन युग मैं विकास और विद्युत एक–दूसरे के पूरक हैं। बिना विद्युत, आधुनिककाल में किसी भी प्रकार के विकास की परिकल्पना करना असंभव है।

उन्होनें कहा कि एनटीपीसी–विंध्याचल विगत 41 वर्षों से अपने निरंतर विद्युत उत्पादन के माध्यम से क्षेत्र एवं राष्ट्र के स्तर पर महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। हमें गर्व है कि एनटीपीसी विंध्याचल परियोजना ने वित्त वर्ष 2023–24 में 30.77 ठन् विद्युत का उत्पादन किया है और अभी तक का चस्थ् 89.50ः है। साथ ही एनटीपीसी विंध्याचल परियोजना ने वित्त वर्ष 2023–24 में दिसंबर तक 29.55 एमयू की दर से अब तक का सबसे अधिक हाइड्रो उत्पादन प्रबंधन किया हैं। इसके साथ ही सीएसआर विभाग एवं महिलाओं द्वारा संचालित स्वयंसेवी संस्था "सुहासिनी संघ" द्वारा परियोजना के भू–विस्थापित एवं आस–पास के ग्रामीण क्षेत्र के लोगों के आर्थिक, सामाजिक एवं सामुदायिक विकास के लिए वर्षभर अनेक प्रकार के प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाता है, जो प्रशंसनीय है। इसके अतिरिक्त एनटीपीसी विंध्याचल को विभिन्न अवार्ड से सम्मानित किया गया। इस दौरान कार्यकारी निदेशक (विंध्याचल) ने अधिकारी एवं कर्मचारियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए इसी लगन और टीम वर्क के साथ कार्य करने की प्रेरणा दी।

तदोपरांत मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों द्वारा नैगम सामाजिक दायित्व के अंतर्गत बालिका सशक्तिकरण अभियान 2018 की 10वीं मे प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण बालिकाओं को साइकल का वितरण किया गया। अंबेडकर स्टेडियम मे आयोजित गणतन्त्र दिवस समारोह के दौरान परियोजना के डी पी एस, डी–पॉल, सरस्वती शिशु मंदिर, सरकारी स्कूल सहित बाल भवन के विद्यालयीन छात्र–छात्राओं ने देश की एकता और अखंडता से ओत–प्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियाँ दीं, साथ ही सभी स्कूलों के बच्चों द्वारा देशभक्ति, नारी सशक्तिकरण व अन्य विषय पर आधारित झाँकियाँ प्रस्तुत की, जिसे मुख्य अतिथि एवं उपस्थित अतिथियों द्वारा खूब सराहा गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से महाप्रबंधक राजेश भारद्वाज, सभी महाप्रबंधकगण, अपर महाप्रबंधकगण, विभागाध्यक्षध्अनुभागाध्यक्ष, उपाध्यक्षा सुहासिनी संघ सुभा भारद्वाज एवं सुहासिनी संघ की पदाधिकारीगण, कमांडेंट सीआईएसएफ पंकज बलियान, डिप्टी कमांडेंट (ब्मै) शिव कुमार, सीआईएसएफ के अन्य अधिकारीगण, यूनियनध एसोसिएशन के पदाधिकारीगण, विभिन्न विद्यालयों के प्राचार्य एवं शिक्षक–शिक्षिकाएँ, कर्मचारी एवं उनके परिवारजनों के साथ–साथ भारी संख्या में जन–समूह भी मौजूद रहा। अंत में कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया। इसके उपरांत मुख्य अतिथि एवं उपस्थित अन्य अतिथियों द्वारा एनटीपीसी विंध्य चिकित्सालय में मरीजों को फल का वितरण भी किया गया।

बागपत के जंगल में लगे जाल में फंसा तेंदुआ, सेल्फी लेने के लिए उमड़ी ग्रामीणों की भीड़

संवाददाता।

बागपत । उत्तर प्रदेश के बड़ौत में बिनौली थाना क्षेत्र के शाहपुर बाणगंगा गांव के जंगल में लगे एक जाल में तेंदुआ फंस गया। उधर लगातार सूचना देने के बाद भी वन विभाग की टीम मौके पर नहीं पहुंची, जिसके बाद लोगों ने हंगामा कर दिया। वहीं तेंदुए के साथ सेल्फी खींचने को लेकर ग्रामीणों की भीड़ उमड़ पड़ी। सूचना पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। बताया जा रहा है कि शनिवार सुबह तेंदुआ एक जाल में फंसा हुआ था। ग्रामीणों का आरोप है कि सुबह तीन बजे तेंदुए की आवाज आ रही थी। वह जोर–जोर से दहाड़ रहा था। कहा कि जब हम वहां गए तो तेंदुआ एक फंदे में फंसा हुआ था। इसके बाद ग्राम प्रधान ने वन विभाग को सूचना दी।आरोप है कि सूचना देने के बाद भी वन विभाग की टीम मौके पर नहीं पहुंची। हालांकि बाद में मामला बढ़ता देख स्थानीय पुलिस व वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और तेंदुए को रेस्क्यू करने में जुट गई। फंदे की बात तो नकारता रहा वन विभाग वन विभाग फंदे की बात को नकार रहा है, लेकिन लोगों का आरोप है कि कुछ लोग सेह, सूअर को मारने के लिए फंदे का प्रयोग कर रहे हैं। इसी फंदे में तेंदुआ फंसा होगा। जहां पर तेंदुआ फंसा था वहां पर एक तार में क्लच वायर को बांधा गया था। यहां पर खाई थी। वन विभाग की टीम मौके पर भेजी है, यदि सूचना सही मिली तो मौके पर तेंदुएं को रेस्क्यू करने के लिए टीम को भेजा जाएगा।– सुनेन्द्र सिंह रेंजर बड़ौत।

दिल्ली–देहरादून हाईवे पर अज्ञात वाहन ने बाइक को मारी टक्कर, दो युवकों की दर्दनाक मौत

संवाददाता।

मेरठ । दिल्ली–देहरादून हाईवे पर सिसौना के निकट अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई, जबकि युवती गंभीर घायल है। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया।हादसा शुक्रवार को हुआ। रॉग साइड से आ रही बाइक में अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। मृतकों की शिनाख्त भोपा क्षेत्र के कस्बा भोकरहेड़ी निवासी कपिल (26) पुत्र दीप्पू और श्रीकांत (22) पुत्र रंजीत के रूप में हुई। बाइक सवार युवती ज्योति पुत्री अरविंद निवासी गांव बढीवाला भी घायल है।

करनावल गेट के पास अज्ञात शव मिलने से फैली सनसनी

संवाददाता।

सरपुर शुक्रवार की देर शाम सरधना बिनौली रोड पर करनावल गेट के पास एक वृद्ध का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मौके पर सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने अज्ञात शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फिलहाल पुलिस ठंड के कारण मौत होना मान रही है और पुलिस मामले की जांच कर रही है। शुक्रवार की देर शाम सरधना–बिनौली रोड पर करनावल गेट के पास एक वृद्ध का शव मिलने से सनसनी फैल गई। बाद में सूचना पाकर मौके पर पहुंचे पुलिस ने शव की शिनाख्त करने का प्रयास किए लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। इसके बाद पुलिस ने अज्ञात में शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना प्रभारी देव सिंह रावत ने बताया कि उक्त अज्ञात व्यक्ति कई दिनों से करनावल गेट के पास यात्री शैड में रह रहा था तथा अर्द्ध विक्षिप्त टाइप का था। उन्होंने बताया कि ठंड के कारण वृद्ध की मौत हुई है। फिलहाल पुलिस ने ठंड के कारण मौत होना बताकर पीएम भेज दिया।वहीं पुलिस मामले की जांच में भी जुटी हुई है।

बढ़ सकती हैं 30 पुलिस कर्मियों की मुश्किलें

मेरठ साल 2018 मार्च का महीना और तीन तारीख। जनपद के सरूरपुर थाना क्षेत्र में सुजीत एनकाउंटर को फर्जी बताते हुए तत्कालीन एसएसपी मंजिल सैनी व कई दूसरे पुलिस अफसरों समेत 30 पुलिस वालों के खिलाफ दायर की गयी 156ध्3 की याचिका जिसको लोअर कोर्ट ने खारिज कर दिया,उसको दोबार सुनने के आदेश एडीजे ने 16 नुसरत खान ने सुनवाई के बाद बुधवार को दिए हैं। लोअर कोर्ट में इस मामले में अब अगली सुनवाई 16 फरवरी को होनी है। पीड़ित की 156ध्3 के तहत मुकदमा चलाए जाने की याचिका निरस्त किए जाने को लेकर लोअर कोर्ट के प्रति भी एडीजे ने तल्ख टिप्पणी की है।ये था पूरा मामला3 मार्च 2018 को सुजीत निवासी हसनपुर राजापुर थाना सरूरपुर का सरूरपुर क्षेत्र में एनकाउंटर कर दिया गया। मारे गए युवक के पिता जगबीर पुत्र मूला सिंह एकाउंटर को अपने पुत्र की हत्या करार देते हुए लोअर कोर्ट में तत्कालीन एसएसपी व एसपी देहात समेत कुल 30 पुलिस वालों पर 157ध्3 के तहत हत्या का मुकदमा चलाए जाने के लिए अर्जी दायर की थी।इस अर्जी पर सुनवाई के बाद लोअर कोर्ट ने निरस्त कर दिया। इसके बाद पीड़ित पक्ष ने एडीजी के यहां अर्जी लगायी। इसकी सुनवाई के बाद अर्जी को सुनने योग्य मानते हुए एडीजे–16 ने लोअर कोर्ट को पुनरू उक्त याचिका को सुनने का आदेश दिया। साथ ही सुनवाई की तारीख 16 फरवरी भी तय कर दी। पीड़ित को 16 फरवरी को कोर्ट में पेश होकर अपना पक्ष रखने को कहा गया है।ये कहना है पीड़ित का मारे गए युवक सुजीत के पिता जगबीर ने कोर्ट को अपनी अर्जी में बताया कि 3 मार्च 2018 को उनका पुत्र सुजीत अपने दो साथियों के साथ शामली पहुंचा था। दोपहर बाद करीब साढे" तीन बजे शामली बस स्टैंड से तत्कालीन एसओ सरूरपुर व तीन चार अन्य पुलिसकर्मी जो सादावर्दी में थे मेरे पुत्र के पास शामली बस स्टैंड पर पहुंचे। तीनों को जबरन उठाकर एक सफेद स्कार्पियो में बैठा लिया।

उसको थाना सरूरपुर लेकर आ गए। वहां पहले से तत्कालीन एसएसपी, एसपी देहात, सीओ सरधना व कई अन्य पुलिस वाले मौजूद थे। उन्होंने तीनों से मारपीट की और सुजीत को मीतन व रवि पुत्रगण बेदीराम के साथ षड्यंत्र कर फर्जी एनकाउंटर में हत्या कर दी। उक्त पुलिस वालों के खिलाफ हत्या के मुकदमे का फैसला 16 फरवरी की सुनवाई के बाद होगा।

हिण्डाल्को में उल्लासपूर्वक मनाया गया गणतंत्र दिवस समारोह

रेनुकूट(सोनभद्र) । विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी हिण्डाल्को में 75वां गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। हिण्डाल्को फुटबॉल मैदान पर आयोजित भव्य कार्यक्रम में मुख्य अतिथि हिण्डाल्को के मुखिया एन. नागेश ने आदित्य बिड़ला पब्लिक स्कूल, आदित्य बिड़ला इंटर कॉलेज के बच्चों द्वारा प्रस्तुत बैण्ड की धुनों पर कर्नल रोहित शर्मा (सेनि.), देवेन्द्र ओंकार (सेनि.) के नेतृत्व में एन.सी.सी. कैडेट्स व सुरक्षा जवानों के परेड की सलामी ली तथा तिरंगा फहरा कर सभी को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने सभी महापुरुषों, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, अमर शहीदों व जवानों को नमन करते हुए कहा कि हमें उनकी कुर्बानियों को याद करते हुये यह शपथ लेनी होगी कि हम पूरी मेहनत, निष्ठा और ईमानदारी के साथ अपने–अपने क्षेत्र में श्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए देश और संस्थान की तरक्की में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करेंगे और शहीदों को यही हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। साथ ही उन्होंने सभी कर्मचारी भाईयों को लगन, निष्ठा एवं प्रतिबद्धता के साथ संस्थान को गौरवान्वित करने हेतु दिये गये उनके योगदान के लिए आभार व्यक्त करते हुए संस्थान को विभिन्न क्षेत्रों में मिले सम्मानों व पुरस्कारों के लिये सभी सहकर्मियों को बधाई दी।

इस अवसर पर हिण्डाल्को द्वारा संचालित एबीपीएस, एबीआईसी, हिण्डाल्को प्राइमरी स्कूल यूनिट–2 व यूनिट–3, महिला मंडल स्कूल के बच्चों द्वारा देश–प्रेम से ओतप्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। वहीं प्लांट की ओर से समसामयिक विषयों पर झांकी भी निकाली गई। इसी के साथ प्लांट में प्रवेश को लेकर सुरक्षा प्रबंधों पर आधारित एक डेमो भी प्रस्तुत किया गया। साथ ही सड़क सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता दर्शाते हुए उपस्थित समस्त अधिकारियों एवं जनसमुदाय ने सड़क सुरक्षा शपथ भी ली। अंत में रस्साकसी प्रतियोगिता का आयोजन कॉमर्शियल विभाग एवं रिडक्शन प्लांट की टीम के मध्य किया गया जिसमें रिडक्शन प्लांट की टीम विजेता रही।

विभिन्न विभागों, कर्मचारियों तथा अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय तथा राज्य स्तर पर श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को उनकी विशिष्ट उपलब्धियों के लिए मुख्य अतिथि नागेश व उनकी धर्मपत्नी लक्ष्मी नागेश, मानव संसाधन प्रमुख जसबीर सिंह व उनकी धर्मपत्नी सीमा सिंह, रिडक्शन हेड जेपी नायक, ईआर हेड अजय सिन्हा, एचआरएसडी हेड वनिता वासनिक द्वारा पुरस्कारों से सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन मनोरंजनालय विभाग के वेद प्रकाश द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में संस्थान के कर्मचारी, मान्यता प्राप्त श्रमिक संगठनों के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में रेणुकूटवासी व मीडियाकर्मी उपस्थित रहे। इसके उपरान्त नागेश, जसबीर व अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने हॉस्पिटल पहुंच कर वॉर्ड में भर्ती मरीजों के मध्य फल वितरित किया एवं उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की भी प्रार्थना की। इस मौके पर हिण्डाल्को हॉस्पिटल के सीएमओ भास्कर दत्ता ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

डीएवी के विद्यार्थियों ने 75वें गणतंत्र दिवस पर दिखाया जोश

मेरठ डीएवी सैंटेनरी पब्लिक स्कूल, मेरठ में 75 वां गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस विशिष्ट अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में विधान परिषद के सदस्य धर्मेंद्र भारद्वाज तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ अल्पना शर्मा (क्षेत्रीय अधिकारी डीएवी यूपी जोन ए) उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि तथा विशिष्ट अतिथि ने ध्वजारोहण कर राष्ट्रीय गीत के गायन द्वारा किया। डीएवी के एनसीसी कैडेट्स ने लहराते हुए तिरंगे, मुख्य अतिथि तथा विशिष्ट अतिथि को सैल्यूट कर मार्च पास्ट करते हुए भारत की सौहाद्रता को परिलक्षित किया। तत्पश्चात मुख्य अतिथि तथा विशिष्ट अतिथि का आभार व्यक्त करते हुए उन्हें नई ऊर्जा का प्रतीक नई पौध, शॉल तथा स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। नन्हे छात्रों ने राष्ट्र को समर्पित करते हुए उत्साह पूर्ण गीत 'सारे जहां से अच्छा हिंदुस्तान हमारा' की प्रस्तुति कर अपने राष्ट्र को अपना राष्ट्रमयी अभिवादन दिया। कक्षा तीसरी से कक्षा आठवीं तक के विद्यार्थियों ने 'नए भारत का चेहरा' गीत पर अभूतपूर्व नृत्य प्रदर्शन करते हुए गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर राष्ट्र के प्रति सम्मान प्रदर्शित किया।

पश्चिमांचल डिस्कॉम ने हर्षोउल्लास के साथ मनाया गणतंत्र दिवस

एमडी ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियोंध्कर्मचारियों को सम्मानित किया।

संवाददाता। मेरठ , जगत चर्चा। पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लि0 द्वारा 75वां गणतंत्र दिवस समारोह हर्षोउल्लास व उत्साह के साथ मनाया गया। प्रबन्ध निदेशक श्रीमती चौत्रा वी. ने डिस्कॉम मुख्यालय ऊर्जा भवन मेरठ के प्रांगण में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। ध्वजारोहण के पश्चात् सभी अधिकारियोंध्कर्मचारियों एवं गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में राष्ट्रीय गान हुआ। इस अवसर पर प्रबन्ध निदेशक द्वारा अधिकारियोंध्कर्मचारियों को निष्ठा शपथ दिलाई गई। शपथ दिलाते हुये प्रबन्ध निदेशक ने कहा कि भारत की सार्वभौमिकता तथा सत्यनिष्ठा बनाये रखने के लिये अपने कार्यालय के कार्य निष्ठापूर्वक एवं ईमानदारी से करें। प्रबन्ध निदेशक ने सभी सम्मानित उपभोक्ताओं को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं देते हुये कहा कि गणतंत्र दिवस सभी के लिये गौरव का उत्सव है। उन्होंने अधिकारियोंध्कर्मचारियों से आह्वान किया कि डिस्कॉम को प्रगतिशील बनाने की दिशा में समर्पित प्रयास किया जाये। उन्होंने कहा हमें उपभोक्ताओं की सेवा के लिये निरन्तर अग्रसर रहना चाहिए और ईमानदारी लगन व निष्ठा के साथ कार्य कर, डिस्कॉम को उन्नति के पथ पर अग्रसर करना चाहिए। प्रबन्ध निदेशक ने बताया कि डिस्कॉम ने राजस्व वसूली 'एकमुश्त समाधान योजना' का लाभ उपभोक्ताओं को देने व उपभोक्ताओं को समय पर व सही बिल देने आदि क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य किया है। गणतंत्र दिवस समारोह में प्रबन्ध निदेशक द्वारा राजस्व वसूली, वाणिज्यिक कार्य, दोषपूर्ण बिलों को सही करने आदि कार्यो में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। एकमुश्त समाधान योजना में सर्वाधिक राजस्व वसूली पर श्री महेश उपाध्याय, अधिशासी अभियन्ता विद्युत वितरण खण्ड मोदीनगर, वाणिज्यिक कार्यो में उल्लेखनीय कार्यो के लिए श्री काशीनाथ यादव अधिशासी अभियन्ता (वाणिज्य), श्री महेश चन्द्र विश्वकर्मा अधिशासी अभियन्ता विद्युत वितरण खण्ड–द्वितीय मवाना, श्री अजय कुमार यादव अधिशासी अभियन्ता विद्युत वितरण खण्ड–प्रथम बुलन्दशहर को ओ0टी0एस0 में राजस्व वृद्धि, श्री शोभित कुरील अधिशासी अभियन्ता विद्युत परीक्षण खण्ड–शामली, श्री राजीव भट्ट अधिशासी अभियन्ता विद्युत नगरीय परीक्षण खण्ड सहारनपुर को आई0डी0एफ0 प्रकरणों में कमी लाने हेतु सम्मानित किया।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक–शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।